@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 30 दिसम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 56 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अरावली खनन मामले में पिछले फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

● विशेषज्ञ समिति बनाने पर विचार ● सरकार से मांगा स्पष्ट जवाब

एजेंसी
नई दिल्ली। अरावली खनन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज अपने पुराने फैसले पर रोक लगा दी। बता दें कि कोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं की परिभाषा नए सिरे से तय किए जाने के इस

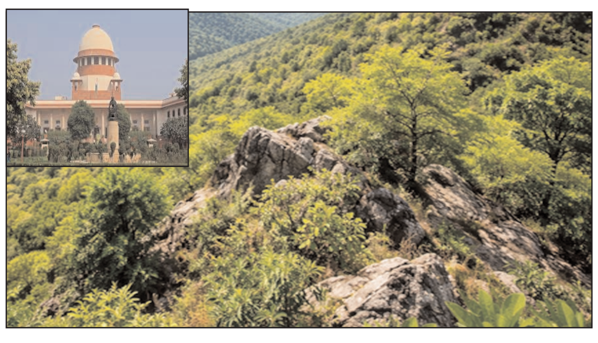

सरकार से स्पष्ट जवाब मांगते हुए शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा, इस मामले में स्पष्टीकरण जरूरी है। बता मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 20 नवंबर के फैसले में दिए गए निर्देशों को स्थगित रखा जाएगा। अपने आदेश में अदालत ने कहा, इसमें कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर स्पष्टीकरण आवश्यक हैं।

सोमवार को अवकाश पीठ में हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को मिलाकर एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव भी रखा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अन्य पक्षों को नोटिस जारी करते हुए कहा कि इस मामले में आगे की सुनवाई 21 जनवरी को होगी।

भूपेंद्र यादव ने फैसले का किया स्वागत

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत किया है। भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले और मुद्दों का अध्ययन करने के लिए एक नई कमेटी बनाने के निर्देशों का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MOEFCC) सुप्रीम कोर्ट के इस नई समिति को हर जरूरी सहयोग देगा। अपने पोस्ट में मंत्री ने साफ किया कि अभी भी अरावली क्षेत्र में नई खनन लीज देने या पुरानी लीज को नवीनीकरण करने पर पूरी तरह रोक जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार अरावली पहाड़ियों की सुरक्षा और दोबारा सुधार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस ने भी किया फैसले का स्वागत

कांग्रेस ने भी सोमवार को अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। पार्टी ने केंद्र सरकार और खास तौर पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव पर हमला बोलते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की है। कांग्रेस पहले से ही इस नई परिभाषा का विरोध कर रही थी। ऐसे में पार्टी का कहना है कि अगर यह परिभाषा लागू होती, तो अरावली पहाड़ियों को खनन, रियल एस्टेट और अन्य परियोजनाओं के लिए खोल दिया जाता, जिससे पहाड़ों को भारी नुकसान होता। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला 'उम्मीद की एक किरण है।

उन्नाव रेप केस- कुलदीप सेंगर की जमानत पर रोक

● दुष्कर्म के दोषी विधायक कुलदीप सेंगर को सुप्रीम कोर्ट से झटका

एजेंसी
चंडीगढ़। सुप्रीम कोर्ट में उन्नाव दुष्कर्म मामले में दोषी पाए गए भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के मुकदमे पर सुनवाई हुई। शीर्ष अदालत की पीठ ने सेंगर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर फिलहाल रोक लगाई जाती है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ में सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने की अपील की। पीठ ने कहा कि वह इस मामले की जांच करेगी क्योंकि इस मुकदमे पर विचार करना आवश्यक है। शीर्ष अदालत ने साफ किया कि कि उच्च न्यायालय के 23 दिसंबर के आदेश के आधार पर सेंगर को हिरासत से रिहा नहीं किया जाएगा। मामले की सुनवाई चार सप्ताह करने की बात कहते हुए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा, इस मामले में महत्वपूर्ण कानूनी प्रश्नों पर विचार किया जाना है। सुनवाई के दौरान

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, ये मामला बच्ची के साथ भयावह दुष्कर्म का है। दोषी पर आईपीसी की धारा 376 और पॉक्सो कानून की धारा पांच और छह के तहत आरोप तय किए गए हैं। अदालत ने इस बात को नोट किया कि अपराध के समय पीड़िता की आयु 15 साल 10 माह थी। तमाम दलीलों को सुनने के बाद चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, हम हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने के पक्ष में हैं।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली पीठ ने आज केंद्रीय जांच ब्यूरो की याचिका पर सुनवाई की। इसमें दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित करने के फैसले को चुनौती दी गई थी। बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 दिसंबर को सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित कर दी थी, जिसके बाद सीबीआई ने इस फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया।

पीड़िता बोली- कुलदीप सेंगर को फांसी दिलाने तक जारी रहेगी मेरी लड़ाई

पीड़िता ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं। मुझे सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा था। मैं यह पक्का करूंगी कि उसे मौत की सजा मिले। वहीं पीड़िता की मां ने कहा कि हम खुश हैं। हम सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद करना चाहते हैं। मेरी बेटी को न्याय मिलना चाहिए। दोषी को मौत की सजा मिलनी चाहिए।

ऊंचा पद नहीं, लोगों की जिंदगी में बदलाव ही असली सफलता : राष्ट्रपति

● एनआईटी जमशेदपुर के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने दी छात्रों को सीख

एजेंसी
सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिले में स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर के 15वें दीक्षांत समारोह में सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छात्रों को सफलता और सामाजिक जिम्मेदारी का सन्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऊंचे पद पर पहुंचना सफलता की गारंटी नहीं है, बल्कि जब आपके ज्ञान और कार्य से आम लोगों की जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आए, तभी सफलता का वास्तविक मूल्य समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एनआईटी से डिग्री प्राप्त करने के बाद कई चुनौतियां छात्रों का इंतजार कर रही हैं, लेकिन धैर्य और सतत प्रयास से इनका सामना करना ही सच्ची सफलता है। राष्ट्रपति ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 65 वर्षों से एनआईटी जमशेदपुर विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में सफलता के झंडे गाड़ रहा है। इस संस्थान ने देश को ऐसे इंजीनियर दिए हैं जिन्होंने विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी 1,114 छात्रों

को बधाई दी। इनमें से 612 छात्र समारोह में व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करना वर्ष भर के संघर्ष और परिश्रम का परिणाम है और यह सिर्फ उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि देश के प्रति नए संकल्प लेने का भी समय है। राष्ट्रपति मुर्मु ने छात्रों को राष्ट्र निर्माता की संज्ञा देते हुए कहा कि शिक्षण संस्थान केवल डिग्री देने की जगह नहीं हैं, बल्कि यह भविष्य की सोच को आकार देने वाली बौद्धिक प्रयोगशालाएं हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग देशहित में करें और तकनीकी विकास को मानव कल्याण का माध्यम बनाएं। उन्होंने कहा कि एनआईटी में शिक्षा और नवाचार को समाज की जरूरतों से जोड़ने के लिए प्रभावशाली सिस्टम विकसित किया गया है, जिसमें सेंटर फॉर इनोवेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम भी शामिल हैं। उन्होंने तकनीक के दुरुपयोग जैसे साइबर ठगी की ओर भी ध्यान दिलाया और उम्मीद जताई कि एनआईटी इसके समाधान पेश करेगा।

असम आंदोलन के शहीदों को अमित शाह ने दी श्रद्धांजलि

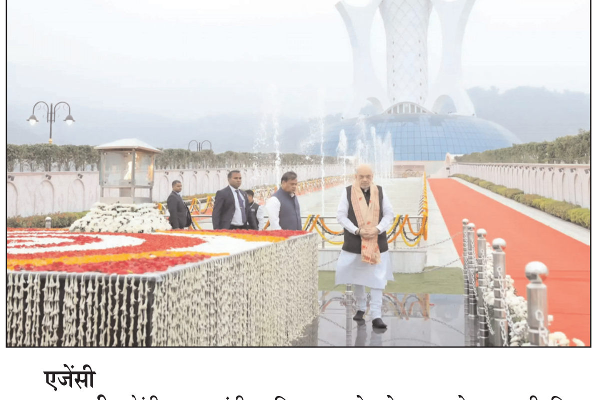

एजेंसी
गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को गुवाहाटी स्थित शहीद स्मारक क्षेत्र में असम आंदोलन के दौरान बलिदान देने वाले शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शहीद स्मारक क्षेत्र असम आंदोलन में अपने प्राण न्योछावर करने वाले लोगों की प्रखर देशभक्ति का प्रतीक है। अमित शाह ने कहा कि यह स्मारक आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र के लिए समर्पित जीवन जीने और देशहित में कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने शहीदों के त्याग और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनका योगदान देश के इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि असम आंदोलन के शहीदों ने जिस संकल्प और साहस के साथ देश और समाज के लिए बलिदान दिया, वह पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने शहीदों की स्मृति को नमन करते हुए उनके प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की।

ईडी की बड़ी कार्रवाई: गैंगस्टर इंद्रजीत सिंह यादव के 10 ठिकानों पर छापे

ईडी की कार्रवाई में पांच लग्जरी कारें-17 लाख नकद जब्त

एजेंसी
गुरुग्राम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गैंगस्टर इंद्रजीत सिंह यादव के 10 ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी ने इंद्रजीत के ठिकानों से पांच लग्जरी कारें, 17 लाख रुपये नकद के साथ-साथ दस्तावेज एवं डिजिटल उपकरणों को जब्त किया है। ईडी ने यह छापामारी दिल्ली, गुरुग्राम और रोहतक में की है। ईडी के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि गुरुग्राम जोनल ऑफिस की टीम ने इंद्रजीत सिंह यादव के ठिकानों पर 26 दिसंबर से 27 दिसंबर तक दिल्ली, गुरुग्राम और रोहतक में 10 स्थानों पर सर्च अभियान चलाया। इस दौरान ईडी की टीम ने इंद्रजीत सिंह यादव से जुड़े लोगों व संस्थाओं के खिलाफ चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी जांच की। यह जांच प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत दर्ज मामलों की जा रही है। जांच में खुलासा हुआ है कि मनी लॉन्ड्रिंग की जांच इंद्रजीत सिंह यादव की अवैध उगाही, प्राइवेट फाइनेंसरों के जबरन लोन सेटलमेंट, हथियारों से धमकाने और ऐसी अवैध गतिविधियों से कमीशन कमाने के संबंध में शुरू की गई। ईडी ने हरियाणा पुलिस व यूपी पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट, 1959, बीएनएस, 2023 और आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं

के तहत इंद्रजीत सिंह यादव और उनके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज 15 से अधिक मुकदमों व चार्जशीट के आधार पर जांच शुरू की थी। आरोप है कि मेसर्स जेम रिकॉर्ड्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के मालिक और मुख्य नियंत्रक इंद्रजीत सिंह यादव बाहुबली हैं जो हत्या, उगाही, प्राइवेट फाइनेंसरों द्वारा दिए गए लोन के जबरन सेटलमेंट, धोखाधड़ी, ठगी, अवैध जमीन हड़पने और हिंसक अपराधों जैसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं।

पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने भारत उपवन कुशालपुरा का किया निरीक्षण

ब्यावर। पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को ब्यावर जिले की ग्राम पंचायत कुशालपुरा में भारत उपवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ब्यावर क्षेत्र में ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों के सहयोग से चारागाह भूमि पर किए गए फलदार एवं छायादार पौधारोपण की पहल की सराहना की। मंत्री मदन दिलावर ग्राम पंचायत कुशालपुरा स्थित महात्मा गांधी तारा देवी लालचंद जी सिंघवी राजकीय विद्यालय, कुशालपुरा में भामाशाह सिंघवी ट्रस्ट द्वारा लगभग 7 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नवीन विद्यालय भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप भाग ले रहे थे। कार्यक्रम के पश्चात उन्होंने ग्राम पंचायत कुशालपुरा एवं ग्रामवासियों के सहयोग से चारागाह भूमि पर लगाए गए 2500 से 3000 फलदार एवं छायादार पौधों का अवलोकन किया। पौधों की शत-प्रतिशत जीवितता दर देखकर मंत्री महोदय अत्यंत प्रसन्न हुए तथा ग्राम पंचायत को बधाई दी। उन्होंने पौधों की नियमित निराई-गुड़ाई, समय-समय पर खाद एवं पानी देने के निर्देश भी दिए।

भारत ने पाकिस्तान के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली। भारत ने देश में घटने वाली कथित घटनाओं को लेकर पाकिस्तान की ओर से की गयी टिप्पणियों को सिरे से खारिज कर दिया है। भारत ने कहा कि ऐसे देश से आई टिप्पणियां पूरी तरह अस्वीकार्य हैं, जिसका इस विषय पर अपना रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोमवार को मीडिया के सवालों पर कहा कि पाकिस्तान में विभिन्न धर्मों के अल्पसंख्यकों के खिलाफ भयावह और सुनियोजित उत्पीड़न एक स्थापित तथ्य है। इस सच्चाई को किसी भी तरह के आरोप-प्रत्यारोप या उंगली उठाने से छिपाया नहीं जा सकता। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान द्वारा लगाए जा रहे आरोप उसके अपने कृत्यों से ध्यान भटकाने का प्रयास मात्र हैं। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों और उनकी सुरक्षा को लेकर पाकिस्तान की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। जायसवाल ने कहा कि भारत ऐसे निराधार और भ्रामक बयानों को पूरी तरह खारिज करता है। उन्होंने दोहराया कि किसी भी तरह की बयानबाजी से जमीनी सच्चाई नहीं बदली जा सकती। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा था कि हाल के दिनों में क्रिसमस के दौरान हुई तोड़फोड़ की घटनाएं, मुसलमानों को निशाना बनाकर चलाए जा रहे अभियानों और बार-बार लिंचिंग की घटनाओं ने डर और अलगाव की भावना को और बढ़ाया है।

श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र युगों तक रहेगा अक्षुण्ण : अमित शाह

● केंद्रीय गृह मंत्री ने बटद्रवा में श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र का औपचारिक उद्घाटन किया।

एजेंसी
बटद्रवा/गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि बटद्रवा स्थित श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र केवल 10-20 वर्षों के लिए नहीं, बल्कि युग-युगांतर तक श्रद्धा और आध्यात्म का केंद्र बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना में प्रवेश करते ही समय जैसे स्थिर हो जाता है और मन में आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है। बटद्रवा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने अवैध विदेशियों के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि एक-एक कर विदेशियों की पहचान कर उन्हें बाहर निकाला जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि असम की सांस्कृतिक और जनसांख्यिकीय पहचान की रक्षा के लिए केंद्र सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अमित शाह ने बटद्रवा क्षेत्र से अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को हटाकर नामघर की स्थापना और संरक्षण के लिए असम के मुख्यमंत्री

डॉ. हिमंत बिस्व सरमा की सराहना की। उन्होंने इसे असम की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा की दिशा में अहम कदम बताया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने बटद्रवा में श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र का औपचारिक उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने उत्तर भारत के सबसे बड़े, लगभग 5 हजार सीटों की क्षमता वाले ज्योति-विष्णु प्रेक्षागृह का भी उद्घाटन किया। अपने दौरे के दौरान अमित शाह ने गुवाहाटी में नवनिर्मित पुलिस आयुक्त कार्यालय का उद्घाटन किया, जिसे शहरी पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री बोरागांव स्थित शहीद स्मारक पहुंचे, जहां उन्होंने ऐतिहासिक असम आंदोलन के 860 शहीदों की पुण्य स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों के बलिदान को नमन् किया और असम की जनआकांक्षाओं के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

अकाली दल और शिरोमणि कमेटी अपने गलत कामों के लिए अकाल तख्त साहिब-पंथ को ढाल बना रही: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका
चंडीगढ़, 29 दिसंबर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शिरोमणि कमेटी और अकाली दल को श्री अकाल तख़्त साहिब और पंथ को अपने गलत कामों की ढाल के रूप में इस्तेमाल करने पर आड़े हाथों लिया है। सोमवार को उन्होंने कहा कि ये लोग श्री अकाल तख़्त साहिब और पंथ को अपने कुकर्मों के खिलाफ कार्रवाई से बचने के लिए ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के 328 लापता हुए स्वरूपों के मामले में कोई कार्रवाई न होने से पूरी संगत नाराज़ है। शिरोमणि कमेटी इस पाप में शामिल अपने आकाओं के करीबी धनाढ्यों को बचाने के लिए एड़ी-चोटी का ज़ोर लगा रही है। चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से पंजाबी और सिख समुदाय गहरे सदमे में है क्योंकि श्री गुरु ग्रंथ साहिब के 328 स्वरूपों के लापता होने के मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि पंथक संगठनों और संत समाज ने लंबे समय से इस संबंध में कार्रवाई की मांग की है और इस उद्देश्य से राज्य सरकार तक भी पहुंच की है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अपनी नैतिक जिम्मेदारी के तहत राज्य सरकार ने इस संबंध में एफ.आई.आर. दर्ज की है और मामले की जांच के लिए विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एफ.आई.आर. दर्ज होते ही अपने आकाओं के निर्देशों पर शिरोमणि कमेटी ने प्रेस के माध्यम से जानकारी देना शुरू कर दी और धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार के खिलाफ ज़हर उगलना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि शिरोमणि कमेटी के मुखिया ने स्वीकार किया है कि कमेटी में रोज़ाना 10-12 घोटाले होते हैं, जो यह दर्शाता है कि श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए गोलक के धन का दुरुपयोग हो रहा है।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि शिरोमणि कमेटी की अंतरिम कमेटी ने वर्ष 2020 में अपनी बैठक में इस मामले में दोषी कर्मचारियों और प्रकाशकों के खिलाफ सख़्त कार्रवाई करने का प्रस्ताव पारित किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैरानी की बात यह है कि इतनी अनियमितताओं के बावजूद इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई, जबकि शिरोमणि कमेटी ने स्वयं पूर्व मुख्य सचिव डॉ. रूप सिंह जैसे धनाढ्यों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने का प्रस्ताव पारित किया था। उन्होंने कहा कि एस.एस. कोहली एंड एसोसिएट्स (चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म) की सभी सेवाएं समाप्त करने का निर्णय भी लिया गया था और जिम्मेदारियों में विफल रहने के कारण किए गए 75 प्रतिशत भुगतान की वसूली को भी मंजूरी दी गई थी।

शेष पृष्ठ 3 पर

सीएम योगी ने सुनी जनता की फरियाद, कहा- हर समस्या का समाधान होगा, सबकी मदद करेंगे

● सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी।

गोरखपुर। जनता के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रचंड ठंड में भी सोमवार को जनसेवा का अनुष्ठान जारी रखा। प्रतिकूल मौसम के बावजूद उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि घबराइए मत, हर समस्या का समाधान कराएंगे, सरकार सबकी भरपूर मदद करेगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। सोमवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति

भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। के प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। जहां पैमाइश की जरूरत हो, वहां पैमाइश कराकर विवाद का निस्तारण कराया जाए। पारिवारिक विवाद के मामलों में उन्होंने उभयपक्षों के साथ संवाद कर समाधान की राह निकालने के लिए निर्देशित किया। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी।

भारतमाला प्रोजेक्ट जमीन घोटाले पर ईडी का एक्शन : छत्तीसगढ़ में नौ ठिकानों पर की छापेमारी

रायपुर (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को छत्तीसगढ़ में बड़ी कार्रवाई करते हुए रायपुर और महासमुंद में नौ विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। यह तलाशी अभियान भारतमाला हाईवे प्रोजेक्ट के तहत जमीन अधिग्रहण में हुए कथित मुआवजे घोटाले की जांच के सिलसिले में चलाया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय जांच एजेंसी उन अनियमितताओं की जांच कर रही है जो रायपुर से आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम तक बनने वाले आर्थिक कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण के बदले मुआवजा वितरण के दौरान बरती गई थीं।बताया जा रहा है कि ईडी की टीमें हरमीत सिंह खनूजा, उनके सहयोगियों, कुछ सरकारी अधिकारियों और संबंधित जमीन मालिकों के परिसरों की सघन तलाशी ले रही हैं। जांच का मुख्य केंद्र भूमि अधिग्रहण के बदले दिए गए भुगतान में हुई कथित गड़बड़ियाँ हैं। भारतमाला प्रोजेक्ट देश की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके तहत लगभग 26,000 किलोमीटर लंबे इकोनॉमिक कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं। इन गलियारों का उद्देश्य स्वर्णिम चतुर्भुज और उत्तर–दक्षिण एवं पूर्व–पश्चिम कॉरिडोर के साथ मिलकर देश में माल ढुलाई के भार को सुगम बनाना है। वर्तमान में ईडी की कार्रवाई जारी है और इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों के मिलने की संभावना जताई जा रही है।

मराठी अभिनेत्री 1.5 करोड़ रुपये की फिरौती लेते रंगे हाथों धराई

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस की एंटी–एक्सटॉर्शन स्क्वॉड ने गोरेगांव के एक बिल्डर से 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगने के आरोप में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने इन महिलाओं को उसी फिरौती की पहली किस्त 1.5 करोड़ रुपये लेते रंगे हाथों पकड़ा। मराठी अभिनेत्री हेमलता पाटकर के खिलाफ भी रंगदारी का मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार दोनों महिलाओं को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कांदिवली की रहने वाली हेमलता आदित्य पाटकर उर्फ हेमलता बाने (39 साल) और सांताक्रूज की रहने वाली अमरिना इकबाल झवेरी उर्फ एलिस उर्फ अमरिना मैथ्यू फर्नांडिस (33) के रूप में हुई है। हेमलता पाटकर एक मराठी एक्ट्रेस हैं। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि हेमलता पाटकर के खिलाफ मेघवाड़ी पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 452, 323 और 504 के तहत पहले से ही एक आपराधिक मामला दर्ज है। जांच अधिकारियों ने कोर्ट को बताया कि यह जाँच करना ज़रूरी है कि उसने पहले कितने ऐसे अपराध किए हैं। इसलिए, उन्होंने पुलिस हिरासत बढ़ाने की मांग की। अभियोजन पक्ष के अनुसार, शिकायतकर्ता ने फिरौती की रकम कैसे दी जानी थी, इसके डिटेल्ड लिखित सबूत जमा किए हैं। पुलिस ने कहा कि हेमलता पाटकर के हैंडराइटिंग सैंपल अभी लिए जाने हैं, जबकि अमरिना झवेरी के वॉयस सैंपल अभी लिए जाने हैं। जांच अधिकारियों ने आगे कहा कि दोनों आरोपी महिलाएं जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं। पुलिस को यह भी शक है कि आरोपियों ने दूसरे फरार आरोपियों के साथ मिलकर दूसरे पीड़ितों से फिरौती वसूलने की साज़िश रची होगी। शिकायतकर्ता, अरविंद गोयल (52), जो गोरेगांव पश्चिम के रहने वाले हैं और पेशे से बिल्डर हैं, ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने आंबोली पुलिस स्टेशन में उनके बेटे के खिलाफ दर्ज एक आपराधिक मामले को निपटाने के लिए 10 करोड़ रुपये मांगे थे। बिल्डर ने इस संबंध में क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई है।

अलीगढ़ एसएसपी की पहल, दो दर्जन बच्चों का नशा छुड़ाकर, स्कूल में कराया दाखिला

अलीगढ़ (एजेंसी)। रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और सड़कों पर भटकते नाबालिग बच्चों को नशे की लत असुरक्षित भविष्य में धकेल देती थी। रेस्क्यू के बाद बच्चों को उनके परिजन को सौंप दिया जाता था, लेकिन अलीगढ़ एसएसपी ने दिसंबर के दूसरे सप्ताह में रेस्क्यू इन बच्चों के लिए एक पहल शुरु की है। नशा मुक्त अभियान के तहत पुलिस ने 24 ऐसे बच्चों को न सिर्फ नशे की गिरफ्त से बाहर निकाला, बल्कि उन्हें शिक्षा के जागरुक कर जीवन की नई शुरुआत दी है। खास बात यह है कि गरीबी इन बच्चों की पढ़ाई में बाधा नहीं बनेगी। एसएसपी स्वयं इन बच्चों की स्कूल फीस भरेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन के निर्देशन में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग (एएचटी) प्रभारी एकता सिंह ने टीम के साथ रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और सार्वजनिक जगहों पर अवैध केमिकल व साल्यूजन का सेवन कर रहे नाबालिग बच्चों को चिन्हित कर रेस्क्यू किया था। इसके बाद बच्चों को बाल संरक्षण केंद्र में रखा गया। जहां उनकी काउंसलिंग, देखभाल और मानसिक पुनर्वास किया गया। इस पहल का सबसे मानवीय पक्ष तब सामने आया, जब यह तय किया गया कि बच्चों की गरीबी उनकी पढ़ाई में बाधा नहीं बनेगी।

आरोपी ने दुकानदारों को फर्जी पेमेंट होने फोटो दिखाकर लगाया 13 हजार का चूना

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ के जाकिर कॉलोनी से ऑनलाइन धोखाधड़ी का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक युवक प्रैंक एप के जरिए दुकानदारों को फर्जी पेमेंट दिखाकर चूना लगा रहा था। अंतत: दुकानदार की सतर्कता के कारण आरोपी पकड़ा गया और पुलिस की हिरासत में है। लोहियानगर थाना क्षेत्र की जाकिर कॉलोनी में सुहैल नाम के व्यक्ति की कन्फेक्शनरी की दुकान है। पिछले एक सप्ताह से साजिद नाम का युवक उनकी दुकान पर आ रहा था। वह सामान खरीदने के बाद मोबाइल पर ऑनलाइन पेमेंट होने का कन्फर्मेशन पेज (फोटो) दिखाता और चला जाता। सुहैल फोटो देखकर भरोसा कर लेता था कि पैसे ट्रांसफर हो गए हैं। लेकिन लगातार कई दिनों तक यह सिलसिला चलने के बाद सुहैल को शक हुआ। जब सुहैल ने अपनी बैंक डिटेल और स्टेटमेंट चेक किया, तब उसके होश उड़ गए। साजिद द्वारा दिखाए गए पेमेंट में से एक रुपया भी खाते में जमा नहीं हुआ था। तब तक आरोपी सुहैल को करीब 13 हजार रुपये का चपत लगा चुका था। इसके बाद जब साजिद फिर से सामान लेने पहुँचा और फिर से वहीं फर्जी फोटो दिखाई, तब सुहैल ने आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया। खुद को फंसता देख आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन स्थानीय लोगों ने आरोपी को पकड़कर उसकी जमकर धुनाई कर दी।

उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दीःअब आया बारिश का अलर्ट, 7 राज्य झेलेंगे मौसम की दोहरी मार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अधिकांश राज्यों में भीषण ठंड और घने कोहरे का कहर जारी है। इसी बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर प्रदेश समेत उत्तर-पश्चिम भारत के पांच राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। हालांकि, मौसम विभाग ने यह राहत भरी खबर भी दी है कि आने वाले तीन दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत के निवासियों को हाड़ कंपाने वाली ठंड से थोड़ी राहत मिल सकती है। राजधानी दिल्ली में सोमवार को भी सुबह की शुरुआत घने कोहरे के साथ हुई, जिससे दृश्यता काफी कम रही और जनजीवन प्रभावित हुआ।

मौसम विभाग की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, 31 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिम उत्तर प्रदेश और राजस्थान में हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। पहाड़ी क्षेत्रों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में 29 दिसंबर को बारिश और उसके बाद 30 दिसंबर से 2 जनवरी तक भारी बारिश या बर्फबारी की चेतावनी दी गई है। इस दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में भी बर्फबारी और मैदानी हिस्सों में बारिश की संभावना जताई गई है।

तापमान के उतार-चढ़ाव को लेकर मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले 24 घंटों में उत्तर-पश्चिम भारत के न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे ठंड से कुछ राहत मिलेगी। हालांकि, इसके बाद के तीन दिनों में तापमान में फिर से 2 डिग्री तक की गिरावट आ सकती है। मध्य और पूर्वी भारत में अगले 24 घंटों तक स्थिति यथावत रहेगी, लेकिन उसके बाद वहां भी न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। देश के बाकी हिस्सों में तापमान में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है।

कोहरे और शीत लहर का संकट फिलहाल पूरी तरह टला नहीं है। 31 दिसंबर तक हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिम उत्तर प्रदेश में सुबह और रात के समय घना कोहरा छाया रह सकता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में कोहरे का यह असर 1 जनवरी तक बने रहने की संभावना है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के राज्यों जैसे असम, मेघालय और त्रिपुरा में भी घने कोहरे के कारण यातायात प्रभावित हो सकता है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में 29 दिसंबर को शीत दिवस जैसी स्थिति रहने का अनुमान है, जबकि पंजाब और हरियाणा में 30 दिसंबर को शीत लहर का प्रकोप देखा जा सकता है। नए साल के स्वागत के दौरान बारिश और बर्फबारी के इस मेल से पर्यटकों के चेहरे खिल सकते हैं, लेकिन मैदानी इलाकों में ठिठुरन बनी रहेगी।

उद्धव गुट ने खोला कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा... इस बार कांग्रेस मुक्त मुंबई का नारा चल रहा

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव के कुछ दिनों पहले ही इंडिया गठबंधन में दरार पड़ती दिख रही है। शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) ने दो टूक कहा कि इस बार कांग्रेस मुक्त मुंबई का नारा चल रहा है। पार्टी ने कांग्रेस और वंचित बहुजन अघाड़ी के गठबंधन पर नाराजगी जाहिर की है। साथ ही कांग्रेस पर पीठ में छुरा भोंकने के आरोप लगाए हैं। 15 जनवरी को बीएमसी सहित महाराष्ट्र के 29 नगर निकायों में चुनाव होने हैं। शिवसेना (यूबीटी) प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने हमारी पीठ में छुरा भोंका है। पहले भाजपा ने भोंका और अब कांग्रेस ने भोंका दिया है। ये महाराष्ट्र और मुंबई की जनता ने देखा है। कांग्रेस पार्टी केवल तुष्टिकरण की राजनीति चाहती है। जिस वंचित अघाड़ी से पूरे जीवन कांग्रेस लड़ती आई। आज उसी साथ खड़ी है और 60 से ज्यादा सीटें देकर वंचित अघाड़ी को बड़ा भाई बनाना चाह रही है। जबकि, वंचित के पास उम्मीदवार नहीं है पूरी मुंबई में। उन्होंने कहा, किसी से नाम पूछ लो कि वंचित बहुजन अघाड़ी का क्या इतिहास है, तब मुंबई की जनता बता नहीं पाएगी। लेकिन उसी वंचित अघाड़ी के साथ कांग्रेस जा रही है। यह सब बड़ा मुंबई में खिलाफ षड्यंत्र हो रहा है और हमें लग रहा है कि ये सब भाजपा करा रही है। ये वंचित अघाड़ी हो या कांग्रेस हो, भाजपा की बी टीम बनकर जो काम कर रही हैं। इनका सूपड़ा 16 को साफ होगा। शिवसेना यूबीटी के प्रवक्ता दुबे ने कहा, एमवीए और इंडिया गठबंधन राज्य और केंद्र सरकार के लिए बना था। यह मुंबई महानगरपालिका का चुनाव है। इस चुनाव में राज और उद्धव ठाकरे साथ है। जो हमारे साथ आ रहा है, उसका स्वागत है।

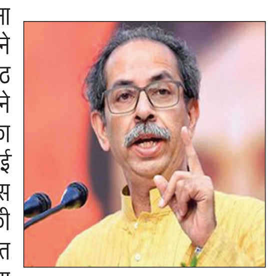

कर्नाटक में नेतृत्व की रार: डीके शिवकुमार का सत्ता के स्थायित्व पर प्रहार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजनीति में फिर मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर खींचतान तेज हो गई है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार द्वारा हाल ही में दिए बयानों ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया गुट में हलचल पैदा कर दी है। कांग्रेस स्थापना दिवस के मौके पर शिवकुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सत्ता स्थायी नहीं होती, इस बयान को सीधे तौर पर सिद्धारमैया के लिए एक कड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है। डिप्टी सीएम शिवकुमार ने इतिहास का हवाला देकर कहा कि सिकंदर महान और सद्दाम हुसैन जैसे शक्तिशाली लोग भी हमेशा के लिए नहीं रहे। उनके इस बयान के पीछे दो प्रमुख संकेत छिपे हैं। जहां शिवकुमार यह जताना चाहते हैं कि ढाई साल का कार्यकाल (मिड-टर्म) पूरा होने के बाद अब नेतृत्व परिवर्तन का समय आ गया है। उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद कहा कि वे केवल भाषण देने वाले नेता नहीं हैं, बल्कि उन्होंने पार्टी के लिए जमीनी स्तर पर काम किया है। यह सिद्धारमैया की तुलना में खुद को अधिक निष्ठावान पार्टी कैडर दिखाने की कोशिश है। 2023 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद से ही सत्ता-साझाकरण समझौते की चर्चाएं जोरों पर हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के मुख्यमंत्री पद का गुप्त समझौता हुआ था। मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की है कि वे अपना पांच साल का पूरा कार्यकाल निभाएंगे। उन्होंने हाल ही में एक गुप्त समझौते की ओर इशारा किया है, हालांकि उन्होंने इसके विवरण साझा नहीं किए। भले ही दोनों नेता कैमरे के सामने एकजुट होने का दावा करते हों, लेकिन शिवकुमार की टिप्पणियां साफकरती हैं कि कांग्रेस के अंदर सब कुछ ठीक नहीं है। नेतृत्व के इस भ्रम से शासन व्यवस्था और पार्टी की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। अब सबकी निगाहें कांग्रेस आलाकमान पर टिकी हैं कि क्या वे 2026 की शुरुआत में किसी बड़े बदलाव की अनुमति देगा या यथास्थिति बनाए रखेगा।

संघ की तारीफ पर राहुल गांधी ने दिग्विजय से दो टूक कहा- ये आपने ठीक नहीं किया

गुवाहाटी (एजेंसी)। नई दिल्ली, (ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के संगठनात्मक ढांचे की तारीफ करने को लेकर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर चुटकी ली है। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान यह वाकया सामने आया, जहां राहुल गांधी ने दिग्विजय सिंह से मुलाकात के दौरान उनके सोशल मीडिया पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

सूत्रों के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान जब दोनों नेता आमने-सामने आए, तो राहुल गांधी ने दिग्विजय सिंह से हाथ मिलाते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, कल आपने गलत व्यवहार कर दिया। राहुल गांधी की इस टिप्पणी को सुनकर वहां मौजूद सोनिया गांधी और अन्य वरिष्ठ नेता अपनी हंसी नहीं रोक पाए। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच कुछ देर तक चर्चा भी हुई।

विवाद की शुरुआत 27 दिसंबर को हुई, जब दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पुरानी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी नजर आ रहे हैं। तस्वीर साझा करते हुए दिग्विजय सिंह ने आरएसएस और भाजपा के अनुशासन की सराहना की थी। उन्होंने लिखा था कि यह बहुत प्रभावशाली है कि कैसे एक जमीनी स्वयंसेवक और कार्यकर्ता, नेताओं के चरणों में फर्श पर बैठकर देश का प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बन जाता है। उन्होंने इसे संगठन की असली ताकत बताया था।

पार्टी के भीतर तीखी प्रतिक्रिया दिग्विजय सिंह के इस बयान ने कांग्रेस के भीतर हलचल मचा दी। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्थापना दिवस के संबोधन में बिना नाम लिए अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस ने कभी संविधान और धर्मनिरपेक्षता से समझौता नहीं किया है। वहीं, अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। नेताओं का कहना था कि कांग्रेस को गांधी के हत्यारे की विचारधारा वाले संगठन से कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है। कुछ सांसदों ने तो इसकी तुलना चरमपंथी संगठनों से करते हुए कहा कि नफरत फैलाने वाली विचारधारा से प्रेरणा नहीं ली जा सकती। दिग्विजय सिंह ने दी सफाई विवाद बढ़ता देख दिग्विजय सिंह ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह आरएसएस और प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों के घोर विरोधी हैं, उन्होंने केवल संगठन चलाने की कार्यशैली की बात की थी। सिंह ने जोर देकर कहा कि नेहरू-गांधी परिवार और कांग्रेस की विचारधारा के प्रति उनकी निष्ठा अटूट है और भाजपा विपक्षी एकजुटता में दरार पैदा करने की कोशिश कर रही है।

बीएमसी चुनाव के लिए बीजेपी ने जारी की 66 उम्मीदवारों की पहली सूची

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में बीएमसी चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने पहली सूची जारी कर दी है। चुनाव में भाजपा बीएमसी की 227 सीटों में से 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, शिंदे की सेना 87 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बीजेपी ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव के लिए अपने 66 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। ये चुनाव अगले साल जनवरी में होने हैं। महायुति के नेतृत्व वाली भाजपा राज्य में हाल ही में हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में मिली सफलता से उत्साहित है और नगर निगम चुनावों में भी उसी प्रदर्शन को दोहराना चाहती है। भाजपा, उपमुख्यमंत्री शिंदे की शिवसेना के साथ गठबंधन में बीएमसी चुनाव लड़ रही है। भाजपा बीएमसी की 227 सीटों में से 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, शिंदे की सेना 87 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लगातार शिवसेना का समर्थन करते रहे हैं और उन्होंने भाजपा नेताओं को शिंदे की पार्टी पर हमला न करने का निर्देश भी दिया था। उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था, 卐भाजपा और शिवसेना एकजुट हैं। सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। हमें औपचारिक रूप से गठबंधन की घोषणा करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि महायुति आगामी मुंबई नगर निगम चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा था, मुंबई नगर निगम में महायुति सरकार बनाने और अंधकार छंटेगा, सूर्य उदय होगा और कमल खिलेगा के नारे को साकार करने का संकल्प है। यह चुनाव नगर निकाय में पारदर्शी और ईमानदार शासन स्थापित करने के उद्देश्य से लड़ा जा रहा है।

बंद करो पूरा व्यापार, भारत के तगड़े ऐलान से घुटनों पर आया बांग्लादेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश एक के बाद एक अपनी सारी हदें पार करता जा रहा है। दरअसल शायद बहुत ही कम लोग जानते हैं कि बांग्लादेश की पूरी जूट इंडस्ट्री असल में भारत के कंधों पर चलती है। जूट की खेती के लिए बांग्लादेश पूरी तरह भारत पर निर्भर है। हाई क्वालिटी, हाई यल्डिंग और डिसीज रेजिस्टेंट जूट के बीज भारत एक्सपोर्ट करता है। भारत ही इन्हीं बीजों से पैदा हुई बांग्लादेशी जूट बड़ी मात्रा में वापस खरीदता है। जिस हाथ से बीज खरीदा उसी हाथ को काटने की कोशिश की गई। यहां सबसे बड़ा विरोधाभास है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा जूट उत्पादक देश है। सालाना उत्पादन 2 मिलियन टन है। भारतीय मिल्स, भारतीय फैक्ट्रियां, बांग्लादेशी जूट पर बड़े स्तर पर निर्भर हो चुकी हैं। और इसका फायदा उठाते हुए सितंबर 2025 में बांग्लादेश ने भारत के लिए रॉ जूट का एक्सपोर्ट बंद किया।

बताया गया कि ये भारत के उस फैसले का बदला है जिसमें भारत ने बांग्लादेश से फिनिश्ड जूट गुड्स का इंपोर्ट बंद किया। अब असल वजह यह है कि बांग्लादेशी मैन्युफैक्चरर्स भारत में जूट प्रोडक्ट की डंपिंग कर रहे थे बेहद सस्ते दामों पर। नतीजा भारतीय जूट प्रोडक्ट का मार्केट खत्म हो रहा था। भारतीय मिल्स घाटे में जा रही थी। लाखों वर्कर्स की नौकरी खतरे में थी। इसी मजबूरी में भारत को फिनिश जूट गुड्स पर रोक लगानी पड़ी। यानी जब कोई व्यापार के नाम पर वार करे, तब जवाब भी व्यापार से दिया जाता है।

बांग्लादेश से रॉ जूट सप्लाई बंद होते ही भारतीय मिल्स को महंगी भारतीय जूट पर जाना पड़ा। प्रोडक्शन कॉस्ट कई गुना बढ़ गई। कई फैक्ट्रियों में उत्पादन घट गया। नतीजा लाखों जूट वर्कर्स की नौकरियां खतरे में आ गई। हालांकि यह सच है कि यह सप्लाई शॉर्ट टर्म में रुकी है। लंबे समय में इंडस्ट्री भारतीय जूट पर शिफ्ट होगी। भारत बांग्लादेश से ज्यादा जूट पैदा करता है, बेहतर तकनीक रखता है, फिर भारत बांग्लादेशी कीमतों को मैच क्यों नहीं कर रहा है? यही आता है सब्सिडी और नीति का खेल। बांग्लादेश सरकार जूट किसानों को भारी सब्सिडी देती है। लॉजिस्टिक में छूट एक्सपोर्ट इंसेंटिव देती है। भारत का मानना है कि सिर्फ जूट बीज नहीं बल्कि उन सभी क्रिटिकल सप्लाई चेन्स पर भारत को एक्शन लेना चाहिए जिनसे बांग्लादेश की इकॉनमी चलती है।

अरावली पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, केंद्र और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री की भूमिका उजागर करता

–कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बोला हमला

नई दिल्ली। अरावली पहाड़ियों की पुनर्परिभाषा को लेकर चल रहे विवाद पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने केंद्र और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश ने पर्यावरण मंत्री की भूमिका को उजागर किया है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पर्यावरण मंत्री अरावली की पुनर्परिभाषा के मुद्दे पर उन पर और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर राजनीति करने के आरोप लगा रहे थे, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट में सच्चाई सामने आ गई है।

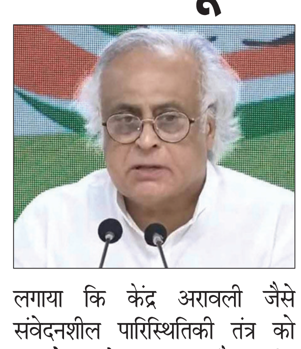

कांग्रेस नेता रमेश के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र द्वारा आगे बढ़ाई जा रही अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा पर रोक लगा दी है। रमेश ने आरोप लगाया कि केंद्र अरावली जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर करने पर आमादा है, जबकि यह क्षेत्र दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और खासतौर पर राजस्थान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के 19 जिले अरावली से सीधे जुड़े हैं और खुद पर्यावरण मंत्री भी इसी क्षेत्र से आते हैं।

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि पर्यावरण मंत्री एक ओर सरिस्का अभ्यारण्य में बाघों के महत्वपूर्ण आवास की सीमाओं को फिर से निर्धारित करने में लगे हैं और दूसरी ओर अरावली को लेकर गहलोत और उनके खिलाफ राजनीति करने का आरोप लगा रहे थे। रमेश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अब यह साफ हो गया है कि केंद्र सरकार की दलीलें टिक नहीं पाईं।

इस बीच, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि 20 नवंबर को दिए उस आदेश को स्थगित करना बेहद राहत भरा है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अरावली पहाड़ियों और अरावली पर्वतमाला की परिभाषा को स्वीकार किया था। गहलोत ने कहा कि चार राज्यों की जनता ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लोग इस मुद्दे पर चिंतित हैं और विभिन्न रूपों में विरोध जता चुके हैं।

चीन की हरकत देख भारत हिमालय पर सड़क, सुरंग और हवाई पट्टियों का कर रहा निर्माण

–यह कदम 2020 में चीन के साथ एलएसी पर हुई घातक झड़प के बाद उठाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन की हरकतों को देख भारत भविष्य के टकराव को देखते हुए हिमालय में अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत कर रहा है। इसके लिए भारत सड़कों, सुरंगों और हवाई पट्टियों के निर्माण पर करोड़ों डॉलर खर्च कर रहा है। यह कदम 2020 में चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हुई घातक झड़प के बाद उठाया गया। उस झड़प ने 2200 मील लंबी विवादित सीमा पर भारत की सामान पहुंचाने की व्यवस्था बड़ी कमियों को उजागर कर दिया था।

एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन दशकों से अपनी सीमावर्ती इलाकों में रेल और सड़कों का एक बड़ा नेटवर्क बना चुका है, लेकिन भारत अपने पहाड़ी सीमावर्ती इलाकों में सैनिकों को तेजी से पहुंचाने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे के निर्माण में पीछे रह गया था। 2020 की झड़प में 14,000 फीट की ऊंचाई पर भारतीय और चीनी सैनिक डंडों और कांटेदार तारों से लिपटे क्लबों से हाथापाई कर रहे थे। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन अपने सैनिकों को कुछ ही घंटों में वहां पहुंचा सकता था, जबकि भारत को उस इलाके में अतिरिक्त सैनिकों को पहुंचाने में एक हफ्ते तक का समय लग सकता था।

रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व मेजर जनरल अमृतपाल सिंह लद्दाख में भारत-चीन सीमा के एक अहम हिस्से के पूर्व चीफ ऑफ ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स थे। उन्होंने एक बड़े बदलाव की बात कही। उन्होंने बताया कि यह सोच में एक बहुत बड़ा परिवर्तन था। उन्हें यह अहसास हुआ कि उन्हें अपने पूरे नजरिए को बदलने की जरूरत है। यह बदलाव सीमा पर भारत की रणनीति और तैयारियों को लेकर था। भारत के नॉर्दर्न कमांड के पूर्व कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि इन परियोजनाओं का एक मकसद ऊंचाई वाले सैन्य चौकियों को अलग-थलग पड़े नागरिक बस्तियों से जोड़ना है, खासकर उन जगहों को जो कड़ाके की सर्दी में कट जाती हैं। सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक जोजिला सुरंग है, जिसे उत्तरी भारत के पहाड़ों में करीब 11,500 फीट की ऊंचाई पर बनाया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक 750 मिलियन डॉलर से ज्यादा की इस सुरंग पर काम 2020 की सीमा झड़प के तुरंत बाद शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि करीब 9 मील लंबी यह परियोजना, जिसके दो साल में पूरा होने की उम्मीद है, लद्दाख में सीमा चौकियों तक सामान पहुंचाने के मुश्किल काम को आसान बना देगी। लद्दाख में भारी बर्फबारी के कारण ये चौकियां साल में 6 महीने तक कटी रह सकती हैं।

फिलहाल सामान ट्रकों या ट्रेनों से जम्मू और कश्मीर के पड़ोसी डिपो तक पहुंचाया जाता है। वहां से काफिले उन्हें लद्दाख की राजधानी लेह तक ले जाते हैं। लेह से छोटी गाड़ियां खराब रास्तों से गुजरती हैं और फिर पोर्टर और खच्चर समुद्र तल से 20,000 फीट ऊपर तक जरूरी सामान पहुंचाते हैं।

रिपोर्ट में बताया कि यह हर साल नियमित रूप से किया जाने वाला एक बहुत बड़ा लॉजिस्टिक्स का काम है। हर सैनिक को हर महीने करीब 220 पाउंड यानी करीब 100 किलो सामान की जरूरत होती है, जिसमें खाना, कपड़े और टूथपेस्ट जैसी रोजमर्रा की चीजें शामिल हैं। 30 सैनिकों वाली एक सामान्य चौकी, जिसमें पहरेदार चौकियां और बैरक शामिल हैं, हर दिन करीब 13 गैलन ईंधन की खपत करती है। जोजिला सुरंग यात्रा के समय को कई घंटों तक कम कर देगी और साल भर सामान की आवाजाही संभव बनाएगी। 1000 से ज्यादा निर्माण श्रमिक अत्यधिक ठंड में काम कर रहे हैं, जहां तापमान माइनस 40 डिग्री फारेनहाइट तक गिर सकता है। यहां एक बड़ी इंजीनियरिंग चुनौती श्रमिकों और बाद में डीजल से चलने वाली सेना की ट्रकों के लिए पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखना है। यह सब दिखाता है कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर कितना गंभीर है और चीन के साथ किसी भी टकराव के लिए खुद को तैयार कर रहा है। पहाड़ी इलाकों में बुनियादी ढांचे का विकास सैनिकों को तेजी से पहुंचाने और उन्हें जरूरी सामान उपलब्ध कराने में मदद करेगा, जो पहले एक बड़ी चुनौती थी।

अकाली दल और शिरोमणि कमेटी अपने गलत कामों के लिए अकाल तख्त साहिब-पंथ को ढाल बना रही: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

भगवंत सिंह मान ने कहा कि चूंकि कोहली अकाली नेता सुखबीर सिंह बादल के सी.ए. के रूप में भी सेवाएं दे रहा था, इसलिए कार्रवाई आज तक लंबित है। उन्होंने कहा कि शिरोमणि कमेटी अपने आकाओं के इशारे पर यह दावा करती है कि राज्य सरकार पंथ के मामलों में हस्तक्षेप कर रही है, जो पूरी तरह गलत है, क्योंकि शिरोमणि कमेटी ने स्वयं दोषियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई के लिए प्रस्ताव पारित किया है, जिस पर कार्रवाई करना राज्य सरकार का अधिकार है। उन्होंने कहा कि इस पाप में शामिल प्रभावशाली व्यक्तियों को बचाने के लिए शिरोमणि कमेटी ने बाद में अपने सभी प्रस्ताव वापस ले लिए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अकाली शासन के दौरान श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रकाशन के सभी अधिकार 'जागत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार एक्ट, 2008 (पंजाब एक्ट)' के माध्यम से शिरोमणि कमेटी को दिए गए थे, लेकिन अब जब राज्य सरकार इन स्वरूपों की बरामदगी सुनिश्चित करना चाहती है ताकि किसी भी प्रकार की बेअदबी या अन्य घिनौना अपराध न हो, तो ये लोग इसे धार्मिक रंग दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिरोमणि कमेटी हर तरह की ताकत चाहती है, लेकिन जनता के प्रति जवाबदेह नहीं बनना चाहती। उन्होंने कहा कि अब वे श्री अकाल तख्त साहिब का इस्तेमाल अपने आकाओं के नज़दीकियों को बचाने के लिए करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिरोमणि कमेटी और उसके अध्यक्ष अकाली लीडरशिप के हाथों की कठपुतलियाँ हैं, जो इसे अपने निजी हितों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे एसआईटी से डरते हैं, क्योंकि शिरोमणि कमेटी और उनके आका जानते हैं कि निष्पक्ष और गहन जांच उनके घिनौने चेहरे बेनकाब कर देगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि भले ही शिरोमणि कमेटी लापता स्वरूपों को ढूंढने में अपनी जिम्मेदारी निभाने में असफल रही है, लेकिन राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि इस घिनौने अपराध के दोषियों को कानून के अनुसार सज़ा दी जाए। उन्होंने कहा कि पिछले 14 वर्षों से इस प्रतिष्ठित संस्था के चुनाव नहीं हुए हैं और इन नेताओं ने केंद्र सरकार से इसकी मांग तक नहीं की है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के 328 स्वरूपों के लापता होने से हर सिख की भावना को गहरी ठेस पहुंची है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स पर महान सिख गुरुओं के कार्टून पोस्ट किए थे, लेकिन शिरोमणि कमेटी ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, क्योंकि राज्य में चुनाव आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अकाली नेता केवल सत्ता हथियाना चाहते हैं और उन्हें न तो राज्य की चिंता है और न ही जनता की। उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अकालियों ने पंजाब यूनिवर्सिटी को केंद्रीय यूनिवर्सिटी का दर्जा देने, एस.वाई.एल., काले कानूनों और अन्य राज्य-विरोधी फैसलों पर केवल अपने परिवार के लाभ के लिए सहमति दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1920 में जब अकाली दल की स्थापना हुई थी, तब उसे शेरों की पार्टी के रूप में जाना जाता था, लेकिन मौजूदा नेताओं ने उसे डायनासोरों की पार्टी में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान अकाली लीडरशिप केंद्र सरकार के सामने राज्य के मुद्दे उठाने से कतराती है, जबकि राज्य सरकार ने इसमें कोई कमी नहीं छोड़ी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इसके पीछे एकमात्र कारण सत्ता की लालसा है, जिसके चलते अकाली लीडरशिप हर राज्य-विरोधी रुख अपनाने से भी नहीं झिझकते।

नए डिजिटल पोर्टल से भूमि सीमांकन की सुविधा मिलेगी: डॉ. सुमिता मिश्रा

चंडीगढ़। हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्त आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार भूमि सीमांकन प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए एक नया डिजिटल पोर्टल शुरू करने जा रही है। यह पहल मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के 'डिजिटल हरियाणा' विजन और पहले से चल रहे भूमि प्रशासन सुधारों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि इस नागरिक-केंद्रित पोर्टल का उद्देश्य भूमि सीमांकन को आधुनिक और डिजिटल बनाना है, जिससे पारंपरिक देरी और प्रक्रियात्मक बाधाओं को दूर किया जा सके। यह कृषि, आवासीय या वाणिज्यिक भूमि के मालिकों को अपनी सीमांकन शिकायतें ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अनुमति देगा, जिससे सरकारी राजस्व कार्यालयों के कई चक्कर लगाने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी और लालफीताशाही कम होगी। डॉ. मिश्रा ने कहा कि सीमांकन आवेदनों को समयबद्ध तरीके से संशोधित किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया काफी सुव्यवस्थित होगी और सरकारी प्रक्रिया में जनता का विश्वास मजबूत होगा। पोर्टल राजस्व विभाग की मौजूदा डिजिटल भूमि रिकॉर्ड प्रणाली के साथ एकीकृत होगा और सटीक, वास्तविक समय सीमा सीमांकन के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) तकनीक का लाभ उठाएगा। यह एकीकरण अद्यतन सीमांकन मानचित्रों, राजस्व संपदा रिकॉर्ड और ऐतिहासिक डेटा तक पहुंच प्रदान करेगा, जिससे अस्पष्टता और सीमा विवाद कम होंगे। सटीकता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल रोवर पारंपरिक मैनुअल टूल की जगह लेंगे। पोर्टल में शिकायत ट्रैकिंग तंत्र होगा, जिससे उपयोगकर्ता अपनी शिकायत की स्थिति को प्रस्तुत करने से लेकर समाधान तक मॉनिटर कर सकेंगे। निर्धारित समाधान समय सीमा के प्रति इस प्रतिबद्धता से हरियाणा की भूमि प्रशासन प्रणाली में जवाबदेही और जनता का विश्वास बढ़ने की उम्मीद है। इस बैठक में भूमि जोत और भूमि अभिलेखों के चकबंदी निदेशक श्री यशपाल, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष सचिव श्री रवि प्रकाश गुप्ता, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव श्री राहुल हुड्डा, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष सचिव श्री कमलेश कुमार भादू उपस्थित थे।

NAME CHANGE
I, RAKESH MOHAN SUNEJA S/O OM PARKASH SUNEJA, R/O H.NO-116, G BLOCK, PHASE 1 ASHOK VIHAR, ASHOK VIHAR H.O. NORTH WEST DELHI, DELHI, 110052, I HAVE CHANGED MY NAME FROM RAKESH SUNEJA TO RAKESH MOHAN SUNEJA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, MAHI KESHARWANI S/O PREM CHAND KESHARWANI, R/O ¼, OLD RAJENDER NAGAR, DELHI - 110060, I HAVE CHANGED MY NAME FROM MAHI KESARWANI TO MAHI KESHARWANI FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I SHAHID KHAN S/O HAMID MALIK R/O RZ-58 GALI N0-7, TUGHLAKABAD EXT,DELHI-110019 HAVE CHANGE MY NAME TO SHAHID MALIK FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I HAMID KHAN S/O HAKIMUDDIN R/O RZ-58 GALI N0-7, TUGHLAKABAD EXT,DELHI-110019 HAVE CHANGE MY NAME TO HAMID MALIK FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I, BALASUBRAHMANYAN SATYANARAYAN S/o LAXMINARAYAN BALASUBRAHMANYAN R/o C-701, SANMATI KUNJ APARTMENTS, PLOT NO-19A, NEAR VISHWA BHARTI SCHOOL, SECTOR-6, DWARKA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110075, have changed my name from BALASUBRAHMANYAN SATYANARAYAN to B SATYANARAYAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto Known as RADHE SHYAM S/o KEDARI LAL, Residing at WZ - 114 G/F, Harijan Basti Nasir Pur Colony, Nasirpur, South West Delhi, Delhi - 110045 have changed my name and shall hereafter be known as GOPAL.

NAME CHANGE
I, JIJABAI, is legally mother of No. 2821753N, Rank – Sep, Name – TATHE UDDHAV NARAYAN , 5 MARATHA LI, At/Post – Antarwali Khandi, Teh – Paithan, Dist – Chhatrapati Sambhajinagar (Aurangabad), State – Maharashtra, Pin – 431121, have changed my name from JIJABAI to JIJABAI NARAYAN TATHE for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, FRANCISE S/o SUNNY JAMES, R/o House No. 1/394, Thana Roada, Dakshinpuri Extn, Pushpa Bhawan S.O, South Delhi, Delhi-110062, declare that name of mine has been wrongly written as FRNACISE in my Driving Licence No. DL03 20030441370. The actual name of mine is FRANCISE, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री दीपक पुत्र श्री जगदीश श्रीवास्तव ने आवासीय प्लॉट नंबर 4, जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, यानी 83.61 वर्ग मीटर है, जो खसरा नंबर 4116 में स्थित है, गांव लोनी (चकबंदी बाहर), परगना लोनी, तहसील लोनी, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में है, श्रीमती राज कुमारी पत्नी स्वर्गीय श्री राम चंद्र श्रीवास्तव द्वारा 19.05.2023 को निष्पादित बिक्री विलेख के माध्यम से खरीदा है, जो स्रब्ह-लोनी, गाजियाबाद में दस्तावेज़ संख्या 7270, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 4614, पृष्ठ संख्या 127-148 पर 19.05.2023 को पंजीकृत है और उक्त संपत्ति रिया वर्मा को बेची जा रही है और इसे SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा फाइनेंस किया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P..
E-MAIL: sgassociatespl@gmail.com Ph: 8130309204, 01204968888.

NAME CHANGE
I, SUMAN W/O JAGVINDER SINGH R/O D-8, SATYAWATI COLONY, ASHOK VIHAR PHASE-3, NEW DELHI have changed my name to SUMAN DAHIYA for all purposes.

NAME CHANGE
I, Ajit Kumar Modi S/o Murari Lal Modi R/o 2nd floor,159 Chaitanya Vihar, Phase 1, Vrindavan , Uttar Pradesh, Pin code 281121 have changed my name to Ajit Modi for all future purposes

NAME CHANGE
I, Narendra Shukla S/o Chinta Mani R/o 138, Chilla Village, Mayur Vihar Extension, Delhi-110091 have changed my name to Narendra Prasad Shukla for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Rais Ahmed S/o Zafar Ahmad R/o D-71, Gali No.6, Bhagirathi Vihar, Delhi-110094 have changed my name to Rais Ahmad for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Anju Dewangan W/o Shekhar Chandra Dewangan R/o 3, 2nd Floor, Om Vihar Phase-1, Metro Pillar No.703, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have changed my name to Khomeshwari Dewangan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Shekhar Shandra Dewangan S/o Bansh Kumar Dewangan R/o 3, 2nd Floor, Om Vihar Phase-1, Metro Pillar No.703, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have changed my name to Shekhar Chandra Dewangan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, GIRJA, is legally mother of No. 2824509Y, Rank – Sep, Name – LOHAKARE MAHESH VITTHAL, R/o Karanji, Po-Karanji,Teh- Pathardi, Dist-Ahmednagar, State-Maharashtra, Pin-414106, have changed my name from GIRJA to GIRJA VITTHAL LOHAKARE for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SAHEBRAV SONU SAWKAR, is legally father of No. 2813560Y, Rank – Sep, Name – SAVKAR PRAVIN SAHEBRAO, R/o Joran, Po -Joran, Teh-Baglan, Dist-Nashik, State-Maharashtra, Pin-423301, have changed my name from SAVKAR SAHEBRAO SONU to SAHEBRAV SONU SAWKAR and date of birth from 02/06/1960 to 01/01/1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SAHEBRAV SONU SAWKAR, is legally father of No. 2813560Y, Rank – Sep, Name – SAVKAR PRAVIN SAHEBRAO, R/o Joran, Po -Joran, Teh-Baglan, Dist-Nashik, State-Maharashtra, Pin-423301, have changed my name from SAVKAR SAHEBRAO SONU to SAHEBRAV SONU SAWKAR and date of birth from 02/06/1960 to 01/01/1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, ALKABAI, is legally mother of No 2813560Y, Rank – Sep, Name – SAVKAR PRAVIN SAHEBRAO, R/o Joran, Po- Joran, Teh-Baglan, Dist-Nashik, State-Maharashtra, Pin-423301, have changed my name from ALKABAI to ALKABAI SAHEBRAV SAWKAR and date of birth from 01/06/1965 to 01/01/1964 for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I ,BINIT KUMAR S/O BANARSI PRASAD R/O FLAT NO-B1003,GAURI GANESH APARTMENT,PLOT NO-8,VTC DWARKA SECTOR 3 NEW DELHI-110078 have changed the name of my minor son PRABUDH alias PRABUDH RAJ aged 8 years and he shall hereafter be known as PRABUDH RAJ

NAME CHANGE
I SHASHANK KUMAR S/O RAMESH BABU R/O H.No. 01, Jasmine Tower-O, Niho Scottish Garden, Ahinsha Khand-2, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014, have changed the name of my minor daughter AANYA DWIVEDI aged 14 years and she shall hereafter be known as TANISHKAA DWIVEDI.

NAME CHANGE
I hitherto known as Pinki W/O Suneel residing village- sadakpur sinoli, Baghpat Sadakpur sinoli, Uttar Pradesh-250611have changed my name and she shall hereafter be known as Savita .

NAME CHANGE
I Vikash Malik S/O mahak Singh , residing Bhumia k pass , kabraut , kabarout Shamli Uttar Pradesh-247776 have changed the name of my minor son Shivam Malik aged 15 year and he shall hereafter be known as Shiv Malik.

NAME CHANGE
I Rajnai W/0 Prem Kumar Add. H No 1624 Basti Julan Sadar Bazar Delhi 110006 changed my name Ranjita

NAME CHANGE
I, Jan Mohammad S/o. Kayamuddin R/o. NA-81, Gali No-4, Vishnu Garden Tilak Nagar Delhi-110018 have changed my name to Jaan Mohammad.

NAME CHANGE
I, Km Farjahan Parveen W/o. Sagir Mohammad R/o. NA-81, Gali No-4, Vishnu Garden Tilak Nagar Delhi-110018 have changed my name to Farzana Begum.

NAME CHANGE
I, Sageer Mohd/Sagir Mohd S/O. Jaan Mohammad R/o. NA-81, Gali No-4, Vishnu Garden Tilak Nagar Delhi-110018 have changed my name to Sagir Mohammad.

NAME CHANGE
I,Haji Mohd Salim s/o Sabir R/o 323 Khail Kalan Kairana Shamli Uttar Pradesh 247774 . have changed my name to Salim.

NAME CHANGE
I SHASHI RANI W/O HARISH KUMAR R/O 10/32 GEETA COLONY GANDHI NAGAR EAST DELHI 110031 HAVE CHANGED MY NAME TO SHASHI DUA

NAME CHANGE
I, Virender Singh S/o Dheer Singh Tanwar R/o L-232, DLF Capital, Green Moti Nagar, Ramesh Nagar, Delhi-110015 have changed my name to Virender Singh Tanwar.

NAME CHANGE
I, Kamlesh W/o Kishan Lal R/o RZ-21, Third Floor Back Side, New Uttam Nagar, Delhi-110059 have changed my name to Kamlesh Bayal.

NAME CHANGE
I, BABURAO, is legally father of No. 2814677K, Rank – L/Hav, Name – NETAJI BABURAO CHOUGULE,5 MARATHA LI, At/Po – Kurli, Teh – Chikkodi, Dist – Belgaum, State – Karnataka, Pin – 591241, have changed my name from BABURAO to BABURAO CHOUGULE and date of birth from 01/05/1961 to 01/01/1961 for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सामान्य जन को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री राजेश कुमार पुत्र स्व. सिपाही लाल एवं उनकी पत्नी श्रीमती गुड़िया यादव, निवासी बी-10/10, राम गली, बी-ब्लॉक, सुभाष मोहल्ला, घोंडा, गढ़ी मेंढू, डाकघर भजनपुरा, उत्तर-पूर्वी दिल्ली-110053, ने अपने पुत्र श्री गौरव एवं उसकी पत्नी सान्या बी स्न संजना से उनके दुराचरण के कारण समस्त संबंध समाप्त कर दिए हैं। उन्हें अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया गया है। इससे कोई भी लेन-देन करने वाला व्यक्ति अपने जोखिम पर करेगा, जिसकी जिम्मेदारी मेरे मुवक्किलों की नहीं होगी।

Shashank Shekhar Shukla
Advocate
5/10 Block, 5 Nehru Nagar, Lajpat Nagar, New Delhi-110065

NAME CHANGE
I Santosh W/O Bhale Ram R/o H.NO B-30 YADAV ENCLEVE, GALI NO 12,VIKAS NAGAR,UTTAM NAGAR West Delhi Delhi 110059 have changed my name to Santosh Devi for all future purposes.

NAME CHANGE
I Balay Ram S/O Puran, H NO B-30 YADAV ENCLEVE, GALI NO 12, VIKAS NAGAR, UTTAM NAGAR, West Delhi. Delhi-110059 have changed my name to Bhale Ram for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Dhruva Tiwari S/o Rajeev Tiwary R/o A1/1406/14,Purvanchal Royal City,Sector Chi-V,Greater Noida, PIN:201310, changed my name to Dhruv Tiwari for all purposes.

NAME CHANGE
I,Gurumukh S/o Harcharan singh R/o B85y DDA flats jahagir puri Delhi, changed my name to Gurmukh Singh for all purposes

NAME CHANGE
I, Manpreet w/o Gurmukh Singh R/o B85Y DDA flats jahagir puri Delhi -110033 , changed my name to Manpreet Kaur for All purposes.

सार्वजनिक सूचना
और 700सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री नीरज शहरावत उर्फ नीरज कुमार पुत्र ईश्वर सिंह, निवासी ग्राम व पोस्ट सदरपुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201001, एक आवासीय प्लाट संख्या 54, क्षेत्रफल 60 वर्ग गज, खसरा संख्या 668, स्थित उन्नति विहार, ग्राम मटियाला, कालकाग ी, गोविंदपुरम, परगना डासना, तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1426-1431 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्विकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती रेखा देवी पत्नी श्री जय सिंह को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा आर डी सी, राज नगर, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व त्यक्त माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE
I, VARIDHI JAIN D/O MANOJ KUMAR JAIN R/O HOUSE NO-76/5, 1ST FLOOR, GALI NO-11, EAST AZAD NAGAR, KRISHNA NAGAR, SHAHDARA, DELHI-110051 have changed my name to VRIDHI JAIN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, JC-294308N Rank-NB SUB Name- BHOSLE INDRAJEET ATMARAM residing at HOUSE NO-919, PLOT NO-38 A, SAI PREM SAGAR NIWAS, YASHWANTRAO CHAVAN CHOWK, SWAMI SAMARTH MANDIRA JAWAL, SHANKAR NAGAR, MOREWADI, AMBAJOGAI, DIST-BEED, MAHARASHTRA-431517, have changed my minor daughter's name from SANAVI to SANAVI INDRAJEET BHOSALE for all future purposes vide affidavit dated 29/12/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-294308N Rank-NB SUB Name- BHOSLE INDRAJEET ATMARAM residing at HOUSE NO-919, PLOT NO-38 A, SAI PREM SAGAR NIWAS, YASHWANTRAO CHAVAN CHOWK, SWAMI SAMARTH MANDIRA JAWAL, SHANKAR NAGAR, MOREWADI, AMBAJOGAI, DIST-BEED, MAHARASHTRA-431517, have changed my minor daughter's name from MADHAVI to MADHAVI INDRAJEET BHOSALE for all future purposes vide affidavit dated 29/12/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ATMARAM father of JC-294308N Rank-NB SUB Name- BHOSLE INDRAJEET ATMARAM residing at HOUSE NO-919, PLOT NO-38 A, SAI PREM SAGAR NIWAS, YASHWANTRAO CHAVAN CHOWK, SWAMI SAMARTH MANDIRA JAWAL, SHANKAR NAGAR, MOREWADI, AMBAJOGAI, DIST-BEED, MAHARASHTRA-431517, have changed my name from ATMARAM to ATMARAM VENKAT BHOSALE for all future purposes vide Affidavit Dated 29/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I SURINDER PAL S/O MOHAN LAL R/O H.NO - B/19 OLD QUARTERS RAMESH NAGAR DELHI- 110015, I have changed my name to SURINDER PAL GROVER Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, Jitender S/o Hari Nath R/o H. No. F-58, Shiv Durga Vihar, Lakkarpur, Faridabad-121009, Haryana have changed my name to Jitender Rajbhar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KAMAL SHARMA S/O JAGJEET KUMAR SHARMA R/O B-133/ 1, Second Floor, Ganesh Nagar, Tilak Nagar, Tilak Nagar, Rajouri Garden, West Delhi, Delhi 110018 have changed the name of my minor son namely AARAV SHARMA aged 11 years and he Shall hereafter be known as HRIDHAY SHARMA.

NAME CHANGE
I, Mohd Sabir Khan S/O Mohd Salamtulla Khan, R/O H.NO.- A- 334, Old Seema Puri, East Delhi, Delhi, 110095, have changed the name of my minor son Md Saqib Khan aged 15 years and he shall hereafter be known as Saqib Khan.

NAME CHANGE
It is for general information that I, TARANJIT KAUR D/o SURINDER SINGH R/o L-2 /145-B, D.D.A. Flats, Kalkaji, Aali, South Delhi, Delhi-110019, declare that name of mine has been wrongly written as TARANJIT in my 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of mine is TARANJIT KAUR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Sumit S/0 Satish Kumar Add. 6/229 Geeta colony Delhi 110031 changed my name Sumit Girotra.

NAME CHANGE
I, Mohammad Asjad son of Mohammad Sharif,R/o 2682, choti Baradari, Ballimaran, Delhi-110006 have changed my name from Asjad to Mohammad Asjad for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Raj Kumar Arora s/o Harbans Lal R/o G-1-153, Madangeer, Pushpa Bhawan, Delhi-110062 have changed my name to Rajkumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I,Sunita Arora w/o Rajkumar R/o G-1-153, Madangeer, Pushpa Bhawan, Delhi-110062 have changed my name to Sunita for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NO-144479P Rank-RFN Name-HARI SINGH residing at VILL-LOUL, PO-LUMTI, TEHSIL-DHARCHULA, DIST-PITHORAGARH, UTTARAKHAND-262544, have changed my name from HARI SINGH to HARI SINGH BISHT for all future purposes vide Affidavit dated 29/12/2025 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for the general public information that my Client Jeevan Singh Rawat S/o Sh. Santosh Singh Rawat & Smt. Bimla Devi W/o Sh. Jeevan Singh Rawat both are resident of House No. 1891, Gali No. 32, Near Dhanwapur Phatak, Surat Nagar, Phase-2, Gurgaon, Haryan-122001 & House No.13, Surat Nagar, Phase-I, Sector-104 Extension, Gurugram Haryana-122006, has/have debarred, disown and break down all the relationship from his/her son namely Gulshan Rawat S/o Sh. Jeevan Singh Rawat & his wife Jyoti W/o Gulshan Rawat from all my moveable and immoveable properties either self acquired or ancestral situated all over India due to theirs misconduct, disobedience and misbehavior attitude. My client will not be responsible in future for his acts or deeds which was done by him.

Lokender Singh Rathore
Advocate
Chamber No. 652
Patiala House Court New Delhi

PUBLIC NOTICE
This is to inform general public at large that our client, **Mr. Amit Kumar Singh** who have approached **VASTU HOUSING FINANCE CORPORATION LTD.,** for Home Loan of the Upper Ground Floor, Right side, Flat Area Measuring 75 Sq. Yds., Ambedkar Marg, Himachal Mohalla, out of Khasra No. 755, Bearing Property No. 355-D, Situated at Village Mandavli Fazelpur Delhi -110092.

1.Original ATS & Will Dated 12.07.2005 executed by Mrs. Grish Wati W/o. Mr. Ram Udehy Damodar Dass in favour of Mrs. Girija Devi W/o. Mr. Amar Nath Thakur in respect Land Area Measuring 75 Sq. Yds., out of Khasra No. 755, Bearing Property No. 355-D, Situated at Village Mandawli Fazelpur Illaqua Shahdara, Delhi State.

It is to mention that the abovementioned Documents are lost.

And the said property is going to be mortgaged in **VASTU HOUSING FINANCE CORPORATION LTD., F. No. - 301/10165 Mezzanine Gurudwara Road West Extn Area Karol Bagh Delhi 110005.** All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled.

Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

NAME CHANGE
I hitherto known as RAEES AHAMED alias RAIES KHAN S/O SHARIF KHAN R/O R-13, 1ST FLOOR, NAFEES ROAD, BATLA HOUSE, HARI MASJID, ZAKIR NAGAR, NEW DELHI-110025, have changed my name and shall hereafter be known as RAIES KHAN for all purpose in future.

NAME CHANGE
I, MANGAL, is legally mother of No. 2824165L, Rank – Sep, Name – MUGALE JIVAN DEOMAN, At/ Post - Wasadi, Teh-Kannad District-Chhtrapati Sambhajinagar (Aurangabad), State-Maharashtra, Pin-431104, have changed my name from MANGAL to MANGAL DEOMAN MUGALE for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, RAMESH RAGHOAPPA LAHE, is legally father of No. 2812274L, Rank – Sep, Name – LAHE DHANANJAY RAMESH, R/o Kandi Vetal, Ward No. 6, At/Post-Shirpur Jain, Tal-Malegaon, Dist-Washim, State-Maharashtra, Pin-444504, have changed my name from RAMESH RAGOAPPA LAHE to RAMESH RAGHOAPPA LAHE and date of birth from 08/03/1963 to 06/03/1963 for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SHARDA RAMESH LAHE, is legally mother of No. 2812274L, Rank – Sep, Name – LAHE DHANANJAY RAMESH, R/o Ward No. 6, Mahatma Basweshwar Chouk, Shirpur Jain, Shirpur, PO-Shirpur, Teh- Malegaon, Dist-Washim, State-Maharashtra, Pin-444504, have changed my name from SHARADA to SHARDA RAMESH LAHE and date of birth from 02/06/1969 to 01/01/1973 for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SULOCHANA VITTHAL CHATUR, is legally mother of No. 2820566H, Rank – Nk, Name – CHATUR VISHWAJEET VITTHAL, At/Post-Bhose, Teh-Koregaon, Dist-Satara, State-Maharashtra, Pin-415501, have changed my name from SULABHA VITTHAL CHATUR to SULOCHANA VITTHAL CHATUR and date of birth from 07/05/1969 to 30/08/1969 for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, MOHD SAHIL NASIM QURESHI S/o NASIMUDDIN, R/o House No.T-432, Gali Pahar Wali,Ahata Kidara, Idgah Road, North Delhi, Delhi-110006, declare that name of my mother has been wrongly written as BUSHRA BANO in my 10th class educational Certificate and name of mine and my mother has been wrongly written as QURESHI SAHIL NASIM and BUSHRA NASIM in my Class 12th educational Certificate. The actual name of mine and my mother are MOHD SAHIL NASIM QURESHI and BUSHRA, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, Kumar Pushpendra S/o Surendra Prasad Mishra R/o Flat No-B-2, Second Floor, Plot No-118, Shakti Khand-2, Indrapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014, have changed my minor son's name from Samriddh aged 13 years to Samriddh Balaji forever

NAME CHANGE
I, Shubham Jaiswal S/o Ravi Shankar Jaiswal R/o N-11/02, K-1, Ranipur, Chhitupur, Varanasi, Uttar Pradesh-221010, have changed my minor daughter's name from Gauravi Jaiswal aged 05 Month to Aamaya Jaiswal forever

NAME CHANGE
It is for general information that I, Vaishali Khandelwal D/o Akhilesh Khandelwal and W/o Shivam Agrawal R/o 3676, Station Road, Opposite To GGIC, Rajendra Nagar, Orai, DIST-Jalaun, Uttar Pradesh-285001, declare that my name has been wrongly written as Vishali Khandelwal in my 10th Class, School Certificate cum marksheet. The actual name of mine is Vaishali Khandelwal, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I,Iqbal Ahmed S/o Nasir Ahmad R/o C-1/342, First Floor, Yamuna Vihar, Delhi-110053 have changed my name to Iqbal Ahmad.

NAME CHANGE
I, Nazreen Tabassum W/o Iqbal Ahmad R/o C-1/342, First Floor, Yamuna Vihar, Delhi-110053 have changed my name to Naazreen Ahmed.

NAME CHANGE
I, JIJABAI, is legally mother of No. 2821753N, Rank – Sep, Name – TATHE UDDHAV NARAYAN , 5 MARATHA LI, At/Post – Antarwali Khandi, Teh – Paithan, Dist – Chhatrapati Sambhajinagar (Aurangabad), State – Maharashtra, Pin – 431121, have changed my name from JIJABAI to JIJABAI NARAYAN TATHE for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, DROPADA, is legally mother of No. 2824333Y, Rank – Sep, Name – PAWAR RAVI SHRICHAND, Unit- 5 MARATHA LI,R/o At – Kotha, Teh – Jintur, Dist – Parbhani, State – Maharashtra, Pin – 431509, have changed my name from DROPADA to PAWAR DROPADA SHRICHAND for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, LATA, is legally mother of No. 2819800F, Rank – Nk Name – SUSHANT SUBHASH TELE, Unit- 5 MARATHA LI,R/o At – Juinagar, Sanpada, Teh – Thane, Dist – Thane, State – Maharashtra, Pin – 400706, have changed my name from LATA to LATA SUBHASH TELE for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, BALABAI, is legally mother of No. 2814677K, Rank – L/Hav, Name – NETAJI BABURAO CHOUGULE,5 MARATHA LI, At/Po – Kurli, Teh – Chikkodi, Dist – Belgaum, State – Karnataka, Pin – 591241, have changed my name from BALABAI to BALABAI BABURAO CHOUGULE and date of birth from 07/07/1961 to 21/02/1947 for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I SUDERSHAN DEVI & SUDERSHAN SHARMA W/O VIJAY KUMAR R/O A-197 DDA COLONY CHOUKHANDI TILAK NAGAR DELHI -110018, I have changed my name to CHANCHAL Permanently

NAME CHANGE
I AAS MOHAMMAD S/O MOHD YUSUF ANSARI R/O H.NO 347 GALI NO 18 BLOCK K1A SANGAM VIHAR HAMDARD NAGAR DELHI-110062, I have changed my name to AAS MOHAMMAD ANSARI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SUNIL KUMAR S/O JAGDISH OBEROI R/O H.NO. T - 2585 UPPER RIDGE ROAD NEAR JHANDEWALAN KAROL BAGH DELHI - 110005, I have changed my name to SUNIL OBEROI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, SUNITA wife of JC-294308N Rank-NB SUB Name- BHOSLE INDRAJEET ATMARAM residing at HOUSE NO-919, PLOT NO-38 A, SAI PREM SAGAR NIWAS, YASHWANTRAO CHAVAN CHOWK, SWAMI SAMARTH MANDIRA JAWAL, SHANKAR NAGAR, MOREWADI, AMBAJOGAI, DIST-BEED, MAHARASHTRA-431517, have changed my name from SUNITA to BHOSALE SUNITA INDRAJEET for all future purposes vide Affidavit Dated 29/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VANAMALA Mother of JC-294308N Rank-NB SUB Name- BHOSLE INDRAJEET ATMARAM residing at HOUSE NO-919, PLOT NO-38 A, SAI PREM SAGAR NIWAS, YASHWANTRAO CHAVAN CHOWK, SWAMI SAMARTH MANDIRA JAWAL, SHANKAR NAGAR, MOREWADI, AMBAJOGAI, DIST-BEED, MAHARASHTRA-431517, have changed my name from VANAMALA to VANAMALA ATMARAM BHOSALE for all future purposes vide Affidavit dated 29/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NOTICE
Public at large is hereby informed that Sh. Virender Kumar Kesar is the owner of DDA Flat no. 126-C, on Second floor area measuring 26 sq. Mtrs. Situated at Block-B Pocket-S, Shalimar Bagh, Delhi-110088 vide Conveyance Deed dated 13.10.2022 executed by POI through DDA in favour of Sh. Virender Kumar Kesar in respect of DDA Flat no. 126-C, on Second floor area measuring 26 sq. Mtrs. Doc no. 15376, Vol no. 8600, Page no. 133-137, SRO- VII Delhi That (1) Original Relinquishment deed dated 27.03.2021 executed by Mr. Aman Kesar S/o Sh. Virender Kumar Kesar in favour of Sh. Virender Kumar Kesar in respect of DDA Flat no. 126-C, on Second floor area measuring 26 sq. Mtrs. Doc no. 4889, Vol no. 9743, Page no. 96.101, SRO- VIA Delhi Was lost 27/11/2024 duly reported to police as per police complaint dated 28/12/2025 in the police station of North West /Crime Branch, Delhi, LR No: 3465352/2025. If anyone found the same may return to undersigned and if the same is misused shall be at his/her own risk. That my client intends to mortgage the said immovable property for her bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

NEW DELHI
DATE: 29/12/2025

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

NAME CHANGE
I, KUSUMBAI, is legally mother of No. JC 463154P, Rank – Nb Sub, Name – RAUNDAL HEMANT MOTIRAM, R/o Bhendi, Po- Nivane, Teh - Kalwan, Dist-Nashik, State-Maharashtra, Pin-423501, have changed my name from KUSUMBAI to KUSUMBAI MOTIRAM RAUNDAL and date of birth from 04/01/1957 to 01/06/1977 for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, BHAGWAN, is legally father of No. JC 463211L, Rank – Nb Sub, Name – SAWANT SAMEER BHAGWAN, R/o Danoli At/Post-Danoli, Tal-Sawantwadi, Dist-Sindhudurg, State-Maharashtra, Pin-416510, have changed my name from BHAGWAN to BHAGWAN SITARAM SAWANT and date of birth from 18/01/1949 to 16/01/1947 for all future purposes. Vide affidavit dated 29/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, JAYSHREE, is legally mother of No. JC 463211L, Rank – Nb Sub, Name – SAWANT SAMEER BHAGWAN, R/o Danoli At/Post-Danoli, Tal-Sawantwadi, Dist-Sindhudurg, State-Maharashtra, Pin-416510, have changed my name from JAYSHREE to JAYASHRI BHAGWAN SAWANT and date of birth from 18/01/1951 to 25/03/1953 for all future purposes. Vide affidavit dated 27/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, KALAJI PANDU GUNDU, is legally father of No. JC-462941K, Rank – Nb Sub, Name – KALAJI GUNDU PANDU, R/o Maruti Gali, At/Post-Turkewadi, Tal-Chandgad, Dist-Kolhapur, State-Maharashtra, Pin-416507, have changed my name from KALAJI PANDU GUNDU to PANDU GUNDU KALAJI and date of birth from 10/07/1945 to 01/01/1940 for all future purposes. Vide affidavit dated 27/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, RUKMINI, is legally mother of No. JC-462941K, Rank – Nb Sub, Name – KALAJI GUNDU PANDU, R/o Maruti Gali, At/Post-Turkewadi, Tal-Chandgad, Dist-Kolhapur, State-Maharashtra, Pin-416507, have changed my name from RUKMINI to RUKMINI PANDU KALAJI and date of birth from 10/07/1950 to 01/01/1949 for all future purposes. Vide affidavit dated 27/12/2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, VEENA THAKUR Mother of JC-813145L Rank-NB SUB Name-RAJIV THAKUR Presently residing at VILL-MALAG, PO-KANGOO, TEH-NADAUN, DIST-HAMIRPUR, HIMACHAL PRADESH-177040, have changed my name from VEENA THAKUR to VEENA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 29/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-813145L Rank-NB SUB Name-RAJIV THAKUR Father of SHAURYA PRATAP SINGH THAKUR Presently residing at VILL-MALAG, PO-KANGOO, TEH-NADAUN, DIST-HAMIRPUR, HIMACHAL PRADESH-177040, have changed my minor son's name from SHAURYA PRATAP SINGH THAKUR to SHAURYA PRATAP SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 29/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-6507916L Rank-SEP/MT Name-ARVIND YADAV Presently residing at VILL-NANGWADA, PO-GANERA, TEH-BABAI, DIST-HOSHANGABAD, MADHYA PRADESH-461661, have changed my mother's name from RUKHMANI YADAV to RUKHMANI for all future purposes vide Affidavit dated 29/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-6499475H Rank-SEP/CHEF-COM Name-DOMBALE SANGRAM BALASO Presently residing at VPO-RAWADI BK, TEH-FHALTN, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415528, have changed my mother's name from SHAIAN to BAKULABAI BALASO DOMBALE for all future purposes vide Affidavit dated 29/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SADHANA SINGH wife of No.-13627173Y, Rank-HAV, Name-ANAND SINGH residing at VILL-AKHITYARAPUR, PO-FAKHARPUR, TEHSIL-KESARGANJ, DIST-BAHRAICH, UTTAR PRADESH-271902, have changed my name from SADHANA SINGH to SADHNA SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 29/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAM KARAN SINGH father of No.-13627173Y, Rank-HAV, Name-ANAND SINGH residing at VILL-AKHITYARAPUR, PO-FAKHARPUR, TEHSIL-KESARGANJ, DIST-BAHRAICH, UTTAR PRADESH-271902, have changed my name from RAM KARAN SINGH to RAAM KARAN SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 29/12/2025 before Notary Public, Delhi.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोनू, पुत्रः** वलीदीन चौधरी, **पताः** के-152, गली नं. 02, सुंदर नगरी, दिल्ली; दूसरा पताः मकान नं. सी-1-9/जी-2, डीएलएफ भोपुरा, गाज़ियाबाद, उ.प्र. ने मुकदमा **FIR No. 352/2013 U/s 279/338 IPC, थानाः नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोनू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोनू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 352/2013 U/s 279/338 IPC, थानाः नंद नगरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मोनू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी-03
कमरा नं. 19, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/17497/NE/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

आयुष्मान भारत योजना नागरिकों के लिए बना मजबूत स्वास्थ्य सुरक्षा कवच

एजेंसी

गुरुग्राम। इलाज के बढ़ते खर्च के बीच वर्ष 2025 में आयुष्मान (चिरायु) भारत योजना गुरुग्राम के नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से सबसे मजबूत ढाल साबित हुई। योजना ने इस वर्ष जिले के लाखों नागरिकों को गंभीर बीमारियों के आर्थिक जोखिम से बचाते हुए एक भरोसेमंद स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदान किया। इस वर्ष जिले में आयुष्मान कार्ड की संख्या 5 लाख तक पहुंच गई, जो इस बात का प्रमाण है कि योजना जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंची है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए यह योजना स्थायी सुरक्षा ढाल बनकर उभरी है। वर्ष 2025 के दौरान 18 हजार 423 नागरिकों ने इस योजना के अंतर्गत सरकारी एवं सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में उपचार प्राप्त किया। इन लाभार्थियों को करीब 25 करोड़ 43 लाख रुपये का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया गया। जिला उपायुक्त अजय कुमार ने कहा कि आयुष्मान (चिरायु) भारत योजना ने आम नागरिकों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक मजबूत सुरक्षा प्रदान की है। जिला प्रशासन का निरंतर प्रयास है कि योजना का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे और भविष्य में कवरेज को और अधिक विस्तार दिया जाए। गुरुग्राम में वर्ष 2025 के दौरान यह योजना केवल लाभार्थियों की संख्या तक सीमित नहीं रही, बल्कि जिले में एक सशक्त और भरोसेमंद कैशलेस स्वास्थ्य नेटवर्क के रूप में विकसित हुई है। नागरिकों को इलाज के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए सरकारी और निजी स्वास्थ्य संस्थानों को योजना से जोड़ा गया।

सरकार श्रमिकों को देगी 2602 रुपये प्रति सप्ताह की सहायता: कैप्टन मनोज कुमार

नारनौल। हरियाणा सरकार निर्माण श्रमिकों को निर्वाह भत्ता योजना के तहत 2602 रुपये प्रति सप्ताह की आर्थिक सहायता देगी। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण निर्माण गतिविधियों पर समय-समय पर लगाई जाने वाली रोक से प्रभावित होने वाले पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए सरकार ने निर्वाह भत्ता योजना के तहत आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है।इस योजना के तहत जिन निर्माण श्रमिकों का रोजगार निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध लगने के कारण प्रभावित हुआ है, उन्हें हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा प्रति सप्ताह 2602 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि यह सहायता केवल उन्हीं पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को दी जाएगी जो एनसीआर क्षेत्र में कार्यरत हैं और जिनका काम प्रदूषण नियंत्रण संबंधी प्रतिबंधों की वजह से रुक गया है। उन्होंने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों को उस अवधि के दौरान आर्थिक संबल प्रदान करना है जब वे बेरोजगारी का सामना कर रहे होते हैं।

पानीपत में साइबर ठगों ने महिला के खाते से लाखों रुपये निकाले

पानीपत। पानीपत में साइबर अपराधियों ने ठगी की दो बड़ी वारदातों में खातों से लाखों रुपये निकाल लिए। पिछले 24 घंटों में पुलिस ने धोखाधड़ी के दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। पहले मामले में एक महिला के बैंक खाते से बिना ओटीपी के एक लाख रुपये निकाल लिए गए, जबकि दूसरे मामले में एटीएम कार्ड बदलकर 70 हजार रुपए की ठगी की गई। थाना पुराना औद्योगिक पुलिस ने दोनों मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खादी कॉलोनी निवासी विशाखा रानी ने पुलिस और सीएम विंडो को दी शिकायत में बताया कि 24 मई को उनके इंडसइंड बैंक खाते से अचानक 1 लाख रुपए कट गए। उन्होंने कहा कि उन्होंने न तो किसी को ओटीपी साझा किया और न ही कोई संदिग्ध लिंक क्लिक किया था। विशाखा रानी के अनुसार, बैंक अधिकारियों ने उनकी मदद करने के बजाय यह कहकर टाल दिया कि उनका फोन हैक हो गया है। महीनों तक साइबर सेल और बैंक के चक्कर लगाने के बाद, मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप पर अब थाना पुराना औद्योगिक में मुकदमा दर्ज किया गया है।ठगी का दूसरा मामला रामस्वरूप चौक स्थित एक्सिस बैंक एटीएम से जुड़ा है। यूपी जौनपुर निवासी जावेद अली ने शिकायत में बताया कि जब वह एटीएम से पैसे निकाल रहा था, तभी पीछे खड़े दो युवकों ने मदद करने के बहाने उनका एटीएम कार्ड ले लिया।

मेयर ने सामुदायिक भवन का निर्माण के लिए नींव रखी

सोनीपत। जीटी रोड स्थित आरके कॉलोनी में गंदगी के ढेर के स्थान पर 35 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण होगा। भवन के निर्माण के कार्य की शुरुआत नगर निगम मेयर राजीव जैन तथा पार्षद प्रतिनिधि प्रवीण सैनी ने नारियल फोड़कर कर की। सामुदायिक केंद्र के निर्माण से कॉलोनी वासियों को सामाजिक कार्यों के लिए स्थान उपलब्ध होगा और इससे पहले बंजारा समाज के लिए भी सामुदायिक भवन बनवाया गया था। कॉलोनी में प्रवेश करते ही जिस स्थान पर कूड़े के ढेर लगे रहते थे कॉलोनी वासी लंबे समय से कूड़ा हटाकर सामुदायिक भवन बनाने की मांग कर रहे थे। इस अवसर पर राजीव जैन को कॉलोनी वासियों ने गलियों के निर्माण एवं गंदे पानी की निकासी की समस्या का समाधान करवाने की मांग की। ग्रामीणों ने दोनों नेताओं का फूल मालाओं से स्वागत किया। जैन ने बताया कि 9 माह के कार्यकाल में रिकॉर्ड तोड़ विकास कार्य विभिन्न वार्डों में शुरू करवाये, जिनके पूरा होने से नागरिकों की काफी समय से लंबित पड़ी समस्याओं का समाधान होगा।

विश्व के मानचित्र पर चमकेगा विकसित खरखौदा : मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर हरियाणा के निर्माण में जो भी सहभागी बनना चाहता है, सरकार उसके साथ सुशासन और पारदर्शिता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा खरखौदा को विश्व स्तरीय ढांचागत सुविधाएं देंगे और विकसित हो कर यह विश्व के मानचित्र पर चमकेगा।

खरखौदा में आयोजित विकास रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के लिए अनेक विकास योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने सोनीपत के गांव सोहटी और थाना कलां में दो उप-स्वास्थ्य केंद्रों का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं पर एक करोड़ दस लाख रुपये की लागत आएगी। मुख्यमंत्री ने खरखौदा के समग्र विकास के लिए अलग से पांच करोड़ रुपये देने की घोषणा भी की। ने बताया कि शहर में थाना चौक और दिल्ली चौक का सौंदर्यकरण किया जाएगा। मुख्य पार्क के विकास

के लिए आठ करोड़ रुपये और स्टेडियम के जीर्णोद्धार के लिए साढ़े तीन करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। कूड़े के निपटान के लिए आठ करोड़ सैंतीस लाख रुपये की लागतसे संयंत्र लगाया जाएगा। इसके साथ ही डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना की जाएगी। पेयजल सुविधा के लिए 26 करोड़ 46 लाख रुपये की लागत से परियोजना पर कार्य चल रहा है, जो दिसम्बर 2026 तक पूरा होगा। भूमि उपलब्ध होने पर विश्राम गृह और बहुमंजिला वाहन पार्किंग बनाई जाएगी। विधानसभा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग की 9 सड़कों पर 28 करोड़ 30 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे, जबकि 6 सड़कों की मरम्मत कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त अनेक सड़कों को निर्धारित अवधि के अंतर्गत दुरुस्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के संकल्प पत्र के अनुसार दो लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 34 हजार युवाओं को रोजगार दिया जा चुका है। नववर्ष पर पुलिसऔर अन्य विभागों में भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी। उन्होंने कहा कि किसान, युवा, महिला, बुजुर्ग और गरीब सरकार की प्राथमिकता हैं और बीते ग्यारह वर्षों में हरियाणा को नईदिशा मिली है। उन्होंने बताया कि खरखौदा विधानसभा क्षेत्र में ग्यारह वर्षों में 2081 करोड़ रुपये के विकास कार्य किए गए हैं। औद्योगिक मॉडल टाउनशिप में आधारभूत ढांचे पर विशेष ध्यान दिया गया है। क्षेत्र अब राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तेजी से उभरता औद्योगिक केंद्र बन रहा है, जहां वाहन उद्योग, विनिर्माण और भंडारण के बड़े अवसर उपलब्ध हैं।

गोहाना को जिला बना दो, बरोदा में भी खिलेगा कमल: अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। सहकारिता डॉ.अरविंद शर्मा ने कहा है कि सोनीपत-गोहाना-खरखौदा की जनता ने विधान सभा चुनाव में माहौल बनाया, जिसकी बदौलत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में न केवल तीसरी बार सरकार बनी, भाजपा की सीटों में भी बढ़ोतरी हुई। कैबिनेट मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने कहा कि खरखौदा को गोहाना में नहीं जोड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से आग्रह है कि गोहाना को जिला बनाने में आ रही तकनीकी अड़चनों को शीघ्र दूर करते हुए जिला बना दो, बरोदा में भी कमल का फूल खिलेगा।

खरखौदा विकास रैली को सम्बोधित करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेसी जनता-जनार्दन को गुमराह करते हैं, जबकि विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव और चुनाव सुधार चर्चा पर सदन छोड़कर भागते हैं। कांग्रेसियों ने विधानसभा चुनावों में भी भ्रम फैलाने का प्रयास किया था,जबकि सच्चाई यह है कि भाजपा ने न केवलबाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर और उनके पवित्र संविधान को निरंतर मान-सम्मान दिया है। कैबिनेट मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चुनावों से पूर्व लिए गए संकल्पों को तेजी से पूरे कर रहे हैं। पण्डित दीनदयाल उपाध्याय लाडो लक्ष्मी योजना को धरातल पर लाने और दूसरी किश्त में साढ़े सात लाख लाडो बहनों के खाते में 2100 रुपए भेजने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सरकार पीएम किसान सम्मान निधि योजना से लेकर आयुष्मान योजना का करोड़ों पात्र परिवारों को लाभ दिया जा रहा है।

नूंह-मंडकोला-पलवल मार्ग के दुरुस्तीकरण पर उपायुक्त का जताया आभार

एजेंसी

पलवल। क्षेत्रवासियों द्वारा हाल ही में मंडकोला रेस्ट हाउस से उपायुक्त कार्यालय पलवल तक पैदल यात्रा कर अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया था। इस पैदल यात्रा के माध्यम से ग्रामीणों ने सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित परिवारों को न्यायोचित मुआवजा दिलवाने तथा नूंह-मंडकोला-पलवल सड़क मार्ग को चार लेन किए जाने की प्रमुख मांग उठाई थी। उस दौरान उपायुक्त पलवल डॉ.हरीश कुमार वशिष्ठ ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना था और उन्हें आश्वासन दिया था कि नूंह-मंडकोला-पलवल सड़क मार्ग को चार लेन में परिवर्तित करने की प्रक्रिया अगले चार से पांच महीनों के भीतर शुरू कर दी जाएगी। साथ ही सड़क पर मौजूद गड्ढों को एक सप्ताह के अंदर भरवाकर मार्ग को दुरुस्त कराया जाएगा। उपायुक्त द्वारा दिए गए आश्वासन के अनुरूप तय समय-सीमा में सड़क की मरम्मत और गड्ढों को भरवाने का कार्य शुरू होते ही मंडकोला गांव की सरदारी और ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। इसी क्रम में शुक्रवार को मंडकोला गांव की सरदारी उपायुक्त कार्यालय पलवल पहुंची और उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ को शॉल ओढ़ाकर उनका धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। गांव की सरदारी ने कहा कि उपायुक्त द्वारा जनभावनाओं को समझते हुए त्वरित कार्रवाई करना सराहनीय कदम है। सड़क की खराब हालत के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही थीं, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब सड़क दुरुस्त होने से न केवल दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी।

हाई पावर परचेज कमेटी ने 56 परियोजनाओं को दी मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में शाम तक चली हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक में बिजली आपूर्ति एवं इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूती के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। बैठक में ऊर्जा मंत्री अनिल विज, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल, लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा तथा सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी उपस्थित रहे। बैठक में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अंतर्गत डबवाली, नरवाना, सोहना, सिरसा, गुरुग्राम-टू, फतेहाबाद, हिसार, नारनौल एवं रेवाड़ी क्षेत्रों में सब-स्टेशन सुदृढ़ीकरण से संबंधित कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई। इसी प्रकार उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अंतर्गत पंचकूला, पिंजौर, बरवाला, रायपुर रानी, पानीपत, करनाल, समालखा तथा रोहतक ज़ोन के विभिन्न क्षेत्रों में वितरण व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण एवं सब-स्टेशन विस्तार से संबंधित कार्यों को मंजूरी दी गई। बैठक में कुल 58 निविदाओं पर

विचार किया गया, जिनकी कुल अनुमानित लागत लगभग 4216 करोड़ रुपये थी। इनमें से 2 निविदाओं को रिटेंडर करने का निर्णय लिया गया। शेष 56 निविदाओं, जिनकी कुल अनुमानित लागत लगभग 4166 करोड़ रुपये थी, पर बोलीदाताओं के साथ विस्तृत नेगोशिएशन के उपरांत कुल कार्य मूल्य लगभग 4016 करोड़ रुपये पर सहमति बनी। इस प्रकार नेगोशिएशन प्रक्रिया के माध्यम से लगभग 150 करोड़ रुपये की अनुमानित बचत सुनिश्चित की गई, जिससे राज्य सरकार के वित्तीय प्रबंधन, पारदर्शिता तथा संसाधनों के कुशल उपयोग को मजबूती मिली है। एजेंडा में शामिल फरीदाबाद एवं गुरुग्राम में आरडीएसएस योजना के तहत 66 केवी सब-स्टेशनों से जुड़े 11 केवी शहरी एवं औद्योगिक फीडरों की विद्युत वितरण अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकीकरण से संबंधित कार्यों के लिए टेंडर को रिटेंडर करने का निर्णय लिया गया। सोनीपत महानगरीय विकास प्राधिकरण के अंतर्गत सेक्टर 5/6, 6/9 एवं 5/10 के बीच मास्टर रोड्स के शेष हिस्सों के चार लेन चौड़ीकरण एवं सुधार कार्य, पंचकूला में घग्गर नदी पर सेक्टर-3 एवं सेक्टर-21 को सेक्टर-23 एवं सेक्टर-25 से जोड़ने वाली सड़क पर पंचकूला गोल्फ क्लब के निकट मौजूदा पुल के समीप एक नए उच्च स्तरीय पुल का निर्माण (ईपीसी मोड पर), पंचकूला महानगरीय विकास प्राधिकरण के अंतर्गत शहर से गुजरने वाली दो जल धाराओं के सौंदर्यीकरण एवं पुनर्जीवन तथा उनके आसपास के क्षेत्रों के वाणिज्यिक एवं मनोरंजन उपयोग से संबंधित परियोजनाएं।

एक से अधिक अपराध वाले आरोपियों की निगरानी को बनेंगी टीमें

- **डीजीपी ने ली प्रदेश के सभी अधिकारियों की बैठक**

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने राज्य के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि जिन अपराधियों पर अनेक आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह जमानत पर बाहर हैं, उनकी सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए। यदि किसी आरोपित के दोबारा अपराध में लिप्त होने की आशंका हो तो उसकी जमानत निरस्त कराने की ठोस कार्रवाई की जाए।

डीजीपी ने प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों की बैठक में वर्ष 2025 में हुई अपराधिक घटनाओं, घटनाओं की नई प्रवृत्ति पर चर्चा की और वर्ष 2026 में घटनाओं से निपटने की रणनीति पर रोडमैप दिया। बैठक में

एडीजीपी, आईजी, पुलिस आयुक्त, डीआईजी तथा अन्य सभी भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी उपस्थित रहे। डीजीपी ने कहा कि एनडीपीएस मामलों में संलिप्त अपराधियों की विस्तृत हिस्ट्रीशीट तैयार की जाए। उनकी अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों को फ्रीज करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि अपराधियों में भय बना रहे। साथ ही नशा मुक्ति केंद्रों में चल रहे उपचार की नियमित समीक्षा कर यह जानकारी ली जाए कि कितने लोग सफलतापूर्वक नशे से बाहर आए हैं। डीजीपी ने कहा कि अपराधियों में भय और आमजन में विश्वास बनाए रखने के लिए ऑपरेशन ट्रैक डाउन व हॉटस्पॉट डोमिनेशन जैसे अभियानों को निरंतर और प्रभावी रूप से जारी रखा जाए। जो फरार हैं उन्हें जेल की सलाखों के पीछे धकेला जाना चाहिए।

बैठक में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि पुलिस ऐसे असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखे जो बच्चों और युवाओं को नशा, जुआ, अवैध गतिविधियों या आपराधिक रास्ते पर ले जाने का प्रयास करते हैं। डीजीपी ने निर्देश दिए कि साइबर यूनिट द्वारा किए जा रहे प्रभावी कार्यों की तर्ज पर जिला पुलिस स्तर पर भी साइबर अपराध नियंत्रण को और मजबूत किया जाए, ताकि आम नागरिकों को त्वरित राहत मिल सके और डिजिटल अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

कांग्रेस ने देश को आजादी दिलाने से लेकर संविधान निर्माण तक निभाई अहम भूमिका: रमेश मलिक

एजेंसी

पानीपत। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर संविधान चौक स्थित कांग्रेस भवन में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रामीण जिला अध्यक्ष रमेश मलिक व शहरी जिला अध्यक्ष सरदार बलजीत सिंह ने की। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी का ध्वज कांग्रेस भवन पर फहराया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी की गौरवशाली परंपरा, स्वतंत्रता संग्राम में पार्टी की ऐतिहासिक भूमिका तथा संविधान व लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प दोहराया गया। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रमेश मलिक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश को आजादी दिलाने से लेकर संविधान निर्माण तक ऐतिहासिक भूमिका निभाई है और कांग्रेस आज भी गरीब, किसान, मजदूर व वंचित वर्ग की आवाज बनकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है। कार्यक्रम में पार्टी संगठन को मजबूत करने, जनहित के मुद्दों और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों पर भी

चर्चा की गई। इस अवसर पर पानीपत ग्रामीण से पूर्व प्रत्याशी सचिन कुंडू, पूर्व विधायक बलबीर वाल्मीकि, वरिष्ठ नेता वरिंदर बुल्ले शाह, शहरी जिला अध्यक्ष सरदार बलजीत सिंह, कांग्रेस नेता सतपाल रोड, खुशी राम जागलान, शशि लूथरा, ओमवीर पंवार, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

53 करोड़ से पानीपत-जींद सड़क का होगा निर्माण : पवार

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के विकास एवं पंचायत तथा खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार के प्रयासों से जिला पानीपत और आसपास के क्षेत्रों में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में पानीपत से जींद तक सड़क निर्माण परियोजना को नई मंजूरी मिली है। कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि पानीपत से जींद तक सड़क के नवीनीकरण का कार्य दो चरणों में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पानीपत से दरियापुर मोड़ तक फोरलेन सड़क के निर्माण पर 53 करोड़ 91 लाख रुपये की राशि की खर्च की जाएगी। इस फोरलेन सड़क की पानीपत से दरियापुर मोड़ तक लगभग 25 किलोमीटर की दूरी होगी। इसके साथ ही दरियापुर मोड़ से जींद तक सड़क के चौड़ीकरण कार्य पर 59 करोड़ 48 लाख रुपये खर्च किए जायेंगे। इस सड़क की दूरी लगभग 50 किलोमीटर की होगी द्य उन्होंने बताया कि सड़क के साथ-साथ आवश्यकता अनुसार पानी की निकासी के लिए ड्रेनों का भी निर्माण किया जाएगा, जिससे वर्षा जल भराव की समस्या नहीं रहेगी। इसके लिए अतिरिक्त राशि खर्च की जायेगी। उन्होंने बताया कि इस

महत्वपूर्ण परियोजना के पूर्ण होने से पूरा पानीपत जिले की इसराना,जींद जिले की सफिदो तथा करनाल ज़िले की असंध विधानसभा क्षेत्र के लोगों को लाभ होगा तथा आवागमन सुगम होगा और व्यापारिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

पंवार ने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य के विकास कार्यों को नई दिशा और गति मिली है। सरकार का विशेष ध्यान सड़कों, पुलों, संपर्क मार्गों और शहरी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर है। साथ ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं, जिनसे आमजन को सीधे लाभ मिल रहा है।

किसान, मजदूर, वंचितों की लड़ाई लड़ेगी कांग्रेस : राव नरेंद्र सिंह

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी की स्थापना से लेकर आज तक उसका मूल मंत्र किसानों, मजदूरों, युवाओं तथा वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा करना रहा है। वर्तमान में देश और प्रदेश में लोकतंत्र, संविधान तथा संवैधानिक संस्थाओं पर सुनियोजित आघात किए जा रहे हैं, जिन्हें कांग्रेस पार्टी किसी भी हाल में सहन नहीं करेगी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राव नरेंद्र सिंह ने पार्टी ध्वज फहराया और उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों के कारण बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक असमानता अपने चरम पर पहुंच गई है, जबकि हरियाणा का युवा रोजगार की तलाश में भटकने को मजबूर है। भाजपा ने तानाशाही के कारण कांग्रेस द्वारा शुरू की गई मनरेगा योजना को लगभग समाप्त कर दिया गया है, जो मजदूरों, वंचितों और भूमिहीन किसानों के अस्तित्व पर सीधा प्रहार है। इसके अलावा नौकरी भर्ती घोटाले, भूमि घोटाले, अवैध खनन, आदिवासी भूमि का भूमाफियाओं को हस्तांतरण तथा अन्यायपूर्ण कार्यों की लंबी फेहरिस्त गिनाते हुए उन्होंने कहा कि जनता अब इनका हिसाब जरूर लेगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि पार्टी सडक़ से सदन तक जनता की आवाज बनकर भाजपा सरकार की नाकामियों को बेनकाब करती रहेगी। स्थापना दिवस के इस अवसर पर नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने संविधान, लोकतंत्र तथा सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए संघर्ष को और तेज करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता तथा कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने संगठन को और मजबूत बनाने तथा आगामी चुनौतियों का सामना करने के लिए पूर्ण शक्ति से जुटने का आह्वान किया।

पानीपत पुलिस ने एक साल में 62 अवैध देसी पिस्तौल, 24 जिंदा कारतूस व 2 मैग्जीन बरामद की

एजेंसी

पानीपत। पानीपत पुलिस ने एक साल में अवैध हथियारों व अपराधियों की धरपकड़ में चलाए गए अभियान में आर्म्स एक्ट के 63 अभियोग दर्ज कर 87 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनसे 62 अवैध देसी पिस्तौल, 24 जिंदा कारतूस व 2 मैग्जीन बरामद की हैं। पुलिस ने अवैध हथियारों सहित आरोपियों को पकड़ने के साथ ही हथियारों की सप्लाई की चेन को भी तोड़ने का काम किया। तथा वर्ष 2024 में आर्म्स एक्ट में 92 अभियोग दर्ज कर 131 आरोपियों को गिरफ्तार कर इनसे 82 अवैध देसी पिस्तौल, 19 जिंदा कारतूस व एक मैग्जीन बरामद की गई थी। पानीपत पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने बताया कि उक्त अभियान के परिणाम स्वरूप वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में लूट, स्नेचिंग की वारदातों में हथियारों के प्रयोग में कमी देखने को मिली। वर्ष 2024 में लूट व स्नेचिंग के 19 मामलों में हथियारों का प्रयोग हुआ था। वही वर्ष 2025 में लूट व स्नेचिंग 10 मामलों में अवैध हथियारों का प्रयोग हुआ है। वहीं वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में हत्या की वारदातों में हथियारों के प्रयोग में कमी देखने को मिली। वर्ष 2024 में हत्या के 10 मामलों में हथियारों का प्रयोग हुआ है। वही वर्ष 2025 में हत्या के 9 मामलों में अवैध हथियारों का प्रयोग हुआ है।

उन्होंने बताया कि सीआईए वन पुलिस टीम ने 30 अगस्त को दिल्ली पैरलल नहर बुड़शाम मोड़ पर तीन युवकों को 2 देसी पिस्तौल, 14 कारतूस , 3 मैग्जीन व 2 चाकू सहित काबू किया था। समालखा थाना क्षेत्र में आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। तथा सीआईए थ्री पुलिस टीम ने 10 अगस्त को तामशाबाद कच्चे रास्ते पर यूपी निवासी जुनैद व उवेश को 4 देसी पिस्तौल व 12 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था। आरोपियों पर पानीपत व यूपी में 23 आपराधिक मामले दर्ज है। तथा एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस की टीम ने 23 सितंबर को समालखा बस अड्डे के पास दो युवकों को 2 देसी पिस्तौल व 1 जिंदा कारतूस के साथ काबू किया था। उत्तराखंड से खरीदकर लाए थे। तथा एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस की टीम ने 2 जून को समालखा में निरंकारी सत्संग भवन के पास दो युवकों को 2 देसी पिस्तौल व 2जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था।

कांग्रेस व जजपा ने जनता से विश्वासघात कर भाजपा की सरकार बनवाई: अभय सिंह चौटाला

एजेंसी

रोहतक। इनेलो सुप्रीमों चौधरी अभय सिंह चौटाला ने आरोप लगाया कि पूर्व सीएम हुड्डा ने नेता प्रतिपक्ष बनने व जेल जाने के डर से प्रदेश की जनता के साथ विश्वासघात किया और भाजपा के साथ सौदा तय कर तीसरी बार भाजपा की सरकार बनवाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने बड़े-बड़े आंदोलन कर भाजपा के खिलाफ माहौल बनाया था, लेकिन कांग्रेस व जजपा ने अपने निजी स्वार्थों के चलते भाजपा के आगे सरेंडर कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा की सरकार चाहती ही नहीं थी और इसी लिए जनता ने कांग्रेस की सरकार पूरी तरह से बनाने का मन बना लिया था, लेकिन पूर्व सीएम हुड्डा ने जनता के साथ धोखा किया और जानबूझ कर ऐसे लोगों को टिकट दी, जिन्हें लोग पंसद ही नहीं करते थे। इनेलो सुप्रीमों चौधरी अभय सिंह चौटाला जींद बाईपास पर महा ज्वाईनिंग सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कांग्रेस, भाजपा व जजपा छोड़कर सैकड़ो लोगों ने इनेलो का दामन था। इनेलो सुप्रीमों अभय सिंह चौटाला ने पार्टी में शामिल होने वाले सभी लोगों को पूरा मान सम्मान देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व भाजपा आपस में मिले हुए है। प्रदेश में लूटेरे व भूमाफियों का राज है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार व बिगड़ती कानून व्यवस्था से प्रदेश की जनता परेशान है। उन्होंने कहा कि 2019 में भाजपा के खिलाफ लोगों में भारी रोष था। भाजपा को जमुना पार भेजने वाले लोगों ने अपने निजी स्वार्थों के चलते प्रदेश की जनता के साथ धोखा कर सरकार बनाई और प्रदेश का माहौल खराब कर दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम हुड्डा ने प्रदेश हित नहीं अपने हितो को देखते हुए भाजपा के साथ सौदा किया। सम्पत सिंह ने कहा कि अब इनेलो की बढ़ती लोकप्रियता से कांग्रेस व भाजपा पूरी तरह से बौखला गई है और इसी के चलते इनेलो सुप्रीमों चौधरी अभय सिंह चौटाला के खिलाफ षडयंत्र रचने का काम कर रही है, लेकिन प्रदेश की जनता समझ चुकी है कि भाजपा व कांग्रेस आपस में मिली हुई है।

केंद्र सरकार ने दो नई शिपबिल्डिंग योजनाएं लॉन्च कीं

- योजनाओं पर होगा 44,700 करोड़ से अधिक का निवेश

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने देश की जहाज निर्माण क्षमता को बढ़ाने और भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए दो अहम योजनाओं का ऐलान किया है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ये योजनाएं हैं- शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस स्कीम (एसबीएफएएस) और शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम (एसबीडीएस)। इन दोनों पर कुल 44,700 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जाएंगे। एसबीएफएस के तहत सरकार 24,736 करोड़ रुपए का कोष बनाएगी। इसके अंतर्गत जहाज निर्माण पर उसकी श्रेणी के अनुसार 15 से 25 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता दी जाएगी। छोटी, बड़ी और विशेष प्रकार की जहाजों के लिए अलग-अलग दरें तय की गई हैं। सहायता चरणबद्ध माइलस्टोन के आधार पर दी जाएगी। अगले 10 वर्षों में एसबीएफएएस से लगभग 96,000 करोड़ रुपए के जहाज निर्माण प्रोजेक्ट्स को समर्थन मिलने की संभावना है। एसबीडीएस का बजट 19,989 करोड़ है।

यह योजना नए ग्रीनफील्ड शिपबिल्डिंग क्लस्टर बनाने, मौजूदा शिपयार्ड का आधुनिकीकरण, और इंडिया शिप टेक्नोलॉजी सेंटर में रिसर्च, डिजाइन और स्किल डेवलपमेंट पर केंद्रित है।

ग्रीनफील्ड क्लस्टर को 100 फीसदी पूंजी सहायता और पुराने शिपयार्ड के विस्तार को 25 फीसदी सहायता दी जाएगी। नेशनल शिपबिल्डिंग मिशन के माध्यम से योजनाओं में समन्वय और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। साथ ही, जहाज स्क्रैप करने वाले मालिकों को 40 फीसदी क्रेडिट नोट देने की नई व्यवस्था से रिसाइक्लिंग और नए जहाज निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। आधुनिक तकनीक और कुशल श्रमिकों के दम पर 2047 तक भारत की जहाज निर्माण क्षमता 4.5 मिलियन ग्रॉस टन प्रति वर्ष तक पहुचने का लक्ष्य है।

वैश्विक बाजार में तांबे में रिकॉर्ड उछाल, भारत में भी जोरदार तेजी

नई दिल्ली ।

साल 2025 के अंत में ग्लोबल कमोडिटी मार्केट में कॉपर (तांबा) ने निवेशकों और इंडस्ट्री दोनों को चौंका दिया है। लंदन मेटल एक्सचेंज (एनएमई) पर कॉपर के दाम लगभग 13,000 डॉलर प्रति टन के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गए। दिसंबर महीने में कॉपर की कीमतों में 15 फीसदी से ज्यादा की तेजी दर्ज की गई, जो सिर्फ एक दिन की तेजी नहीं, बल्कि पूरे महीने की मजबूत रैली का नतीजा है। भारत में भी एमसीएक्स पर कॉपर के भाव 259.30 से 1,348 रुपए प्रति किलो तक पहुंचकर 7.9 फीसदी की तेजी के साथ अपर सर्किट पर लॉक हो गए। इसी तरह निकल में भी लगभग 8 फीसदी की तेजी देखी गई।` हिंदुस्तान कॉपर और माधव कॉपर जैसे स्टॉक्स में 10 फीसदी से 29 फीसदी तक उछाल आया। साल 2025 में कॉपर ने 41.67 फीसदी की कुल बढ़त दर्ज की, जिससे यह साल का सबसे ज्यादा बढ़त देने वाला बेस मेटल बन गया। 2026 के लिए कॉपर का टारगेट 6 डॉलर प्रति पाउंड रखा गया है। हालांकि, विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि चीन की मांग में कमी आने पर कीमतों की रफ्तार पर ब्रेक लग सकता है। अमेरिका की ट्रेड पॉलिसी और चीन की मांग ही भविष्य की कीमतों को तय करेंगे।

चांदी एक घंटे में 21000 रुपये टूटी, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद कीमतों में भूचाल

नई दिल्ली।

चांदी की कीमतों में सोमवार को एक घंटे के भीतर ही भारी गिरावट देखने को मिली। एमसीएक्स पर मार्च महीने के फ्यूचर्स एक घंटे में 21,000 रुपये प्रति किलो गिरकर 2,33,120 रुपये के निचले स्तर पर पहुंच गए। यह गिरावट तब आई जब दिन की शुरुआत में ही कीमतें 2,54,174 रुपये के रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थीं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सिल्वर की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। सोमवार को कीमतें पहली बार 80 डॉलर प्रति औंस के पार चली गईं, लेकिन बाद में लाभ लेने की बिकवाली और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप व यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच शांति वार्ता की खबरों के बीच 75 डॉलर के स्तर से नीचे आ गईं।

इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह निवेशकों द्वारा प्रॉफिट बुकिंग और भू-राजनीतिक तनाव में कमी है। यूक्रेन युद्ध में संभावित शांति समझौते की खबरों से सुरक्षित निवेश की मांग कम हो गई। इसके अलावा, वर्ष की शुरुआत से ही चांदी में 181 प्रतिशत की अभूतपूर्व बढ़त भी इस तेज मुनाफावसूली का कारण बनी।

विश्लेषकों का मानना है कि चांदी का ट्रेंड अभी भी सकारात्मक है, लेकिन इसमें उतार-चढ़ाव बना रहेगा। जानकार के मुताबिक, 2.4 लाख रुपये प्रति किलो का स्तर छोटी अवधि का समर्थन है। वहीं, अमेरिकी फर्म ने चेतावनी दी है कि कीमतों में इतनी तेज बढ़त टिकाऊ नहीं है और इसके बाद तेज गिरावट आ सकती है।

भारत में क्विक कॉमर्स ने बदल दी खुदरा खरीदारी की तस्वीर

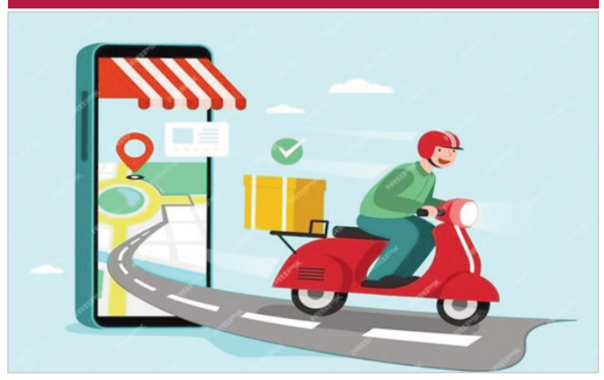

150 से अधिक शहरों में 3.3 करोड़ मासिक उपभोक्ता

नई दिल्ली ।

2025 में भारत के खुदरा परिदृश्य में बुनियादी बदलाव आया है। पारंपरिक ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स का एकीकरण अब योजनाबद्ध खरीदारी और तत्काल जरूरतों के बीच की दूरी लगभग समाप्त कर चुका है। शुरुआत में सिर्फ 10 मिनट में किराना पहुंचाने की पहल बहु-अरब डॉलर के उद्योग में बदल चुकी है। अब उपभोक्ता यह नहीं सोचते कि क्या यह पहुंचेगा? बल्कि सवाल होता है कि कितने मिनट में पहुंचेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार क्विक कॉमर्स भारत का सबसे तेजी से बढ़ने वाला खुदरा प्रारूप बन गया है। 150 से अधिक शहरों में इसका 3.3 करोड़ मासिक उपभोक्ता आधार है। घरेलू आय में वृद्धि और सुविधा को प्राथमिकता देने वाले शहरी वर्ग के लिए यह पसंदीदा खरीद माध्यम बन गया है। अमेज़न और फ्लिपकार्ट ने एमेजान नाउ और फ्लिपकार्ट मिनट जैसी सेवाओं की शुरुआत की है, जो 30 मिनट से कम में आपूर्ति सुनिश्चित करती हैं। तेज आपूर्ति अब उद्योग का नया मानक बन चुकी है। डार्क स्टोर अब छोटे मोहल्ला केंद्रों से विकसित होकर 10,000-12,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाले मेगापॉड्स में बदल गए हैं। इन बड़ी इकाइयों में 50,000 से अधिक वस्तुएँ स्टोर की जा सकती हैं, जिससे महंगी वस्तुएं भी मिनटों में पहुंचाई जा सकती हैं।

2026 में बाजार में और अधिक एकीकरण, श्रेणियों का विस्तार और नियामकीय संतुलन देखने को मिलेगा। शीर्ष कंपनियां अपनी स्थिति मजबूत करेंगी और तेज आपूर्ति की श्रेणी और बढ़ेगी।

सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ी, महंगे होंगे दाम

- सेंट्रल एक्साइज बिल, 2025 को संसद में मिली मंजूरी

नई दिल्ली।

सेंट्रल एक्साइज (संशोधन) बिल, 2025 को हाल ही में संसद ने मंजूरी दी है। इस बिल के तहत सिगरेट, सिगार, हुक्का, खैनी और स्मोकिंग मिक्सचर जैसे तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क में भारी वृद्धि की गई है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने इसे पेश किया था। सरकार का उद्देश्य तंबाकू खपत को कम करना और स्वास्थ्य संबंधी खर्चों में कटौती करना बताया जा रहा है। बिल के अनुसार, सिगरेट पर लगने वाला उत्पाद शुल्क प्रति 1,000 स्टिक 200-735 रुपये से बढ़कर 2,700-11,000 रुपये हो जाएगा। खैनी पर शुल्क चार गुना बढ़कर 25 से 100 फीसदी होगा। हुक्का तंबाकू पर यह 25 फीसदी से बढ़कर 40 फीसदी हो जाएगा, जबकि स्मोकिंग मिक्सचर का शुल्क 60 फीसदी से 300 फीसदी तक बढ़ सकता है। अधिकारियों का अनुमान है कि 18 रुपये की सिगरेट की कीमत जल्द ही 72 रुपये तक पहुंच सकती है। सोशल मीडिया पर इस बढ़ोतरी को लेकर प्रतिक्रियाएं अलग-अलग हैं। कुछ धूम्रपान करने वाले इसे स्वागत योग्य मान रहे हैं और इसे छोड़ने की प्रेरणा बता रहे हैं। वहीं कुछ इसे सरकार का अत्यधिक हस्तक्षेप मान रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कीमतों में इतनी वृद्धि से तंबाकू की खपत में कमी आ सकती है, लेकिन गरीब और नियमित उपयोगकर्ताओं पर असर ज्यादा पड़ेगा। इसके साथ ही लोग सस्ते या अवैध विकल्पों की ओर बढ़ सकते हैं।

रुपया सपाट बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 89.89 पर सपाट बंद हुआ। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में सुस्त शुरुआत के बीच सप्ताह के पहले अकारोबारी दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे टूटकर 89.95 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में स्थानीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले इसी स्तर पर खुली, जो इसके पिछले बंद भाव से गिरावट को दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 89.90 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारतीय शेयर बाजारों में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। इससे पिछले कुछ महीनों से रुपये पर दबाव बना हुआ है और मुद्रा में स्थिरता नहीं आ पा रही है। वैश्विक स्तर पर छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 98.00 पर रहा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक संकेतों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर रुपये की आगे की चाल निर्भर करेगी।

दो हफ्ते में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से बढ़ा

नई दिल्ली । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बीते दो हफ्ते में तेजी से बढ़ा है। इस दौरान फॉरेक्स रिजर्व 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693.31 अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आबीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में सिर्फ 1.6 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी। तब कुल रिजर्व 688.94 अरब डॉलर रहा था। यानी इस बार की बढ़त कहीं ज्यादा मजबूत रही। इस हफ्ते फॉरेक्स रिजर्व में आई तेजी की सबसे बड़ी वजह गोल्ड रिजर्व रहा। एक ही हफ्ते में भारत का सोने का भंडार 2.62 अरब डॉलर बढ़कर 110.36 अरब डॉलर पर पहुंच गया। बीते कुछ महीनों से वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता बनी हुई है। निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर सोने की ओर ज्यादा रुख कर रहे हैं। इसी वजह से गोल्ड की कीमतों में तेजी है। इसका सीधा असर भारत के गोल्ड रिजर्व के मूल्य पर पड़ा है। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां यानी फारेन करेंसी एसेट (एफसीए) इस हफ्ते 1.641 अरब डॉलर बढ़कर 559.428 अरब डॉलर हो गईं। ये कुल विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा होती हैं। आरबीआई के डेटा के मुताबिक, एफसीए में यह बढ़ोतरी सिर्फ डॉलर फ्लो से नहीं होती, बल्कि यूरो, पाउंड और जापानी येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में उतार-चढ़ाव से होने वाले वैल्यूएशन बदलाव भी इसमें शामिल रहते हैं। इस हफ्ते स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) में भी हल्की बढ़ोतरी देखने को मिली। एसडीआर 8 मिलियन डॉलर बढ़कर 18.744 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ भारत की रिजर्व पोजिशन 95 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.782 अरब डॉलर हो गई। विदेशी मुद्रा भंडार वे संपत्तियां होती हैं, जिन्हें किसी देश का केंद्रीय बैंक अपने पास रखता है। इनमें मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर जैसी रिजर्व करेंसी शामिल होती हैं।

नए साल में जेएसडब्ल्यू-एमजी की कारें होंगी महंगी

नई दिल्ली। नए साल में जेएसडब्ल्यू-एमजी मोटर इंडिया ने 1 जनवरी 2026 से अपनी कारों की कीमतों में 2 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। कंपनी ने रॉ मटेरियल और ऑपरेशनल कॉस्ट के बढ़ने के कारण इस साल तीसरी बार यह फैसला लिया है। यह बढ़ोतरी कंपनी के सभी मॉडल्स पर अलग-अलग होगी। इससे पहले एमजी ने 1 जुलाई 2025 से अपनी कारों की कीमतों में 1.5 प्रतिशत तक और 1 जनवरी 2025 से 3 प्रतिशत तक का इजाफा किया था। तब भी एमजी ने कीमत बढ़ाने की वजह रॉ मटेरियल महंगा होना बताया था। एमजी इंडिया के लाइनअप में वर्तमान में कॉमेट ईवी, हेक्टर, हेक्टर प्लस, एस्टर, ग्लोस्टर, विंडसर ईवी और ऑल-इलेक्ट्रिक झेडएस ईवी शामिल हैं। कीमतों में बढ़ोतरी 2 प्रतिशत तक होगी, जो मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से अलग-अलग रहेगी। विंडसर ईवी पर करीब 30,000 से 37,000 रुपए तक बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे नई कीमतें 14.27 लाख से 18.76 लाख (एक्स-शोरूम) होंगी। कॉमेट ईवी पर 10,000 से 20,000 रुपए तक महंगी हो सकती है और कीमतें 7.64 लाख से 10.19 लाख तक पहुंच जाएंगी।

सिल्वर ईटीएफ में जबरदस्त तेजी, निवेशकों को मिला बड़ा रिटर्न

नई दिल्ली । हाल के हफ्तों में भारत के सिल्वर ईटीएफ ने निवेशकों को चौंका दिया है। ग्रो सिल्वर ईटीएफ ने मात्र एक महीने में 52.72 फीसदी का रिटर्न दिया। वहीं टाटा और आईसीआईसीआई सिल्वर ईटीएफ ने क्रमशः 50 और 49.94 फीसदी की तेजी दिखाई। एचडीएफसी, निप्पान, आदित्य बिरला, यूटीआई और एसबीआई के सिल्वर ईटीएफ भी लगभग 49 फीसदी तक बढ़ चुके हैं। घरेलू बाजार में चांदी का भाव करीब 2.58 लाख रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है। वैश्विक अनिश्चितताओं और सुरक्षित निवेश की मांग के चलते सोने और चांदी दोनों में मजबूती देखने को मिल रही है। सिल्वर ईटीएफ निवेशकों को फिजिकल चांदी खरीदे बिना रिटर्न का लाभ देते हैं। इनमें स्टोरेज की झंझट नहीं होती और जरूरत पड़ने पर आसानी से बेचा जा सकता है। हालांकि तेज़ी देखने को मिल रही है, लेकिन बाजार में जोखिम हमेशा मौजूद रहता है। मौजूदा ट्रेंड ने सिल्वर ईटीएफ को निवेशकों की नजर में एक मजबूत विकल्प बना दिया है।

अमेरिका में कंपनियों के दिवालियापन के मामले 15 साल के उच्चतम स्तर

ट्रंप प्रशासन की लगातार बदलती टैरिफ नीतियों से आयात हुआ प्रभा वित

नई दिल्ली । 2025 में अमेरिका में कंपनियों के दिवालियापन के मामले 15 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से नवंबर के बीच 717 कंपनियों ने चैप्टर 7 या चैप्टर 11 के तहत दिवालियापन के लिए आवेदन किया। यह 2024 की समान अवधि से लगभग 14 फीसदी अधिक है। चैप्टर 11 के तहत कंपनियां अपने कर्जों का पुनर्गठन करती हैं और संचालित रहती हैं, जबकि चैप्टर 7 में कंपनियां बंद हो जाती हैं। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन की लगातार बदलती टैरिफ नीतियों ने आयात पर निर्भर व्यवसायों पर भारी दबाव डाला है। कई कंपनियां सप्लाई चेन बाधाओं और बढ़ती लागत के कारण दिवालियापन की ओर बढ़ रही हैं। इसके साथ ही महंगाई और उच्च ब्याज दरें भी कंपनियों की वित्तीय स्थिति पर दबाव डाल रही हैं। दिवालियापन के मामलों में सबसे अधिक वृद्धि निर्माण, विनिर्माण, परिवहन और रिटेल सेक्टर में देखी गई। कोविड-19 महामारी के बाद से पहली बार इस स्तर के बड़े दिवालियापन मामलों में 1 अरब डॉलर से अधिक संपत्ति वाली कंपनियां शामिल हैं। एट होम और फॉरएवर 21 जैसी रिटेल कंपनियां भी इसमें शामिल हैं। येल यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर के अनुसार, कंपनियां टैरिफ की लागत को ग्राहकों पर डालने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन उनकी भी सीमाएं हैं। जो कंपनियां कीमत बढ़ाने में सफल नहीं होतीं, वे बंद होने की कगार पर पहुंच जाती हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 345, निफ्टी 100 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 345.91 अंक फिसलकर 84,695.54 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 100.20 अंक टूटकर 25,942.10 पर बंद हुआ था। आज सबसे अधिक गिरावट आईटी शेयरों में रही। निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.75 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। इसके अलावा ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, इन्फ्रा और कमोडिटीज के शेयर भी नीचे आये। पीएसयू बैंक, एफएमसीजी और मीडिया के शेयरों में ही तेजी रही। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 313.15 अंक नीचे आकर 60,001.30 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 127.40 अंक फिसलकर 17,567.70 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एशियन पेंट्स, जोमैटो, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, एचयूएल, इंडिगो और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे थे जबकि पावर ग्रिड, ट्रेंट, बीईएल, भारती एयरटेल, एमएंडएम, टीसीएस, इन्फोसिस, आईसीआईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, के शेयरों को नुकसान हुआ। बीएसई के 2,748 शेयर गिरावट पर बंद हुए जबकि 1,568 शेयर उछले। वहीं 196 शेयरो में कोई बदलाव नहीं हुआ। इससे पहले आज सुबह एशियाई शेयर बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सेंसेक्स हल्की बढ़त के साथ 85,004 अंकों पर खुला। वहीं निफ्टी 26,063 अंकों पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 56.50 अंक की गिरावट के साथ 25,985 अंकों पर कारोबार करता नजर आया। सेंसेक्स ने भी शुरुआती बढ़त के बाद कमजोरी दिखाई। सुबह शुरुआत के बाद यह 231.86 अंक गिरकर 84,809.59 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार नए साल 2026 से पहले निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना रहे हैं। वैश्विक संकेतों, ब्याज दरों और आगामी आर्थिक आंकड़ों को लेकर अनिश्चितता के कारण निवेशक नए निवेश से फिलहाल दूरी बनाए हुए हैं और बेहतर अवसरों का इंतजार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में वैश्विक बाजारों की दिशा, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर भारतीय बाजार की चाल निर्भर करेगी। फिलहाल बाजार में सीमित दायरे में कारोबार और उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना जताई जा रही है। एशियाई शेयर बाजार~ एशियाई शेयर बाजार सोमवार को छह हफ्ते के उच्च स्तर पर पहुंच गए। जबकि डॉलर लगभग तीन महीने के निचले स्तर के पास बना रहा। इसकी वजह यह उम्मीद है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व अगले साल ब्याज दरों में कटौती कर सकता है, जिससे कीमती मेटल में भी जोरदार तेजी देखने को मिली है। दक्षिण कोरिया का कोस्पी (इंडेक्स 1.5 फीसदी चढ़कर लगभग दो महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं जापान का निक्केई 0.4 फीसदी फिसला, जबकि ताइवान का शेयर बाजार 0.3 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया।

निवेशकों को नया विकल्पः अप्रैल 2026 से शुरू होगा स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड

मुंबई ।

भारत में निवेशकों के लिए अप्रैल 2026 से नया निवेश विकल्प स्पेशलाइज्ड इवेंस्टमेंट फंड (एसआईएफ) पेश किया जाएगा। सेबी ने पारंपरिक म्यूचुअल फंड, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) और अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स (एआईएफएस) के बीच की खाली जगह को भरने के लिए मंजूरी दी है। एसआईएफ मुख्य रूप से उन निवेशकों के लिए है जो 10 लाख रुपये तक का निवेश कर सकते हैं, लेकिन एआईएफ या पीएमएस के लिए आवश्यक बड़ी रकम नहीं लगाना चाहते।

वर्तमान में, म्यूचुअल फंड छोटे निवेशकों के लिए उपयुक्त हैं, जहां एसआईपी के जरिए 500 या 1,000 रुपये से निवेश शुरू हो सकता है। वहीं, एआईएफ उच्च जोखिम वाले फंड होते हैं, जो स्टॉक्स, बॉन्ड, रियल एस्टेट, निजी कंपनियां और हेज फंड जैसी गैर-पारंपरिक संपत्तियों में निवेश करते हैं। इनमें न्यूनतम निवेश करीब 1 करोड़ रुपये होता है और ये मुख्य रूप से उच्च नेटवर्थ निवेशकों के लिए होते हैं।

पीएमएस में निवेशक का पैसा एक पेशेवर पोर्टफोलियो मैनेजर संभालता है, जिसमें करीब 50 लाख रुपये निवेश करना जरूरी होता है। लेकिन सेबी का नया एसआईएफ इन दोनों विकल्पों के बीच का सेतु है।

यह लंबी अवधि के लिए एडवांस निवेश रणनीतियों जैसे इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट, डेट लॉन्ग-शॉर्ट, सेक्टोरल डेट लॉन्ग-शॉर्ट, एक्टिव एसेट एलोकेशन और हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट में निवेश कर सकता है। एसआईएफ म्यूचुअल फंड की तरह ही निवेशकों को एसआईपी, एसडब्ल्यूपी और एसटीपी की सुविधा भी देगा। हालांकि, इसका एंट्री टिकट 10 लाख रुपये है, लेकिन एक बार यह राशि जमा हो जाने के बाद निवेशक केवल 10,000 रुपये से एसआईपी, एसटीपी या एसडब्ल्यूएस शुरू कर सकते हैं।

कुल मिलाकर, एसआईएफ उन निवेशकों के लिए आदर्श विकल्प है जो जोखिम समझते हैं, लंबी अवधि के निवेश की योजना बनाते हैं और म्यूचुअल फंड से एक कदम आगे बढ़ना चाहते हैं,

लेकिन एआईएफ या पीएमएस की ऊंची शुरुआती राशि से बचना चाहते हैं। यह नया फंड मध्यम और समझदार निवेशकों को पेशेवर निवेश रणनीतियों का लाभ उठाने का मौका देगा, जिससे वे पारंपरिक निवेश विकल्पों के साथ-साथ अधिक लचीले और उच्च रिटर्न वाले विकल्पों का आनंद ले सकेंगे।

डब्ल्यूओजी टेक्नोलॉजीज ने आईपीओ के लिए सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

- नए निर्गम और शेयर बिक्री के संयोजन से जुटाई जाएगी पूंजी

नई दिल्ली ।

डब्ल्यूओजी टेक्नोलॉजीज ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी का आईपीओ 375 करोड़ के नए निर्गम और 43.28 लाख शेयर की बिक्री (ओएफएस) का संयोजन है। कंपनी ने बताया कि आईपीओ से प्राप्त धनराशि का उपयोग अपनी कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने, 'बेल कूलिंग टावर्स' में शेष 50 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने और सामान्य कॉर्पोरेट कामों में किया जाएगा। डब्ल्यूओजी टेक्नोलॉजीज पर्यावरण इंजीनियरिंग और तकनीकी समाधान प्रदान करने वाली कंपनी है। यह जल और अपशिष्ट जल प्रबंधन के क्षेत्र में औद्योगिक और नगरपालिका ग्राहकों को सेवाएं देती है।

युद्ध, संघर्ष, सत्ता परिवर्तन, तख्तापलट और अस्थिरता से साल भर जूझती रही दुनिया

नीरज कुमार दुबे

साल 2025 की शुरूआत ही एक बड़े झटके के साथ हुई, जब डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दोबारा कार्यभार संभाला। उनकी वापसी केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ा।

साल 2025 वैश्विक राजनीति के इतिहास में एक ऐसे वर्ष के रूप में दर्ज हुआ, जिसने यह साफ कर दिया कि दुनिया अब स्थिरता की ओर नहीं, बल्कि अस्थिरता, टकराव और सत्ता संघर्ष की ओर तेजी से बढ़ रही है। यह साल लोकतंत्र और तानाशाही, शांति और युद्ध, संवाद और टकराव के बीच की रेखाओं को और धुंधला कर गया। कहीं चुनावों के जरिए सरकारें बदलीं, कहीं बंदूकों की नली से सत्ता हथियाई गई, तो कहीं युद्ध और सीमित संघर्षों ने मानवता को एक बार फिर कठघरे में खड़ा कर दिया।

2025 की शुरूआत ही एक बड़े झटके के साथ हुई, जब डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दोबारा कार्यभार संभाला। उनकी वापसी केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ा। ट्रंप का दूसरा कार्यकाल पहले से कहीं अधिक आक्रामक, राष्ट्रवादी और टकरावपूर्ण नजर आया। उनकी नीतियों ने वैश्विक व्यापार, सुरक्षा गठबंधनों और कूटनीतिक संतुलन को झकझोर दिया। अमेरिका की विदेश नीति फिर से ह्लअमेरिका फर्स्टह्व की राह पर लौटती दिखी, जिससे यूरोप से लेकर एशिया तक सहयोगी देशों में असहजता बढ़ी। ट्रंप की शैली ने मित्र देशों को भी यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या अमेरिका अब भरोसेमंद साझेदार रह गया है।

इसके अलावा, 2025 में कई देशों में नई सरकारों का गठन हुआ। कुछ देशों में यह सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का परिणाम था, तो कुछ जगहों पर राजनीतिक अस्थिरता की देन। अफ्रीका, यूरोप और प्रशांत क्षेत्र के कई छोटे-बड़े देशों में चुनावों के बाद नए नेतृत्व सामने आए। इन सत्ता परिवर्तनों ने यह दिखाया कि लोकतंत्र अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट हुआ कि लोकतांत्रिक संस्थाएं दबाव में हैं। कई देशों में कमजोर जनादेश, बिखरी संसद और अस्थिर गठबंधन सरकारों ने शासन को चुनौतीपूर्ण बना दिया।

हम आपको बता दें कि जहाँ कुछ देशों ने चुनावों का रास्ता चुना, वहीं 2025 तख्तापलटों का भी गवाह बना। अफ्रीका के कुछ हिस्सों में सेना ने लोकतांत्रिक सरकारों को हटाकर सत्ता अपने हाथ में ले ली। सत्ता परिवर्तन की यह प्रवृत्ति खासतौर पर उन क्षेत्रों में दिखी, जहाँ पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता, गरीबी और आतंकवाद मौजूद था। सेना द्वारा कई देशों में सत्ता पर कब्जा यह संकेत देता है कि कई देशों में लोकतंत्र अभी भी जड़ें नहीं जमा पाया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चेतावनियों और प्रतिबंधों के बावजूद तख्तापलटों का सिलसिला यह सवाल खड़ा करता है कि क्या वैश्विक व्यवस्था वास्तव में लोकतंत्र की रक्षा करने में सक्षम है?

इसके अलावा, साल 2025 में दक्षिण एशिया की उथल-पुथल की कहानी में नेपाल एक अहम उदाहरण बनकर सामने आया, जहाँ सत्ता परिवर्तन की पटकथा किसी राजनीतिक दल ने नहीं, बल्कि जेन-जी आंदोलन ने लिखी। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महंगाई और अवसरों की कमी से त्रस्त युवा पीढ़ी ने सड़कों पर उतरकर पारंपरिक राजनीति को सीधी चुनौती दी। सोशल मीडिया से शुरू हुआ यह आंदोलन देखते-ही-देखते जनआक्रोश में बदल गया, जिसने सरकार की नींव हिला दी। प्रदर्शन इतने व्यापक और उग्र हुए कि सत्ता प्रतिष्ठान को झुकना पड़ा और अंततः सरकार गिर गई। नेपाल का यह घटनाक्रम इस बात का संकेत बना कि अब सत्ता परिवर्तन केवल संसद या बंदूक से नहीं, बल्कि डिजिटल पीढ़ी की संगठित आवाज से भी संभव है। यह आंदोलन केवल सरकार विरोधी नहीं था, बल्कि दशकों से जमी हुई राजनीतिक जड़ता और वंशवादी राजनीति के खिलाफ खुला विद्रोह था, जिसने पूरे क्षेत्र को यह चेतावनी दी कि युवा पीढ़ी को नजरअंदाज करना अब सत्ता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है।

इसके अलावा, साल 2025 को यदि किसी एक शब्द में समेटा जाए तो वह शब्द है संघर्ष। यह वर्ष दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सुलगती सीमाओं, टूटते समझौतों और बढ़ते सैन्य टकरावों का गवाह बना। दक्षिण एशिया से लेकर मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया तक, शांति केवल कागजों में सिमट कर रह गई। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव और तनाव पूरे साल बना रहा। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट कर दिया कि दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच कितनी नाजुक स्थिति है। वहीं पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा संघर्ष ने क्षेत्रीय अस्थिरता को और गहरा किया, जहाँ आतंकवाद, शरणार्थी संकट और सैन्य झड़पें एक-दूसरे में घुलती रहीं।

साथ ही दक्षिण-पूर्व एशिया में दुनिया ने एक अप्रत्याशित मोर्चा खुलते देखा, जब थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमित युद्ध छिड़ गया। यह संघर्ष इस बात का संकेत था कि क्षेत्रीय विवाद, जो वर्षों से दबे हुए थे, अब खुलकर हिंसक रूप लेने लगे हैं। वहीं मध्य-पूर्व में इजराइल और हमास के बीच संघर्ष ने भयावह मानवीय संकट को जन्म दिया। गाजा पट्टी युद्धभूमि में तब्दील होती रही, जहाँ हवाई हमले, रॉकेट फायरिंग और जमीनी कार्रवाई ने हजारों निर्दोष लोगों की जान ली। यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक राजनीति और कूटनीति को भी गहरे स्तर पर प्रभावित करता रहा।

इसके अलावा, मध्य-पूर्व में तनाव और गहरा हुआ। ईरान और इजराइल के बीच प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया। मिसाइल हमले, हवाई हमले और सैन्य चेतावनियों ने यह साफ कर दिया कि एक चिंगारी पूरे क्षेत्र को आग में झोंक सकती है।

इसके अलावा, यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध 2025 में भी थमता नजर नहीं आया। यह संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यूरोप की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका सीधा असर पड़ा। साथ ही अफ्रीका के सैहेल क्षेत्र में चरमपंथी हिंसा और गृहयुद्ध जैसी स्थितियां बनी रहीं, जहाँ आम नागरिक सबसे बड़े शिकार बने।

इसी तरह बांग्लादेश में आंतरिक राजनीतिक संघर्ष और हिंसा ने यह दिखा दिया कि लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर पनपने वाले टकराव भी किस तरह देश को अस्थिर कर सकते हैं। विरोध-प्रदर्शन, राजनीतिक टकराव और अल्पसंख्यकों के साथ बर्बरता ने सामाजिक ताने-बाने को कमजोर किया।

देखा जाये तो इन सभी संघर्षों ने 2025 में यह साफ कर दिया कि दुनिया किसी एक महायुद्ध की ओर नहीं, बल्कि एक साथ कई छोटे-छोटे युद्धों और स्थायी अस्थिरता की ओर बढ़ रही है। यह वह दौर है जहाँ सीमाएं बारूद बन चुकी हैं और शांति सिर्फ भाषणों तक सिमट गई है।

इसके अलावा, जहाँ दुनिया संघर्ष और अस्थिरता से जूझ रही थी, वहीं डोनाल्ड ट्रंप 2025 के सबसे चर्चित नेताओं में से एक बने रहे। हालांकि उनकी लोकप्रियता सर्वसम्मत नहीं थी। एक ओर उनके समर्थक उन्हें मजबूत, निर्णायक और राष्ट्रवादी नेता मानते रहे, वहीं दूसरी ओर आलोचक उन्हें विभाजनकारी और संस्थाओं को कमजोर करने वाला नेता बताते रहे। ट्रंप की लोकप्रियता दरअसल इस बात का प्रतीक बनी कि दुनिया भर में राजनीति अब सहमति नहीं, बल्कि ध्रुवीकरण से चल रही है।

बहरहाल, 2025 ने यह साफ कर दिया कि दुनिया अब पुराने संतुलन की ओर नहीं लौटने वाली। सत्ता परिवर्तन, तख्तापलट, युद्ध और वैचारिक टकराव आने वाले वर्षों की भूमिका लिख चुके हैं। यह साल इस सच्चाई का आईना बन गया कि शांति अब अपवाद बनती जा रही है और संघर्ष नई सामान्य स्थिति। यदि वैश्विक नेतृत्व ने समय रहते संवाद, कूटनीति और सहयोग का रास्ता नहीं चुना, तो 2025 आने वाले बड़े संकटों की शुरूआत साबित होगा।

संपादकीय

वोटर के अहम विरोधाभास

देश के 12 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिए 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का अभियान चलाया था। कुल 51 करोड़ मतदाताओं का पुनरीक्षण किया जाना था। एसआईआर की प्रक्रिया के बाद 6.57 करोड़ मतदाताओं के नाम सूचियों से काट दिए गए। यह बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण आंकड़ा है। दो विरोधाभासी तस्वीरें सामने आई हैं। देश के सबसे बड़े राज्य उप्र में ही 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, जबकि उप्र में भाजपा की सरकार है। इसके उलट असम में 2001 के बाद 1 करोड़ से अधिक मतदाता बढ़ गए हैं। वहां की मतदाता सूची के ड्राफ्ट में 2 करोड़ 52 लाख 02775 मतदाता दर्ज किए गए हैं। 2021 के बाद से 18 लाख से अधिक मतदाता बढ़े हैं, जबकि पुनरीक्षण के दौरान 10.6 लाख नाम काटे भी गए हैं। गौरतलब यह है कि 93021 मतदाताओं को ह्यडीह्ण श्रेणी में रखा गया है। उन 'संदेहास्पद' नामों को भी मतदाता सूची में शामिल किया गया है, लेकिन वे तब तक वोट डालने के 'अपात्र' रहेंगे, जब तक उनकी भारतीय नागरिकता घोषित नहीं हो जाती। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा का बयान संवेदनशील और चेतावनीपूर्ण है कि राज्य में बांग्लादेश मूल के लोगों की संख्या 40 फीसदी को पार कर चुकी है। यदि उनकी आबादी 50 फीसदी से अधिक हो गई, तो वे असम राज्य के बांग्लादेश में विलय की साजिश रच सकते हैं। ऐसी कोशिशें भी जारी हैं। सवाल है कि उप्र में जो 2.89 करोड़ नाम कटे हैं और असम में जो 18 लाख से ज्यादा मतदाता बढ़े हैं, क्या वे बांग्लादेशी अथवा रोहिंग्या घुसपैठिए हैं? चुनाव आयोग स्पष्ट क्यों नहीं करता? जिन मतदाताओं की मौत हो चुकी है, उनकी संख्या स्पष्ट है और वे नाम मतदाता सूचियों से बाहर किए जाने चाहिए, लेकिन चुनाव आयोग ने जिन मतदाताओं को मिसिंग, लापता, गायब, पते पर गैरहाजिर और संदेहास्पद करार दिया है, उनके आधार क्या हैं? क्या उनकी नागरिकता भी सवालिया है? बेशक नागरिकता का संवैधानिक अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। वह गृह मंत्रालय का विशेषाधिकार है, लेकिन जिन मतदाताओं को मिसिंग या शिफ्ट करार दिया गया है, उनका मताधिकार तो सुरक्षित है न? वे देश में जहां भी होंगे, क्या वहां के मतदाता बना दिए जाएंगे अथवा वे अनाथ हो जाएंगे? कमोबेश भारत में मताधिकार मौलिक अधिकार है और उसे कोई भी सरकार या चुनाव आयोग छीन नहीं सकता।

चिंतन-मनन

मानव जीवन की गरिमा

नालंदा तक्षशिला जैसे अनेक विश्वविद्यालय इस देश में थे। देश की शिक्षा व्यवस्था की पूर्ति तो स्थानीय गुरुकुल ही कर लेते थे। उच्च स्तरीय एवं अंतरराष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था का प्रबंध यह विश्वविद्यालय करते थे। देश-देशांतरों की भाषाएं वहां पढ़ाई जाती थीं, जिनमें पारंगत होकर अपने को विश्व सेवा के लिए समर्पित करने वाले महामानव विश्व के कोने-कोने में पिछड़े क्षेत्रों को पिछड़े वर्ग को हर दृष्टि से ऊंचा उठाने के लिए अपनी अहैतुकी सेवा भावना की अजस्त्र वर्षा करते थे। न केवल धर्म और अध्यात्म वरन कृषि, पशुपालन, वृक्षारोपण, शिल्प उद्योग, नौकायन, चिकित्सा, वास्तु, रसायन आदि भौतिक विज्ञान की अनेकानेक धाराओं से संसारवासियों को परिचित प्रवीण कराने के लिए अथक परिश्रम किया गया। फलतः मानव जाति को अपनी पिछड़ी हुई, अभावग्रस्त एवं विपन्न स्थिति से छुटकारा मिला। अन्न, वस्त्र निवास और शिक्षा की आरंभिक आवश्यकताएं पूरी होने पर प्रगति के अन्यान्य मार्ग खुले। मनुष्य जीवन की गरिमा दो पहिये के रथ पर चढ़कर गतिशील होती है। एक पहिया है आत्म निर्माण, दूसरा लोक-निर्माण। यही दो लक्ष्य भारतीय संस्कृति के दो अविछिन्न अंग रहे हैं। गुण, कर्म, स्वभाव की दृष्टि से इस देश के निवासी निरंतर प्रयत्नशील रहे कि उनका व्यक्तित्व सद्भावनाओं और सत्प्रवृत्तियों से परिपूर्ण हो। उसे आदर्श और अनुकरणीय माना जाए। यहीं थी उन दिनों व्यक्तिगत जीवन की आध्यात्मिक महात्वाकांक्षा। भौतिक दृष्टि से हर व्यक्ति समुन्नत, सुव्यवस्थित और साधन संपन्न जीवन जीता था और उत्कृष्ट चिंतन और आदर्श कर्त्तव्य हर किसी के लिए प्रगति का मापदण्ड बना हुआ था। भारतीय जीवन का दूसरा लक्ष्य था- लोक निर्माण। वह मनुष्य क्या जो अपनी उपलब्धियों से केवल अपने शरीर और परिवार को ही लाभान्वित करे. पीड़ा और पतन के गर्त से गिरे हुए- पिछड़े हुए और असमर्थ लोग जिससे कुछ भी प्रकाश एवं सहयोग प्राप्त न कर सके. उन दिनों यही लोक मान्यता थी कि हर समुन्नत व्यक्ति को अपनी सम्पत्ति एवं विभूतियों को एक बड़ा भाग समाज की उन्नति में-सुख शांति की अभिवृद्धि में लगाना चाहिए. आत्मोष्कर्ष की तरह लोक कल्याण भी मनुष्य का लक्ष्य होना चाहिए. प्राचीन काल में प्रत्येक भारतवासी की वैसी मान्यता, निष्ठा और रीति-नीति थी।

एसआईआर, सॉफ्टवेयर और सवालों के घेरे में चुनावी पारदर्शिता

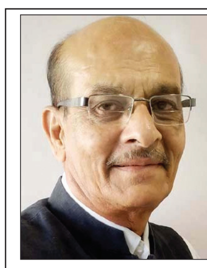

सनत जैन

लोकतंत्र की नींव निष्पक्ष और विश्वसनीय चुनावी प्रक्रिया पर टिकी होती है। इस प्रक्रिया की पहली और सबसे महत्वपूर्ण कड़ी मतदाता सूची है, क्योंकि यदि मतदाता सूची ही विवादित हो जाए, तो चुनाव की वैधता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजनझ्र एसआईआर) को लेकर चुनाव कार्य में लगे प्रशासनिक अधिकारियों की आपत्ति ने एक बार फिर चुनाव आयोग को लेकर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। पश्चिम बंगाल सिविल सर्विस ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखा गया पत्र साधारण प्रशासनिक शिकायत नहीं है, बल्कि यह चुनावी व्यवस्था के भीतर बढ़ते केंद्रीकरण और तकनीक-आधारित प्रक्रिया एवं निष्पक्षता पर गंभीर चेतावनी है। अधिकारियों का कहना है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने का अधिकार निर्वाचन कानूनों के अनुसार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) के पास होता है, लेकिन एसआईआर की मौजूदा प्रक्रिया में वैधानिक भूमिका को चुनाव आयोग ने अवैध रूप से सीमित कर दिया है। सबसे गंभीर आरोप यह है कि केंद्रीय चुनाव आयोग के एक केंद्रीकृत सॉफ्टवेयर सिस्टम के माध्यम से सीधे वोटर के नोटिस जनरेट किए जा रहे हैं। कई ईआरओ के लॉग-इन पर पहले से तैयार नोटिस दिखाई दे रहे हैं, जिससे यह तय करने की स्वतंत्रता ईआरओ की समाप्त हो गई है। किस मामले में नोटिस जारी किया जाए और किसमें सुनवाई आवश्यक है। इस प्रक्रिया को केन्द्रीय चुनाव ने हस्तगत कर लिया है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक अधिकार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी लोकतांत्रिक परिणाम हो सकते हैं। बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से हटाए जाते हैं, तो आम जनता का रोष सीधे बीएलओ और ईआरओ पर गिरेगा। जबकि वास्तविक निर्णय प्रक्रिया में उनकी भूमिका नाममात्र की तरह रह गई है। इससे स्थानीय अधिकारियों की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे है। चुनाव कार्य में लगे प्रशासन और जनता के बीच अविश्वास की खाई और गहरी हो गई है। एसोसिएशन ने अपने पत्र में ठीक ही कहा है कि एसआईआर जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में केन्द्रीयकृत सॉफ्टवेयर आधारित निर्णय खतरनाक हो सकता है। तकनीक प्रक्रिया को सुगम बना सकती है, लेकिन वह मानवीय विवेक, सामाजिक संदर्भ मतदाता के अधिकार और जमीनी सच्चाई का विकल्प नहीं माना जाएगा। मतदाता सूची से किसी का नाम हटाना केवल एक तकनीकी कार्रवाई नहीं, बल्कि नागरिक के संवैधानिक अधिकार को प्रभावित करने वाला निर्णय है। ऐसे में पारदर्शी सुनवाई और स्थानीय स्तर पर जांच के बाद ही कार्यवाही होनी चाहिए।

इस पत्र के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। विपक्षी दल इसे मतदाता सूची में संभावित हेरफेर से जोड़कर देख रहे हैं। विपक्षी दल चुनाव आयोग की मंशा पर सवाल उठा रहे हैं। दूसरी ओर, चुनाव आयोग की चुप्पी इस संदेह को और मजबूत बनाती है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए निष्पक्ष होना और निष्पक्ष दिखाई देना भी उतना ही जरूरी है। केन्द्रीय चुनाव आयोग द्वारा चुनावी प्रक्रियाओं का विभिन्न साफ्टवेयर के माध्यम से केंद्रीकरण, संघीय ढांचे और स्थानीय प्रशासन की भूमिका को कमजोर कर रहा है? भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहां सामाजिक और भौगोलिक परिस्थितियां क्षेत्र-दर-क्षेत्र भिन्न हैं, वहां स्थानीय अधिकारियों की भूमिका को दरकिनार करना व्यावहारिक नहीं है। केन्द्रीय चुनाव आयोग गैरकानूनी काम कर रहा है। चुनाव आयोग को चाहिए कि वह एसोसियेशन द्वारा की गई आपत्ति को राजनीतिक शोर मानकर नजरअंदाज न करे। ईआरओ को उनकी वैधानिक शक्तियां लौटाना किसी भी मतदाता के नाम का डिलीशन से पहले अनिवार्य सुनवाई सुनिश्चित करना और सॉफ्टवेयर को सहायक उपकरण के रूप में मान्य करना ही निष्पक्ष चुनाव की गारंटी है। मतदाता सूची की शुद्धता, मताधिकार तथा चुनावों की निष्पक्षता किसी एक संस्था की नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकार और लोकतंत्र की जिम्मेदारी है। यदि प्रशासनिक अधिकारी ही प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाने लगें, तो उसे चेतावनी की खतरे की घंटी समझा जाना चाहिए। एसआईआर का उद्देश्य वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करना है, तो उसे विश्वास, पारदर्शिता और संवैधानिक मयार्दाओं के साथ लागू करना ही होगा। पिछले कुछ वर्षों से चुनाव आयोग डिजिटल उपकरणों, सॉफ्टवेयर तथा हार्डवेयर का उपयोग बड़े पैमाने पर कर रहा है।

मतदाता सूची बनाने, मतगणना के परिणाम एवं अन्य कार्य केन्द्रीय चुनाव आयोग कर रहा है। सॉफ्टवेयर एवं उपकरणों के बारे में चुनाव आयोग राजनैतिक दलों एवं मतदाताओं को विश्वास में नहीं ले रहा है। केन्द्रीय चुनाव आयोग हर मामले में चुप्पी साध लेता है। जिस कार्य के अधिकार जिले के अधिकारियों के पास है, उन्हें बाय-पास करके उनके अधिकार केन्द्रीय चुनाव आयोग के अधिकारी अवैधानिक रूप से उपयोग कर रहे हैं। यह एक अपराध है। प्रशासनिक अधिकारियों एवं राज्य सरकारों को भी सजग रहने की जरूरत है। वहीं मतदाता के संवैधानिक अधिकार खत्म हो रहे हैं। ऐसी दशा में मतदाता को अपने अधिकार के लिए सड़कों पर आना होगा। चुनाव आयोग की चुप्पी यह साबित करती है, वह अब निष्पक्ष नहीं, बल्कि पक्षपाती के रूप में कार्य कर रही है। चुनाव आयोग को गंभीरता से विचार करना होगा।

पाश्चत्य कल्चर छोड़ थाली में लौटती परंपरा, मोटे अनाज से आधुनिक रोगों तक का समाधान

कांतिलाल मांडोत

आधुनिकता की तेज रफ्तार भागदौड़ भरी जिंदगी और पाश्चात्य खान-पान की नकल ने बीते कुछ दशकों में भारतीय समाज की भोजन परंपरा को गहराई से प्रभावित किया है। फास्ट फूड, रिफाइंड आटा, अत्यधिक चीनी और वसा से भरपूर भोजन ने स्वाद तो बदला, लेकिन इसके साथ-साथ शरीर को कई ऐसी बीमारियों की सौगात भी दे दी, जिनका नाम पहले गांव-कस्बों में शायद ही सुनाई देता था। डायबिटीज, मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और पाचन संबंधी समस्याएं आज आम जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। इसी पृष्ठभूमि में अब एक सुखद बदलाव दिखाई दे रहा है।लोग अपनी थाली में फिर से मोटे अनाज को जगह देने लगे हैं। यह बदलाव केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि सेहत, संस्कृति और आत्मनिर्भरता की ओर लौटने का संकेत है।

कुछ दशक पहले तक मोटे अनाज भारतीय रसोई का स्वाभाविक हिस्सा थे। बाजरा, ज्वार, रागी, कंगनी, मक्का और कोदो जैसे अनाज केवल भोजन नहीं थे, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा थे। ग्रामीण समाज में मेहनत-मजदूरी करने वाले लोग इन्हीं अनाजों से ऊर्जा प्राप्त करते थे और दिनभर काम करने के बावजूद थकान कम महसूस होती थी। उस समय डायबिटीज या कोलेस्ट्रॉल जैसे शब्द आम बातचीत में नहीं आते थे। पुराने लोग भले ही पोषण के वैज्ञानिक शब्दों से परिचित न हों, लेकिन अनुभव से जानते थे कि कौन-सा अनाज शरीर को ताकत देता है और कौन-सा भोजन मौसम के अनुकूल है। उनकी पसंद में स्वाद से अधिक महत्व तृप्ति और स्वास्थ्य का होता था।

समय बदला तो पसंद भी बदली। शहरीकरण, मशीनों पर निर्भरता और विज्ञापन आधारित संस्कृति ने भोजन को सुविधा और स्वाद तक सीमित कर दिया। सफेद आटा, पॉलिश किया हुआ चावल और पैकेटबंद खाद्य पदार्थ प्रतिष्ठा और आधुनिकता का प्रतीक बन गए। मोटे अनाज, जिन्हें कभी गरीबों का भोजन कहा गया, धीरे-धीरे रसोई से बाहर होते चले गए। नई पीढ़ी की पसंद में पिज्जा, बर्गर और नूडल्स शामिल हो गए, जबकि बाजरे की रोटी या ज्वार की भाखरी पिछड़ेपन की निशानी मानी जाने लगी। यही वह दौर था जब शरीर में असंतुलन बढ़ा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से फैलने लगीं।

आज स्थिति एक बार फिर करवट ले रही है। जब दवाइयों पर बढ़ता खर्च और लगातार बिगड़ती सेहत चिंता का कारण बनी, तब लोगों ने अपने भोजन पर पुनर्विचार करना शुरू किया। विशेषज्ञों और डॉक्टरों की सलाह, शोध रिपोर्ट्स और पारंपरिक ज्ञान के पुनर्मूल्यांकन ने मोटे अनाज को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के बाद मोटे अनाज को वैश्विक मंच मिला और 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स' जैसी पहल ने इसे नई पहचान दी। इसका प्रभाव यह हुआ कि जो अनाज कभी गांवों तक सीमित थे, वे अब शहरी हाई-मार्ट और सुपरमार्केट की शेल्फ पर भी सम्मान के साथ नजर आने लगे हैं।

स्वास्थ्य के नजरिए से देखें तो मोटे अनाज किसी वरदान से कम नहीं हैं। इनमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर रहती है और पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करता है। इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होने के कारण रक्त में शर्करा धीरे-धीरे बढ़ती है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को विशेष लाभ मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति नियमित रूप से मोटे अनाज को अपने आहार में शामिल करता है, तो उसे दवाइयों की आवश्यकता भी कम हो सकती है। जेएलएन मेडिकल कॉलेज, अजमेर के मेडिसिन विभाग से जुड़े डॉ. पवन कुमावत का मानना है कि मोटे अनाज का धीमा पाचन शरीर में ऊर्जा को संतुलित रूप से रिलीज करता है, जिससे अचानक भूख लगने की समस्या कम होती है और वजन नियंत्रण में रहता है।

पुराने लोगों की पसंद और आज की पीढ़ी की पसंद में यही मूल अंतर दिखाई देता है। पहले भोजन का उद्देश्य शरीर को पोषण देना और काम करने की शक्ति प्रदान करना था, जबकि आज भोजन अक्सर स्वाद, त्वरित उपलब्धता और दिखावे से जुड़ गया है। हालांकि अब नई पीढ़ी में भी एक वर्ग ऐसा है, जो अपने पूर्वजों की समझ को फिर से अपनाने लगा है। वे यह समझने लगे हैं कि असली आधुनिकता वही है, जो शरीर और प्रकृति दोनों के साथ संतुलन बनाए। योग, ऑर्गेनिक खेती और देसी खान-पान की ओर बढ़ता रुझान इसी सोच का परिणाम है।

मोटे अनाज केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह किसानों और पर्यावरण के लिए भी लाभकारी हैं। ये फसलें कम पानी में उग जाती हैं और कठिन जलवायु परिस्थितियों में भी अच्छी पैदावार देती हैं। राजस्थान जैसे शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों के लिए यह अनाज सदियों से जीवनरेखा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा राजस्थान मिलेट्स प्रोत्साहन मिशन के तहत किसानों को मुफ्त बीज किट उपलब्ध कराना इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है। इससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर पोषण सुरक्षा भी मजबूत होगी।

बाजार में आए बदलाव ने भी मोटे अनाज को अपनाना आसान बना दिया है। पहले इन्हें साफ करने और पीसने में काफी मेहनत लगती थी, जिससे शहरी और कामकाजी लोग इससे दूरी बनाए रखते थे। अब चक्कियों और प्रोसेसिंग यूनिट्स में तैयार आटा आसानी से उपलब्ध है। लोग अपनी आवश्यकता के अनुसार मात्रा तय कर सकते हैं और बिना अतिरिक्त झंझट के इसे दैनिक आहार में शामिल कर सकते हैं। यही सुविधा आज की जीवनशैली के साथ परंपरा का सेतु बन रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि मोटे अनाज हृदय रोगों के जोखिम को कम करते हैं। इनमें मौजूद मैग्नीशियम, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट तत्व रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। महिलाओं और बच्चों के लिए यह पोषण का सशक्त स्रोत हैं, क्योंकि इनमें कैल्शियम और प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। रागी जैसे अनाज हड्डियों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो आज के समय में एक बड़ी जरूरत बन चुकी है।

आज की पीढ़ी की पसंद में जो बदलाव दिख रहा है, वह केवल मजबूरी नहीं बल्कि समझ का परिणाम है। लोग यह महसूस करने लगे हैं कि महंगे सुपरफूड्स की तलाश में विदेशों की ओर देखने से बेहतर है कि अपनी मिट्टी में उगे अनाज को अपनाया जाए। यह आत्मनिर्भर भारत की सोच के भी अनुरूप है। जब हम अपने पारंपरिक भोजन को अपनाते हैं, तो न केवल अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखते हैं, बल्कि स्थानीय किसानों, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण को भी मजबूती देते हैं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि मोटे अनाज की वापसी अतीत की ओर लौटना नहीं, बल्कि भविष्य की ओर एक समझदारी भरा कदम है। पुराने लोगों की पसंद अनुभव से उपजी थी और आज की पीढ़ी की पसंद ज्ञान और शोध से आकार ले रही है। जब दोनों का संगम होता है, तो एक ऐसी जीवनशैली सामने आती है जो स्वाद, सेहत और संतुलन तीनों को साथ लेकर चलती है। थाली में मोटे अनाज की मौजूदगी केवल भोजन का विकल्प नहीं, बल्कि एक स्वस्थ, जागरूक और आत्मनिर्भर समाज की पहचान बन सकती है।

संक्षिप्त समाचार

कनाडा : 2026 में और सख्ती होगी स्टडी व वर्क परमिट में बड़ी कटौती

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में वर्ष 2025 भारतीयों सहित वैश्विक छात्रों और आप्रवासियों के लिए उथल-पुथल भरा रहा। बड़े पैमाने पर आव्रजन को लेकर सियासी दबाव का असर अब नीतियों में साफ दिखाई दे रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूडो की लोकप्रियता में गिरावट के पीछे अंतरराष्ट्रीय छात्रों और आप्रवासियों की बढ़ती संख्या को भी अहम कारण माना गया। त्रूडो ने 9 मार्च को मार्क कार्नी के लिबरल पार्टी नेता चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री पद छोड़ा और 2025 के संघीय चुनाव में भी हिस्सा नहीं लिया। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व में नई सरकार ने आव्रजन नियमों में सख्ती बरकरार रखने का साफ संकेत दिया है। इसके चलते 2025 के अंत तक अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। जनवरी 2024 में जहां स्टडी परमिट धारकों की संख्या 10 लाख से अधिक थी, वहीं दिसंबर 2025 तक यह घटकर करीब 7.25 लाख रह गई। कुल मिलाकर, 2026 में कनाडा में पढ़ाई और काम के रास्ते पहले से ज्यादा कठिन होंगे और भारतीय छात्रों-वर्कर्स को नए हालात के लिए खुद को तैयार करना होगा। उनकी कठिनाइयां बढ़ेंगी।

फिलीपीन सागर में भूकंप के तेज झटके, 6.6 रही तीव्रता

मनीला, एजेंसी। फिलीपीन के पूर्वोत्तर में स्थित फिलीपीन सागर में शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.6 मापी गई। भूकंप भारतीय समयानुसार रात 8:35 बजे आया और इसका केंद्र जमीन से 65 किलोमीटर की गहराई में था। भू-वैज्ञानिकों के अनुसार, फिलीपीन प्रशांत अग्नि वलय क्षेत्र में स्थित है। यह क्षेत्र ज्वालामुखियों और टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल के लिए जाना जाता है।

वरिष्ठ श्रीलंकाई तमिल नेता डगलस देवानंद हिरासत में

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के वरिष्ठ तमिल राजनेता और पूर्व मंत्री डगलस देवानंद को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस ने शुक्रवार को कोर्ट के आदेश के बाद यह कार्रवाई की। दरअसल, देवानंद को अधिकारिक रूप से जारी किया गया एक हथियार एक कुख्यात अपराधी के पास पाया गया था। उस अपराधी को 2020 में दुबई से प्रत्यर्पित किया गया था और बाद में पुलिस मुठभेड़ में वह मारा गया। देवानंद ईलम पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हैं।

खैबर पख्तूनख्वा में क्वाडकॉप्टर हमले में 2 सैनिकों की मौत

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में एक सुरक्षा चौकी पर क्वाडकॉप्टर से हुए हमले में कम से कम दो अर्धसैनिक बल के जवान मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों ने टैंक जिले के सदर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में स्थित टैंक जाम चेक पोस्ट को निशाना बनाने के लिए विस्फोटकों से भरे क्वाडकॉप्टर का इस्तेमाल किया। सैनिकों की पहचान हवलदार आसिफ और सिपाही हाशिम के रूप में हुई है। इस घटना में एक सूबेदार समेत दो अन्य सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। पुलिस के अनुसार हमले के तुरंत बाद घायल कर्मियों को चिकित्सा उपचार के लिए डेरा इस्माइल खान ले जाया गया। सुरक्षा बलों और पुलिस की भारी टुकड़ियों ने इलाके को घेर लिया और अपराधियों को पकड़ने के लिए एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया।

कोहरा बना काल... ग्वाटेमाला में बड़ा सड़क हादसा, बस खाई में गिरने से 15 लोगों की मौत, 19 घायल

ग्वाटेमाला, एजेंसी। मध्य अमेरिका स्थित देश ग्वाटेमाला में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां एक बस खाई में गिरने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। मृतकों में कई महिलाएं, पुरुष और एक नाबालिग भी शामिल है। वहीं, घटना के बाद अधिकारियों ने तीन दिनों के राष्ट्रीय शोक की भी घोषणा की। दुर्घटना टोटोनीकापन कस्बे के बाहर इंटरअमेरिकन रोड नामक मार्ग पर हुई। यह क्षेत्र घने कोहरे के लिए जाना जाता है। यहां विजिबिलिटी काफी कम हो जाती है कि इस वजह से वाहन चालकों को वाहन चलाने में बहुत मुश्किल होती है। हादसे को लेकर बताया गया कि बस ग्वाटेमाला सिटी से सैन मार्कोस की ओर जा रही थी, जो कि मेक्सिको सीमा से सटा इलाका है। इस दौरान अज्ञात वजह से बस करीब 75 मीटर गहरी खाई में गिर गई। प्रारंभिक जांच में कोहरे को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है। इस हादसे से जुड़ी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी सामने आई है, जिसमें बस पूरी तरह क्षतिग्रस्त नजर आ रही है।

मात्र 2 सेकंड्स में 700 मील प्रति घंटा, चीन ने ट्रेन की रफ्तार का बना दिया नया वर्ल्डरिकॉर्ड

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने मैग्लेव तकनीक में एक विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। इसमें एक टन वजन वाले वाहन को केवल दो सेकंड में 700 किमी/घंटा (435 मील प्रति घंटा) की गति तक सफलतापूर्वक पहुंचाया गया। मैग्लेव ट्रेन का परीक्षण 400 मीटर (1,310 फीट) की चुंबकीय तरलन (मैग्लेव) परीक्षण लाइन पर किया गया। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद इसे सुरक्षित रूप से रोक भी लिया गया। इस स्पीड टेस्ट ने एक नया मील का पत्थर स्थापित हुई है। यह अब तक का दुनिया का सबसे तेज सुपरकंडक्टिंग इलेक्ट्रिक मैग्लेव बन गया। बता दें कि एक लंबी दूरी की कॉमर्शियल फ्लाइट की औसत रफ्तार करीब 547 से 575 मील प्रति घंटे के बीच होती है। वहीं, आमतौर पर चीन में ट्रेनें 217 किमी प्रति मील की रफ्तार से चलती हैं। यह ट्रेनें 5जी कनेक्टिविटी को भी सपोर्ट करती हैं। यहां तक कि लंबी टनल में भी यह रफ्तार कायम रहती है।

कैसा है यह परीक्षण : चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी ने गुरुवार (25 दिसंबर) को परीक्षण का फुटेज जारी किया। इसमें एक वाहन दिखाई दिया जो एक चेसिस जैसा दिख रहा था और मैग्लेव लाइन पर बिजली की तरह चल रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक वाहन ने तुरंत बेहद तेज रफ्तार पकड़ी और लाइन के अंत में उतनी ही तेजी से रुक गया। पीछे पीछे धुंध की एक लकीर सी नजर आ रही थी। यह टेस्ट कई मामलों में अहम था। इसने मुख्य तकनीकी चुनौतियों को भी हल किया। इनमें ज्यादा तेज स्पीड वाले विद्युत चुंबकीय प्रोपल्शन, इलेक्ट्रिक सस्पेंशन गाइडेंस, अस्थायी उच्च शक्ति ऊर्जा भंडारण इनवर्जन और उच्च-क्षेत्र सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट शामिल हैं।

हाइपरलूप ट्रांसपोर्ट की संभावनाएं : सीसीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक इस परीक्षण ने चीन को अल्ट्रा-हाई-स्पीड मैग्लेव तकनीक में ग्लोबल लेवल पर एंट्री का संकेत दिया है। इसने देश में वैक्यूम-पाइपलाइन मैग्लेव या हाइपरलूप ट्रांसपोर्ट की अधिक संभावनाओं की सीमा को भी बढ़ाया। मैग्लेव तकनीक में, रिपोर्ट के अनुसार ट्रेन पर मौजूद चुंबक पाइप की किनारों पर धातु के साथ कम्यूनिकेशन की क्षमता रखते हैं, जिससे ट्रेन को तैराया जा सकता है और इसे आगे की ओर धकेला जा सकता है। पटरियों को नहीं छूती है मैग्लेव ट्रेन टेस्ट का वीडियो सामने आया है, जिसमें ट्रेन बिजली की चमक की तरह ट्रैक पर दौड़ती नजर आती है और पीछे हल्की सी धुंध छोड़ जाती है। मैग्लेव ट्रेन की खास बात यह है कि यह पटरियों को छूती ही नहीं है। इसमें लगे ताकतवर मैग्नेट ट्रेन को हवा में उठा देते हैं और आगे की ओर धक्का देते हैं। चूंकि पहियों और पटरी के बीच कोई संपर्क नहीं होता, इसलिए घर्षण नहीं बनता और ट्रेन बहुत ज्यादा तेज रफ्तार से चल सकती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जिस ताकत से यह ट्रेन आगे बढ़ती है, उसी तकनीक का इस्तेमाल भविष्य में रॉकेट लॉन्च करने में भी किया जा सकता है। अगर इस तकनीक को पैसेंजर ट्रेनों में अपनाया गया, तो बड़े-बड़े शहरों के बीच का सफर कुछ ही मिनटों में पूरा हो सकेगा।

हाइपरलूप ट्रांसपोर्ट की नींव रख सकती है ये ट्रेन : रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यह तकनीक भविष्य की हाइपरलूप ट्रांसपोर्ट की नींव रख सकती है। हाइपरलूप में ट्रेनें वैक्यूम जैसी बंद ट्यूबों में बेहद तेज रफ्तार से चलेंगी, जिससे सफर और भी तेज और सुरक्षित हो जाएगा। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट में वैज्ञानिकों ने कई मुश्किल तकनीकी समस्याओं को हल किया है। इसमें बेहद तेज इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिस्टम से ट्रेन को आगे बढ़ाना, हवा में स्थिर रखना, अचानक बहुत ज्यादा बिजली की जरूरत को संभालना और ताकतवर सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट का इस्तेमाल शामिल है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ डिफेंस टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर ली जी ने कहा कि इस अल्ट्रा हाई-स्पीड मैग्लेव सिस्टम की सफलता से चीन में सुपरफास्ट ट्रेनों पर रिसर्च और विकास को नई दिशा मिलेगी और भविष्य में और तेज ट्रेनें बनाने का रास्ता खुलेगा। करीब 30 साल पहले इसी यूनिवर्सिटी ने चीन की पहली मैग्लेव ट्रेन बनाई थी, जिसमें लोग सफर कर सकते थे।

सिर्फ तीन देशों में ही चल रही है मैग्लेव ट्रेन : दुनिया में अभी बहुत कम देश हैं जहां मैग्लेव ट्रेन चल रही है या उस पर काम हो रहा है। चीन इस तकनीक में सबसे आगे है। जापान में भी मैग्लेव तकनीक काफी विकसित है। वहां टेस्ट ट्रैक पर ट्रेन 600 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की स्पीड तक पहुंच चुकी है। टोक्यो और नागोया के बीच मैग्लेव लाइन बनाई जा रही है, हालांकि अभी यह आम यात्रियों के लिए पूरी तरह शुरू नहीं हुई है।

अमेरिका में बर्फीले तूफान से हजारों फ्लाइट कैंसिल

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के उत्तर-पूर्वी इलाकों में बर्फीले तूफान 'डेविन' के कारण अमेरिका में शनिवार को 9,000 से अधिक घरेलू उड़ानें रद्द या डिले हुईं। रॉयटर्स के मुताबिक तूफान ने क्रिसमस के बाद की हॉलिडे ट्रैवल को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। फ्लाइट इस तूफान के चलते न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में राज्य आपातकाल घोषित करना पड़ा। फ्लाइट अवेयर के अनुसार, शुक्रवार से शनिवार तक अमेरिका में 2700 से ज्यादा उड़ानें कैंसिल हुई और हजारों देरी से चलीं। वहीं, शुक्रवार को 1802 उड़ानें रद्द कर दी गईं और 22,349 उड़ानें डिले हुईं। जेटब्लू, डेल्टा, अमेरिकन और यूनाइटेड जैसी बड़ी एयरलाइंस ने सैकड़ों फ्लाइट्स रद्द कीं और यात्रियों को मुफ्त में टिकट बदलने की छूट दी है। नेशनल वेदर एजेंसी के मुताबिक, तूफान ने न्यूयॉर्क शहर को बर्फ की सफेद चादर से ढक दिया है। न्यूयॉर्क से लेकर लॉन्ग आइलैंड और कनेक्टिकट तक शनिवार की सुबह तक लगभग 6 से 10 इंच (15 से 25 सेंटीमीटर) बर्फ गिरी। वहीं शनिवार रात को 2 से 4 इंच बर्फबारी हुई, जिसमें सेंट्रल पार्क में 4.3 इंच बर्फबारी दर्ज की गई, जो 2022 के बाद सबसे अधिक है। फिसलन और कम विजिबिलिटी के कारण चेतावनी जारी कुछ जगहों पर ओले और जमाव वाली बारिश ने हालात और खराब कर दिए। नेशनल वेदर सर्विस ने विंटर स्टॉर्म वार्निंग जारी की थी, जिसमें फिसलन भरी सड़कें, कम विजिबिलिटी और पावर आउटेज की चेतावनी दी गई। न्यूयॉर्क गवर्नर कैथी होचुल ने राज्य के आधे से ज्यादा हिस्से में इमरजेंसी घोषित की और कहा, 'न्यूयॉर्क वासियों की सुरक्षा मेरी पहली प्राथमिकता है, इस तूफान में बेहद सावधानी बरतें।' पूरी रात सड़कें, फुटपाथ साफ करते रहे कर्मचारी सड़कों पर कमर्शियल व्हीकल्स पर बैन लगा दिया गया। कई हाईवे बंद कर दिए गए हैं और पेनसिल्वेनिया, मैसाचुसेट्स में भी विंटर एडवाइजरी जारी की गई। सफाई कर्मचारी पूरी रात सड़कें, फुटपाथ और एयरपोर्ट रनवे साफ करते रहे। टाइम्स स्क्वायर से लेकर सेंट्रल पार्क तक बर्फ हटाने के लिए स्नो प्लो और शोवल का इस्तेमाल हुआ। कुछ पर्यटकों ने बर्फबारी को खूबसूरत बताया, लेकिन ज्यादातर यात्रियों के लिए यह बड़ा झटका बना। एक पर्यटक ने कहा, 'यह बहुत ठंडा और अनएक्सपेक्टेड था।

लंदन में प्रदर्शन कर रहे हिंदुओं से भिड़ गए खालिस्तानी, बांग्लादेश का खुलकर दिया साथ

लंदन, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपु चंद्र दास की नृशंस हत्या की गूंज अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुनाई दे रही है। हाल ही में लंदन स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर इस हत्याकांड के विरोध में भारी विरोध प्रदर्शन हुआ। हालांकि, इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान उस समय तनाव पैदा हो गया जब खालिस्तानी अलगाववादी समूह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के बचाव में उतर आए। लंदन में रहने वाले बांग्लादेशी हिंदुओं ने दीपु दास की हत्या और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के खिलाफ उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन आयोजित किया था। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि दोषियों को कड़ी सजा मिले और हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। हैरानी की बात यह रही कि इस प्रदर्शन का विरोध करने के लिए वहां खालिस्तानी समर्थक पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, खालिस्तानी प्रदर्शनकारी मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार की ढाल बनकर खड़े हो गए। उन्होंने न केवल हत्या का विरोध कर रहे हिंदुओं को डराने की कोशिश की, बल्कि उनके खिलाफ उकसाने वाले नारे भी लगाए। स्थिति को बिगड़ता देख लंदन पुलिस ने हस्तक्षेप किया और दोनों पक्षों के बीच दीवार बनकर शांति बनाए रखने की कोशिश की।

भारत विरोध के लिए खालिस्तानी-कट्टरपंथी गठबंधन : यह घटना भारत विरोधी ताकतों के बीच बढ़ते गठजोड़ की ओर इशारा करती है। खालिस्तानी आतंकी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' का नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू लगातार भारत विरोधी बयानबाजी कर रहा है। हाल ही में पन्नू ने अमेरिका से एक वीडियो जारी कर बांग्लादेश के कट्टरपंथियों का समर्थन किया था। पन्नू ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को तोड़ने की एक नई साजिश रची है। उसने एक विवादास्पद मानचित्र जारी किया है, जिसमें असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और नागालैंड को मिलाकर एक अलग देश बनाने का दावा किया गया है। पन्नू ने इस काल्पनिक देश का नाम 'ट्रम्पलैंड' रखा है। साथ ही, उसने अरुणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा दिखाने की हिमाकत भी की है।

म्यांमार में पांच साल बाद आम चुनाव शुरू, तीन चरणों में आयोजित होगा

यांगून, एजेंसी। म्यांमार में रविवार को पांच साल बाद पहली बार आम चुनाव की शुरुआत हुई। यह देश के कई हिस्सों में चल रहे गृहयुद्ध के बीच सेना की निगरानी में हो रहा है। चुनाव तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें पहला चरण 28 दिसंबर को 102 टाउनशिप्स में हुआ, दूसरा चरण 11 जनवरी को और तीसरा 25 जनवरी को होगा। नतीजे जनवरी के अंत तक आने की उम्मीद है। यांगून जैसे बड़े शहरों, राजधानी नायप्यिताव और अन्य जगहों पर स्कूलों, सरकारी इमारतों और धार्मिक स्थलों को मतदान केंद्र बनाया गया है। इस बार पहली बार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। शनिवार को यांगून में सुरक्षा व्यवस्था काफी सख्त कर दी गई। मतदान केंद्रों के बाहर हथियारबंद गार्ड तैनात थे और सड़कों पर सेना के ट्रक गश्त लगा रहे थे। हालांकि विपक्षी संगठनों और सशस्त्र प्रतिरोध समूहों ने चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने की धमकी दी थी, लेकिन कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह चुनाव सेना के शासन को लोकतंत्र का मुखौटा पहनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। फरवरी 2021 में सेना ने नोबेल पुरस्कार विजेता आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार को तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली थी। सू ची की पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) ने 2020 के चुनाव में भारी जीत हासिल की थी, लेकिन सेना ने उसे दूसरा कार्यकाल नहीं करने दिया। अब सू ची 80 साल की उम्र में राजनीतिक आरोपों में 27 साल की जेल काट रही हैं। उनकी पार्टी को 2023 में सेना के नए नियमों के तहत रजिस्टर न करने पर भंग कर दिया गया। कई अन्य पार्टियां भी अनुचित शर्तों के कारण चुनाव में हिस्सा नहीं ले रही हैं या रजिस्ट्रेशन से इनकार कर दिया है। विपक्षी समूहों ने मतदान का बहिष्कार करने की अपील की है। एशियन नेटवर्क फॉर फ्री इलेक्शंस के अनुसार, 2020 में 73 प्रतिशत मतदाताओं ने ऐसी पार्टियों को वोट दिया था जो अब अस्तित्व में नहीं हैं। सेना समर्थित यूनियन सॉलिडेरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी (यूएसडीपी) की जीत तय मानी जा रही है। नए चुनाव कानून के तहत चुनाव की आलोचना पर कड़ी सजा का प्रावधान है, जिससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पूरी तरह दबा दी गई है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने कहा है कि देश में हिंसा और धमकियों का माहौल है, जहां अभिव्यक्ति और शांतिपूर्ण सभा की आजादी के लिए कोई जगह नहीं है। 2021 के तख्तापलट के बाद प्रदर्शन शुरू हुआ, जो अब पूर्ण गृहयुद्ध का रूप ले चुका है। सहायता संघ के अनुसार, तख्तापलट के बाद से 22,000 से ज्यादा लोग राजनीतिक कारणों से जेल में हैं और सुरक्षा बलों ने 7,600 से अधिक नागरिकों की हत्या की है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, गृहयुद्ध से 36 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। तीन चरणों में होगा म्यांमार में चुनाव सत्ता हस्तांतरण की वजह से म्यांमार में व्यापक जनविरोध पैदा हुआ, जो गृहयुद्ध में तब्दील हो गया। इस संघर्ष ने कई विवादित क्षेत्रों में चुनाव कराना जटिल बना दिया है। देश के अलग-अलग हिस्सों में तीन चरणों में मतदान होगा। चुनाव का दूसरा चरण 11 जनवरी को और तीसरा चरण 25 जनवरी को होगा। मानवाधिकार और विपक्षी समूहों का कहना है कि मतदान न तो स्वतंत्र होगा और न ही निष्पक्ष, और सत्ता शायद सैन्य नेता सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग के हाथों में ही रहेगी। आलोचकों को नागरिक शासन की वास्तविक बहाली पर शक है।

सरकार पर रहेगा सेना का दबदबा : इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के म्यांमार विश्लेषक रिचर्ड हॉर्सी ने कहा कि यह चुनाव उसी सेना की ओर से कराया जा रहा है, जो 2021 के तख्तापलट के पीछे थी। उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस से बातचीत में कहा, 'ये चुनाव बिल्कुल भी विश्वसनीय नहीं हैं। इनमें उन राजनीतिक दलों में से कोई भी शामिल नहीं है जिन्होंने पिछले चुनाव या उससे पहले के चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया था।'

अमेरिका ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का किया आग्रह

वॉशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू कपड़ा मजदूर दीपू चंद्र दास की निर्ममता से हत्या को लेकर दुनियाभर में निंदा हो रही है। अमेरिकी विदेश विभाग ने हाल ही में हुई इस धार्मिक हिंसा की निंदा की है। साथ ही, एक प्रभावशाली अमेरिकी सीनेटर ने दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग को भयानक बताया और बिना शर्त धार्मिक नफरत की निंदा करने की अपील की। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की बढ़ती घटनाओं से जुड़े सवाल पर अमेरिकी प्रवक्ता ने आईएएनएस को बताया, 'संयुक्त राज्य अमेरिका धार्मिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति, शांतिपूर्ण सभा और संगठन की स्वतंत्रता का समर्थन करता है।' प्रवक्ता ने कहा,

'संयुक्त राज्य अमेरिका धार्मिक हिंसा की कड़ी निंदा करता है। साथ ही हम बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा सभी समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का स्वागत करते हैं। अमेरिकी सीनेटरों ने भी इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। रो खन्ना ने इस हत्या को 'भयानक' बताया और धार्मिक नफरत की कड़ी निंदा करने का आग्रह किया। रो खन्ना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'बांग्लादेश में 27 वर्षीय हिंदू कपड़ा मजदूर दीपू चंद्र दास की हत्या भयानक है और मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं दीपू के दोस्तों और परिवार के साथ हैं। उन्होंने कहा, 'हमें नफरत और कट्टरता के इन घिनौने कृत्यों की कड़ी निंदा करनी चाहिए और उनके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। बांग्लादेश के भालुका के एक कपड़ा मजदूर दीपू चंद्र दास की 18 दिसंबर को जान चली गई थी। ईशनिंदा के आरोप लगाकर भीड़ ने उस पर हमला किया, पीट-पीटकर मार डाला और उसकी बॉडी को जला दिया। इस हत्या ने देश में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों विशेष रूप से हिंदुओं की स्थिति पर जांच बढ़ा दी है। एडवोकेसी समूहों का कहना है कि अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले बढ़े हैं।

उन्होंने कई क्षेत्रों में भीड़ हिंसा, तोड़फोड़ और धमकी की घटनाओं का हवाला दिया है। हालांकि विदेश विभाग ने राजनयिक मुलाकातों के बारे में विवरण नहीं दिया, लेकिन आईएएनएस को दिए गए अपने जवाब में उसने धार्मिक हिंसा की निंदा पर जोर दिया। साथ ही सभी समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बांग्लादेश के अंतरिम अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों का स्वागत किया।

बालेन शाह बने नेपाल में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार, आम चुनाव के लिए आरएसपी के साथ हुआ समझौता

काठमांडू, एजेंसी। काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बलेंद्र शाह, जिन्हें लोकप्रिय रूप से बालेन के नाम से जाना जाता है, को रविवार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नामित किया गया, क्योंकि उन्होंने और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 5 मार्च को होने वाले नेपाल चुनावों में संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। रात भर चली लंबी बातचीत के बाद हुए सात सूत्रीय समझौते के तहत 35 वर्षीय बालेन को संसदीय दल का नेता और प्रधानमंत्री पद का चेहरा नामित किया गया। वहीं रबी लामिछाने भंग हो चुकी प्रतिनिधि सभा में चौथी सबसे बड़ी पार्टी, ऋस्क के अध्यक्ष के रूप में बने रहेंगे। समझौते के अनुसार बालेन और उनका समूह चुनाव आयोग की ओर से दिए गए आरएसपी के चुनाव चिन्ह 'घंटी' पर चुनाव लड़ेगा।

बालेन की ओर से अपनी टीम का आरएसपी में विलय करने पर सहमति जताने के बाद पार्टी का नाम, झंडा और चुनाव चिन्ह अपरिवर्तित रहेंगे। 'व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के बजाय देश की जरूरतों का ध्यान' समझौते के बाद लामिछाने ने कहा कि आम सहमति में व्यक्तिगत नेताओं की महत्वाकांक्षाओं के बजाय देश की जरूरतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। उन्होंने रविवार सुबह फेसबुक पोस्ट में ये बातें साझा कीं। समझौते में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ युवा पीढ़ी

की ओर से शुरू किए गए आंदोलन की जिम्मेदारी ली है। आंदोलन के दौरान घायल हुए लोगों सहित जेनरेशन जेड के प्रदर्शनकारियों की उठाई गई मांगों को पूरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह समझौता उन उभरती हुई युवा नेतृत्व वाली राजनीतिक ताकतों को एकजुट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने सितंबर आंदोलन का नेतृत्व किया था, जिसके कारण केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई थी। गठबंधन में कुलमान घिसिंग की पार्टी भी हो सकती है शामिल इस समझौते के बाद, बड़ी संख्या में जनरेशन जेड के समर्थकों के आरएसपी में शामिल होने की उम्मीद है। ऊर्जा और जल संसाधन मंत्री कुलमान घिसिंग के नेतृत्व वाली एक अन्य नवगठित उज्यालो नेपाल पार्टी (यूएनपी), जिसने एकता और सहयोग पर बालेन के साथ कई दौर की बातचीत की है, ने अभी तक गठबंधन में शामिल होने के बारे में कोई निर्णय नहीं सुनाया है।

इजरायल का एक फैसला और दो खेमों में बंटने लगी दुनिया

तेल अवीव, एजेंसी। सोमालिया से अलग हुए क्षेत्र को सोमालीलैंड के रूप में मान्यता देने को लेकर पूरी दुनिया दो खेमों में बंटी नजर आ रही है। इजरायल वह पहला देश है जिसने सोमालीलैंड को राष्ट्र कि मान्यता दे दी है। वहीं इजरायल का सदाबहार दोस्त अमेरिका भी इसपर राजी नहीं है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ तौर पर सोमालीलैंड को मान्यता देने से इनकार कर दिया है। वहीं अफ्रीका के क्षेत्रीय संघों ने भी सोमालीलैंड को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने के विरोध किया है।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, मैं सोमालीलैंड के राष्ट्रपति डॉ. अबदीरहमान मोहम्मद अबदुल्लाह को बधाई देता हूं और उनके नेतृत्व की प्रशंसा करता हूं। मैं उन्हें इजरायल के दौरे के लिए आमंत्रित कर रहा हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अमेरिका ऐसा कोई भी फैसला नहीं करने वाला है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने सोमालीलैंड जैसे किसी देश के बारे में ज्यादा विचार नहीं किया है। बता दें कि जल्द ही डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू की मुलाकात भी होने वाली है। पिछले 30 से अधिक वर्षों में किसी भी देश द्वारा सोमालीलैंड को पहली बार मान्यता दी गई है। सोमालीलैंड ने 1991 में सोमालिया से स्वतंत्रता की घोषणा की और अपनी सरकार और मुद्रा होने के बावजूद, शुक्रवार तक दुनिया के किसी भी देश द्वारा इसे मान्यता नहीं दी गई थी। अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष महमूद अली यूसुफ ने कहा कि सोमालिया की संप्रभुता को कमजोर करने का कोई भी प्रयास महाद्वीप पर शांति और स्थिरता के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि अफ्रीकी संघ ''सोमालीलैंड को एक अलग देश के रूप में मान्यता देने के उद्देश्य से किसी भी पहल या कार्रवाई को दृढ़ता से खारिज करता है। यह विशेष रूप से उल्लेख किया जा रहा है कि

सोमालीलैंड सोमालिया के संघीय गणराज्य का अभिन्न अंग बना हुआ है। सोमालिया की संघीय सरकार ने शुक्रवार को इजराइल द्वारा सोमालीलैंड को मान्यता देने के कदम को गैरकानूनी बताते हुए इसका पुरजोर खंडन किया और इस बात की पुष्टि की कि उत्तरी क्षेत्र सोमालिया के संप्रभु क्षेत्र का अभिन्न अंग बना हुआ है। यह पता नहीं चल पाया कि इजराइल ने इस समय यह घोषणा क्यों की या क्या वह बदले में कुछ उम्मीद कर रहा है। इस साल की शुरुआत में अमेरिका और इजराइली अधिकारियों ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया था कि इजराइल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तत्कालीन योजना के तहत गाजा से फलस्तीनियों को शरण देने के लिए सोमालीलैंड से संपर्क किया था। हालांकि, अमेरिका ने बाद में वह योजना छोड़ दी। इजराइल-हमास युद्ध में प्रमुख मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले मिस्र के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर कहा कि वह सोमालीलैंड को इजराइल द्वारा दी गई मान्यता को खारिज करता है तथा सोमालिया की संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए पूर्ण समर्थन पर जोर देता है। पूर्वी अफ्रीकी शासी निकाय आईजीएडी ने एक बयान में कहा कि सोमालिया की संप्रभुता को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मान्यता प्राप्त है। बयान में कहा गया, 'किसी भी प्रकार की एकतरफा मान्यता संयुक्त राष्ट्र संहिता, अफ्रीकी संघ के स्थापना अधिनियम और आईजीएडी की स्थापना करने वाले समझौते के विपरीत है।' सोमालिया के सदाबहार साथी तुर्की ने भी इजरायल के फैसले की निंदा की है। तुर्की का कहना है कि इजरायल सोमालिया के आंतरिक मामलों में दखल दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल अब अन्य देशों का भी समर्थन हासिल करने की कोशिश करेगा ताकि सोमालीलैंड को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल सके।

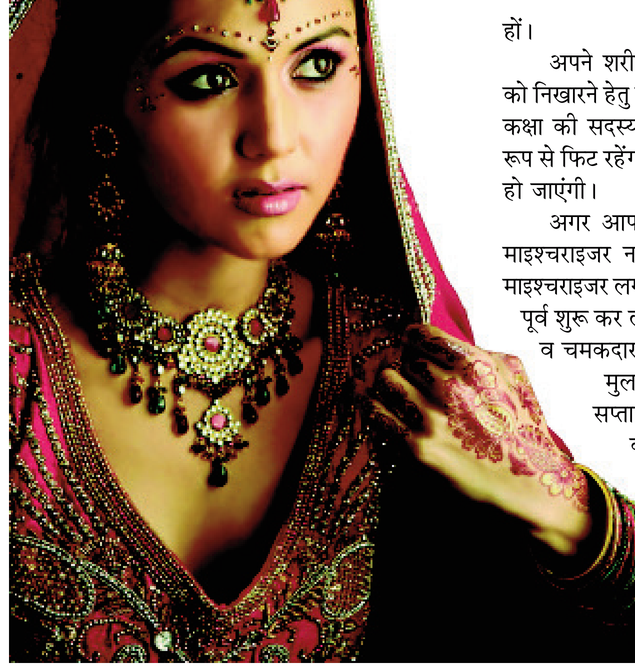

दुल्हन बनने से पूर्व

शादी से एक महीना पूर्व अपनी खूबसूरती में निखार लाने हेतु ब्यूटी पार्लर या स्पाक्लिनिक से एपाइंटमेंट ले लें। ध्यान रखें, ऐसे समय में नया पार्लर हरगिज न चुनें। उसी पार्लर का चयन करें, जहाँ आप पहले नियमित रूप से जाती हों।

अपने शरीर को तनावमुक्त बनाए रखने तथा आभा को निखारने हेतु शादी से तिन महीने पूर्व योग और मेडिटेशन कक्षा की सदस्या बनें। इससे आप शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहेंगी और शादी के दिन का सामना करने योग्य हो जाएंगी।

अगर आप पहले से चेहरे की सफाई नहीं करतीं, माइश्चराइजर नहीं लगातीं तो अपने चेहरे व हाथों पर माइश्चराइजर लगाना शुरू करें। इसे कम-से-कम तीन महीने पूर्व शुरू कर लें। शादी के दिन के लिए मुलायम, चिकनी व चमकदार त्वचा का होना जरूरी होता है।

मुलायम, चमकदार व नमीयुक्त त्वचा के लिए सप्ताह में एक बार चेहरे पर स्क्रब का प्रयोग करें। ताजे पानी से चेहरा धो लें और फिर अच्छी किस्म का माइश्चराइजर लगाएं। आप गुलाब या चंदन का तेल भी लगा सकती है।

शादी से पूर्व किसी अच्छे सैलून के परामर्श के अनुसार सप्ताह में एक बार फेशियल करें। ध्यान रखें कि शादी के कुछ दिन पूर्व अपने चेहरे पर नए प्रसाधनों का इस्तेमाल कभी न करें। नया प्रसाधन आपके चेहरे पर दुष्प्रभाव डाल सकता है, इसलिए किसी अच्छे सैलून से परामर्श लेकर ही चेहरे पर फेशियल करें।

अपने पैरों की सफाई पर भी संपूर्ण ध्यान दें, कुछ युवतियाँ हमें अक्सर नजरअंदाज कर देती है, लेकिन जरा सोचिए, आपके खुरदुरे न सख्त पैर जीवनसाथी के शरीर को छुएंगे तो उसे कितना बुरा लगेगा, इसलिए पैरों की सफाई को नजरअंदाज न करें। नियमित रूप से मेनीक्योर व पेडीक्योर करें। अगर घर पर यह सब संभव न हो तो ब्यूटी पार्लर जाएं।

अपने पैरों को गुनगुने पानी में डुबोएं। उन्हें सुखाएं और पैरों के तलों पर चमेली के तेल का मसाज करें। शादी के दो सप्ताह पूर्व इसे हर दूसरे दिन प्रयोग करें। यह आपकी घबराहट को दूर कतरने मेंभी सहायक होगा।

इन दिनों आपके लिए एरोमाथेरेपी और स्वीडिश मसाज भी जरूरी है। एरोमाथेरेपी मसाज से आपके शरीर पर कांति आएगी। साथ ही यह शरीर में विषैले पदार्थों को बाहर निकालकर शरीर को आराम पहुँचाता है। दूसरी तरफ यह आँखों के नीचे के काले घेरों को कम करती है। स्वीडिश मसाज मांसपेशियों को पुष्ट बनाता है तथा त्वचा को मुलायम बनाता है।

इस खास दिन पर सुगंधित पदार्थों का प्रयोग करते समय ध्यान रखें कि ये हल्की-भीनी सुगंध देते हों। अधिक तेज गंधयुक्त पदार्थ इस्तेमाल में न लाएं। इसकी खुशबू आपके जीवनसाथी के दिलोदिमाग में अजीब सा चकराने वाला अहसास पैदा करेगी। दिन के वक्त फलयुक्त हल्के सुगंधित पदार्थों का प्रयोग करें। हाँ, रात के समय आप गुलाब या चंदन की कामोत्तेजक सुगंधों को प्रयोग में ले सकते हैं।

सर्दियों में त्वचा की सुरक्षा

सर्दियों का मौसम अर्थास शुष्क त्वचा। वैसे तो हर मौसम का हमारी कोमल त्वचा पर गहरा प्रभाव पड़ता है पर ठंड का हमारी त्वचा पर कुछ विशेष प्रभाव पड़ता है। त्वचा सूख कर फटने लगती है व खुजली होने लगती है। धूप में बैठना जहां अच्छा लगता है, वहीं धूप से त्वचा झुलस कर सांवली पड़ जाती है।

इस बार की सर्दियों में त्वचा की इन परेशानियों को अलविदा कह दीजिए। मात्र चंद सावधानियों व उपाय अपनाकर आप भी पाएं कमनीय, कोमल और स्निग्ध त्वचा।

- एक बड़ा चम्मच जौ के आटे में चुटकी भर हल्दी एवं थोड़ा सा तिल का तेल मिलाकर उबटन बनाएं। इसे त्वचा पर 10 मिनट तक लगा रहने दें। तत्पश्चात गुनगुने पानी से धो लें। सूखी त्वचा कोमल बन जाएगी।
- संतरे की फांको को 2 बड़े चम्मच पानी में उबाल कर ठंडा करके छान लें और इसे अपनी त्वचा पर 10 मिनट तक लगा रहने दें। तत्पश्चात गुनगुने पानी से स्नान कर लें।
- चीकू के गूदे को 20 मिनट तक त्वचा पर मलें फिर गुनगुने पानी से धो लें। त्वचा अनोखी आभा से खिल उठेगी।
- नींबू का रस, ग्लिसरीन तथा गुलाब जल को बराबर मात्रा में मिलाकर शरीर के खुले भागों में लगाएं। इससे त्वचा चमक उठेगी और त्वचा का फटना भी रूक जाएगा।
- सर्दियों में हमेशा गुनगुने पानी का प्रयोग करें क्योंकि ठंडा पानी त्वचा तक आक्सीजन पहुंचाने में बाधा उत्पन्न करता है।
- त्वचा की खुश्की को दूर करने के लिए गुलाब जल में जैतून के तेल की कुछ बूंदें और थोड़ा-सा कच्चा दूध मिला लें। इसे हल्के हाथों से त्वचा पर मलें। 10 मिनट बाद गुनगुने पानी से स्नान कर लें।
- गाजर तथा टमाटर का रस निकालकर चेहरे पर लगाएं। सूख जाने के बाद गुनगुने पानी से चेहरा धों लें।

त्वचा की करें कुदरती देखभाल

आज हर स्त्री सुंदर दिखने की चाहत रखती है और उसके लिए हर संभव प्रयास भी करती है। इसके लिए वह प्राय: बाजार में उपलब्ध सौंदर्य प्रसाधनों का ही इस्तेमाल करती है। पहले इनकी तुलना में घरेलू सौंदर्य प्रसाधन काफी प्रचलित थे। आज भी कुछ लोगों में वे नुसखे काफी प्रचलित हैं और कारगर साबित होते हैं। उनका कोई विपरीत प्रभाव नहीं होता और वे हर प्रकार की त्वचा के लिए उपयोगी होते हैं। पुराने जमाने में कोई पार्लर या ब्यूटी सैलून नहीं हुआ करते थे। प्राकृतिक वस्तुएं तथा घर की रसोई की खाद्य सामग्री से ही कुछ चीजें सौंदर्य उपचार के काम में इस्तेमाल होती थीं। दरअसल त्वचा तथा बालों की स्वास्थ्य सुरक्षा एवं सौंदर्य वृद्धि के लिए हमारी रसोई में अनंत भंडार भरा पडा होता है। बस जरूरत होती है उनकी सही जानकारी की और उनके इस्तेमाल के सही तरीकों की। इस विषय की अज्ञानता के कारण ही हम बहुत सी अनमोल चीजें घर में छोडकर ब्यूटी पार्लर जाते हैं। यहां आपको बताए जा रहे हैं कुछ ऐसे साधारण से नुसखे हैं जो बेहद उपयोगी हैं आपके लिए और उनके लिए बहुत सी चीजें आपको अपनी रसोई में ही मिल सकती हैं।

ताकि दाग-धब्बे रहें दूर

त्वचा हमेशा स्वस्थ रहे, दाग-धब्बों से मुक्त रहे, बालों में चमक बनी रहे व वे घने व काले बने रहें, इसके लिए हमें थोडी सी मेहनत अवश्य कर लेनी चाहिए। आप क्या करें आइए जानें-

1. चेहरे की सफाई के लिए दूध का इस्तेमाल अच्छा होता है। यदि त्वचा रूखी है तो कच्चे दूध में रुई का फाहा भिगोकर धीरे-धीरे त्वचा की सफाई करें। यह प्रक्रिया दिन में दो-तीन बार दोहराएं। यदि त्वचा तैलीय है तो क्रीम निकले दूध में आठ-दस बूंद नीबू का रस मिलाएं। उसमें रुई का फाहा भिगोकर त्वचा साफ करें, फिर पानी से धो लें।

2. रूखी त्वचा के लिए एक केला मसल कर उसमें शहद मिला लें और उसे चेहरे पर हलके हाथों से धीरे-धीरे ऊपर की ओर मलें। गर्दन पर भी मालिश करना न भूलें। आधे घंटे बाद धो लें। केले में आवश्यक तत्व होते हैं, साथ ही केला पीलिंग एजेंट होता है, जो त्वचा में कसाव लाता है तथा झुर्रियां दूर करता है।

3. तैलीय त्वचा के लिए संतरे, खीरा, अंगूर व टमाटर का रस मिलाकर चेहरे पर लगाएं और आधे घंटे बाद चेहरे को धो लें। इन सब फलों में विटमिन सी व एस्ट्रिंजेंट प्रभाव होने के कारण ये तैलीय त्वचा के लिए उपयुक्त होते हैं।

4. बराबर मात्रा में मिला हुआ संतरे का रस व शहद चेहरे वे हाथों पर लगाने से त्वचा मुलायम रहती है।

5. यदि कोहनियां काली हैं तो नीबू के छिलकों पर थोडी सी शक्कर डालकर कोहनियों पर मलें। इसके उनका कालापन तो दूर होगा ही, वहां की त्वचा मुलायम भी बनेगी।

6. नीबू का छिलका नाखूनों पर भी रगडें। नाखून साफ व मजबूत बनेंगे। नीबू में विटमिन सी प्रचुर मात्रा में रहता है। साथ ही नीबू एक बेहतरीन क्लींजिंग एजेंट का काम करता है।

7. हाथों को कोमल व मुलायम बनाए रखने के लिए दो चम्मच बादाम रोगन, डेढ चम्मच गुलाबजल, आधा चम्मच टिंचर बैंजामिन व एक अंडे की पीली जर्दी मिलाकर पेस्ट बनाएं। फिर उसे हाथों पर मलें। हाथ मुलायम व सुंदर बन जाएंगे।

8. खीरे का रस, नीबू का रस, आलू का रस, आधा चम्मच ग्लिसरीन व थोडा गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर लगाने से पिग्मेंटेशन की समस्या धीरे-धीरे खत्म हो जाती है। चेहरे पर उभर आए दाग-धब्बों के लिए आलू के रस में नीबू की कुछ बूंदें मिलाकर नियमित लगाने से धब्बे हलके पड जाते हैं।

मसाला इडली

सामग्री : 4 इडली, खट्टी-मीठी चटनी, पुदीना चटनी, 1-1 टीस्पून चाट मसाला, गरम मसाला, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार।

विधि : इडली को काट लें। एक फ्राइंगपैन में तेल गरम करें। इडली को सुनहरा होने तक तलें, इसमें नमक, चाट मसाला और गरम मसाला मिलाएं। सर्व करने के पहले डालें और हरी धनिया से सजाकर नारियल चटनी, सांबर और सेजवान सॉस के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। अपने काम पर नजर रखिए। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ढ्ढचता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-1-3-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। यात्रा का योग है। आय के योग बनेंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-7

काकुरो पहेली - 1942

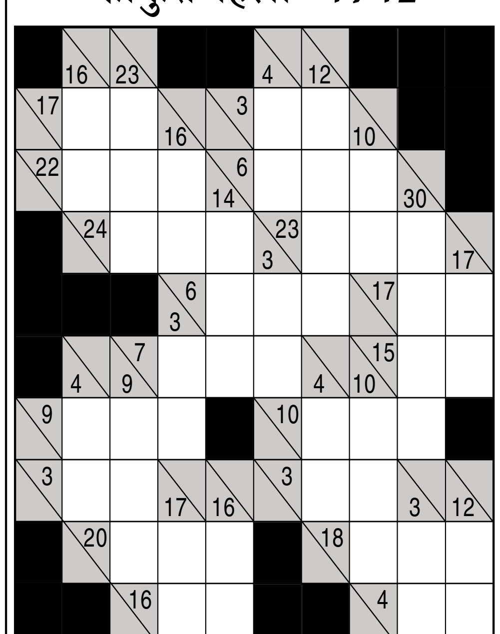

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

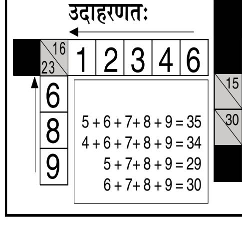

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1941 का हल

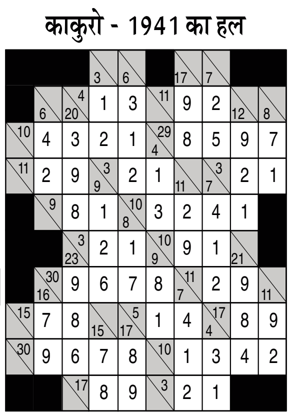

लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

□ □ □

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1942

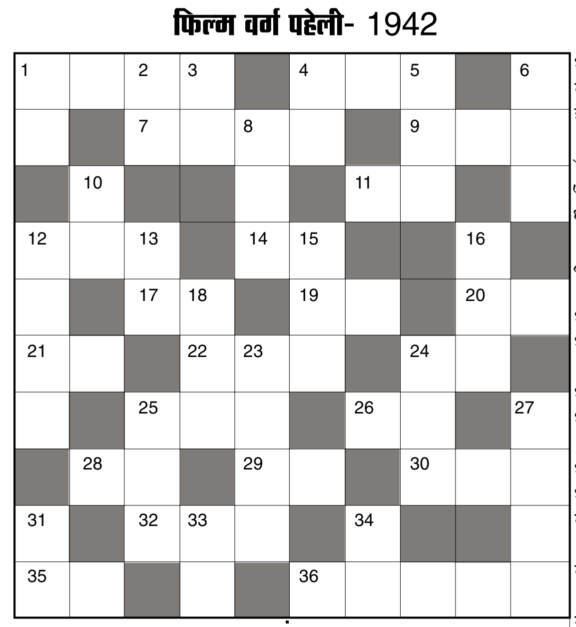

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1941

सूडोकु -1942

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1941 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 1942

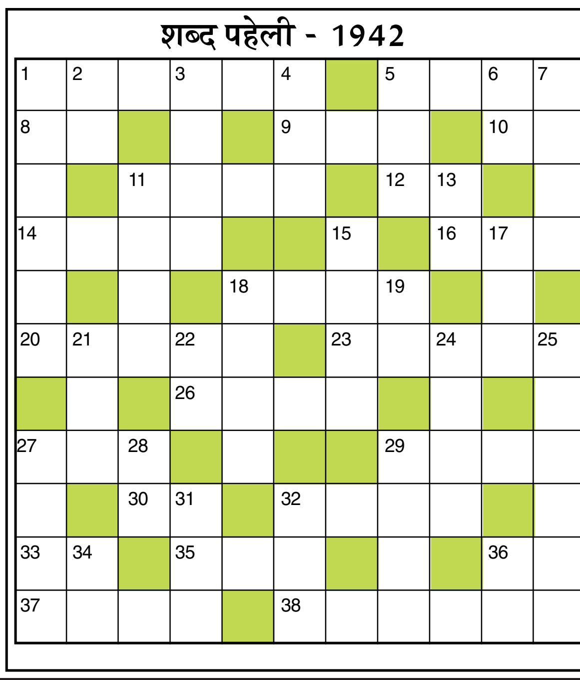

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली - 1941 का हल

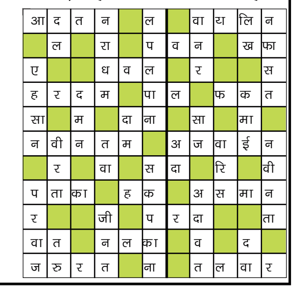

2027 में जीतेंगे, उत्तर प्रदेश में तीसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएंगेः केशव प्रसाद मौर्य

एजेंसी

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव होने में अभी काफी समय है, लेकिन सभी दल अभी से जीत का दावा करने लगे हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य कहा कि भाजपा तीसरी बार यूपी की सत्ता में वापसी करेगी। डिप्टी सीएम ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा सिर्फ वापसी ही नहीं करेगी, बल्कि 2017 का रिकॉर्ड भी ध्वस्त करेगी। इंडी अलायंस को निशाने पर लेते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी गुंडागर्दी और माफिया को बढ़ावा देती है, चुनाव में सहारनपुर से सोनभद्र, गाजियाबाद से गाजीपुर तक उसका सूपड़ा साफ हो जाएगा। कांग्रेस को बूढ़ी पार्टी बताते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी 140 की हो गई, वह बूढ़ी हो चली है। 140 साल पुरानी पार्टी जिसने देश की आजादी की लड़ाई लड़ी, उसने वंदे मातरम के टुकड़े किए, इसके बाद देश के टुकड़े हुए।उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मुद्दाविहीन पार्टी है। कांग्रेस का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं बचा है। लोकसभा चुनाव के दौरान आरक्षण खत्म करने का भ्रम फैलाया है, लेकिन जनता ने तीसरी बार नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताया और तीसरी बार देश में एनडीए की सरकार बनी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की जो स्थिति है वे सिर्फ इतिहास के पन्नों में ही रहेगी।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने भीलवाड़ा में आयोजित बैरवा दिवस सम्मान समारोह में की शिरकत

भीलवाड़ा। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा भीलवाड़ा जिले के नगर निगम सभागार में आयोजित बैरवा दिवस सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए जहाँ उन्होंने विभिन्न प्रतिभाओं का सम्मान किया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए डॉ. बैरवा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे और उनका सपना सामाजिक रूप से समान बनाने का था, जिसे हमें पूरा करना है। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 151 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया, साथ ही नवनियुक्त कर्मचारियों का स्वागत किया गया एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर शाहपुरा विधायक डॉ. लाला राम जी बैरवा और एवं नगर निगम महापौर श्री राकेश पाठक भी उपस्थित रहे।

देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने किए सांवलिया सेठ के दर्शन, प्रदेश की खुशहाली की कामना

चित्तौड़गढ़। पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत चित्तौड़गढ़ जिले के दौरे पर रहे। उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत प्रसिद्ध कृष्णधाम सांवलिया सेठ मंदिर से की। मंदिर पहुंचने पर उन्होंने विधिवत दर्शन किए और भगवान के चरणों में माथा टेककर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसर में शांति और अनुशासन का माहौल रहा तथा श्रद्धालुओं में भी खास उत्साह देखने को मिला। मंत्री जोराराम कुमावत के मंदिर आगमन को देखते हुए प्रशासन की ओर से पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मंदिर परिसर और आसपास पुलिस बल तैनात रहा, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो। दर्शन के बाद मंदिर के पुजारी द्वारा मंत्री कुमावत का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। पुजारी ने उन्हें चरणामृत और तुलसी का पत्ता दिया गया। इसके बाद उपरणा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। पूरे कार्यक्रम में धार्मिक परंपराओं का विशेष ध्यान रखा गया और सभी रस्में सादगी के साथ निभाई गईं। इस दौरान देवस्थान मंत्री कुमावत ने इन दिनों श्रद्धालुओं की लगातार बढती भीड़ को देखते हुए सुरक्षा-व्यवस्था माकूल रखने के भी निर्देश दिए। सुमेरपुर से सांवलिया जी पहुंचे मंत्री जोराराम मंत्री जोराराम कुमावत सुमेरपुर से सीधे सांवलिया सेठ मंदिर पहुंचे थे। उनके साथ समर्थक और स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। मंत्री ने मंदिर में दर्शन के बाद कुछ समय रुककर मंदिर व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। दर्शन के बाद मंत्री जोराराम कुमावत मेवाड़ कुमावत समाज के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हुए। इस कार्यक्रम में समाज के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

बाबरी मस्जिद बनाना मेरा हक, मैं किसी से डरने वाला नहीं हूंः हुमायूं कबीर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज है। इस बीच टीएमसी से निष्कासित और भरतपुर से विधायक हुमायूं कबीर ने अपनी नवगठित जनता उन्नयन पार्टी के बैनर तले 182 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। अब हुमायूं कबीर ने बात करते हुए कई सवालों के जवाब दिए। कुछ लोगों ने तो 33 साल पहले ही विवादित ढांचे को तोड़ दिया है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया, उसमें ऐसा कुछ नहीं बताया गया है कि किसी जमीन पर मस्जिद नहीं बनेगी। कोर्ट ने मस्जिद को दूसरी जगह बनाने के लिए 5 एकड़ जमीन भी दे दी है, लेकिन वहां पर मुसलमानों की ज्यादा आबादी नहीं है, इसलिए वहां पर मस्जिद नहीं बन पाई। पश्चिम बंगाल में 37 प्रतिशत, जबकि मुर्शिदाबाद में 72 प्रतिशत आबादी है, ऐसे में यहां पर बाबरी मस्जिद बनने से किसी को क्या तकलीफ हो सकती है? मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि मस्जिद बनाना मेरा हक है। अपने बच्चे का कोई क्या नाम रखे, उससे दूसरे को क्या तकलीफ होनी चाहिए? कुछ लोग भड़काने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह भड़काने वाली कोई चीज नहीं है। किसी को डराना नहीं चाहिए। मैं भी इससे डरने वाला नहीं हूं। मैंने एक कंपनी को मस्जिद बनाने की जिम्मेदारी सौंप दी है। मस्जिद का क्या स्ट्रक्चर होगा, सरकार से कैसे मंजूरी लेनी है, उन सभी चीजों के लिए कार्य चल रहा है। इसमें एक महीने का समय लगेगा। मेरी कोशिश है कि 15 फरवरी से पहले यह शुरू हो जाए।

प्रधानमंत्री मोदी के स्मार्ट पुलिसिंग विजन को जीवन का मूलमंत्र बनाएं पुलिसकर्मीः सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रत्येक पुलिस अधिकारी और कर्मी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्मार्ट पुलिसिंग विजन को अपने जीवन का मूलमंत्र बनाना चाहिए। सीएम योगी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सम्मेलन 'पुलिस मंथन-2025' को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को स्मार्ट पुलिसिंग का विजन दिया है। सख्त और संवेदनशील, आधुनिक और गतिशील, सतर्क और जवाबदेह, विश्वसनीय और उत्तरदायी, तकनीक-प्रेमी और प्रशिक्षित... प्रत्येक पुलिस अधिकारी और कर्मी को इसे अपने जीवन का मूलमंत्र बनाना चाहिए। उन्होंने राज्य में कानून का शासन स्थापित करने के लिए यूपी पुलिस को बधाई देते हुए कहा कि कानून के शासन के कारण ही देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य के नागरिक पहले की असुरक्षा की भावना

की तुलना में सुरक्षा की भावना का आनंद ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून के इस शासन को कायम रखने और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें खुद को अपडेट करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय सम्मेलन में हुई चर्चाएं प्रधानमंत्री मोदी के 'स्मार्ट पुलिसिंग' और 'विजन 2047, विकसित और आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्यों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किस प्रकार की आधुनिक, संवेदनशील और प्रभावी पुलिस व्यवस्था की आवश्यकता है? इस दिशा में पिछले दो दिनों में तैयार किया गया रोडमैप अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस सम्मेलन को एक स्थायी मंच बनाने के लिए हर साल आयोजित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लगभग 55 वक्ताओं द्वारा 11 सत्रों के माध्यम से प्रस्तुत किए गए विचार, अनुभव और सुझाव उत्तर प्रदेश पुलिस को अधिक आधुनिक, संवेदनशील, प्रौद्योगिकी-सक्षम और जनविश्वास पर आधारित बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे। मुख्यमंत्री ने इस सार्थक आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी पुलिस कर्मियों को बधाई दी। उन्होंने राज्य के पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को 'मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार' से भी सम्मानित किया।

पश्चिम बंगाल में एक और बीएलओ ने की आत्महत्या, टीएमसी ने चुनाव आयोग को ठहराया जिम्मेदार

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले के रानीबांध विधानसभा क्षेत्र में एक और बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) ने आत्महत्या कर ली। जिला राजकाटा इलाके के एक स्कूल के क्लासरूम से बीएलओ का लटका हुआ शव बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पेशे से प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक हरधन मंडल ने आत्महत्या की है। मौके से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है। नोट में शिक्षक ने विशेष गहन पुनरावलोकन (एसआईआर) अभ्यास के कारण अत्यधिक कार्यभार का जिक्र किया है। सूचना मिलते ही रानीबांध पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए बांकुरा सम्मिलानी मेडिकल कॉलेज भेज दिया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, हरधन मंडल बांकुरा के राजकटा मझेरपारा प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक थे। उन्हें बांकुरा के रानीबांध विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 206 के लिए बीएलओ (उपदेशक कार्यालय) की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। उन्हें अपने बूथ के कुछ मतदाताओं के संबंध में सुनवाई के लिए बुलाया गया था। वे इन मतदाताओं के दस्तावेज लेने के लिए सुबह करीब 10 बजे घर से निकले थे। जब वे काफी देर तक वापस नहीं लौटे, तो उनके परिवार वाले चिंतित हो गए।

बाद में, उनके परिवार वाले उन्हें ढूंढते हुए विद्यालय गए। उन्होंने हरधन का शव कक्षा में छत के पंखे से रस्सी से लटका हुआ पाया। घटनास्थल से एक आत्महत्या पत्र बरामद हुआ।

पुलिस के अनुसार, पत्र में लिखा था, 'मैं अब और दबाव सहन नहीं कर सकता। अलविदा। इसके लिए मैं जिम्मेदार हूं।

कवयित्री जसिन्ता केरकेट्टा को मिला 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान'

एजेंसी

बेंगलुरु। दक्षिण भारत की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था 'शब्द' की ओर से झारखंड की कवयित्री जसिन्ता केरकेट्टा को एक लाख रुपये का प्रतिष्ठित 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' प्रदान किया गया। यह सम्मान बेंगलुरु में आयोजित संस्था के 28वें वार्षिकोत्सव-सह-पुरस्कार अर्पण समारोह में प्रदान किया गया। इस अवसर पर दक्षिण भारत में हिन्दी की सेवा के लिए 25 हजार रुपये का 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं बेंगलुरु विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अवकाश प्राप्त प्रो. टीजी प्रभाशंकर प्रेमी को दिया गया। सम्मान के रूप में नकद राशि के अलावा अंगवस्त्रम, स्मृति चिह्न, प्रशस्ति फलक एवं श्रीफल भी भेंट किए गए। 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' ग्रहण करते हुए झारखंड की कवयित्री केरकेट्टा ने कहा कि रचनाकार में और खास तौर पर स्त्री रचनाकार में अपने लोक की समझ और अस्मिता का बोध एवं अभिमान का भाव होना बहुत जरूरी है। शब्द संस्था ने अपना प्रतिष्ठित 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' मुझे प्रदान कर आदिवासी अस्मिता और हाशिये की कविता को सम्मानित किया है।

शिक्षाविद डॉ टीजी प्रभाशंकर प्रेमी ने 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' ग्रहण करते हुए कहा कि संस्कृतियों के टकराव के आज के दौर में प्रेम और पारस्परिकता का विकास करना नया नागरिक धर्म हो

गया है। भाषा में संस्कृति बोलती और अभिरक्षित रहती है, इसलिए हर वक्ता समाज अपनी भाषा के प्रति संवेदनशील होता है, लेकिन ध्यान रहे कि भारत की बहुभाषिकता विविधता में एकता को संबल देती है। समारोह में मुख्य अतिथि प्रख्यात विचारक और यूनेस्को में भारत के पूर्व सांस्कृतिक दूत चिरंजीव सिंह ने कहा कि साहित्य जीवन का प्रकाश है और कविता मानव सभ्यता की उत्कर्ष गाथा। सच्चा साहित्य वही है, जिसमें जीवन स्पंदित होता है। हमारी श्रेष्ठतम अभिव्यक्ति कविता में संचित मिलती है, इसलिए जिंदा कौमें अपने कवि का कायल होती हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में संस्था के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि शब्द के पुरस्कारों का ध्येय साहित्य और साहित्यकार को समाज के विचार-केंद्र में लाना और समादृत करना है। दक्षिण का यह प्रयास उत्तर में नवाचार को सशक्त करने में सफल हुआ तो हम भारत भाव को मजबूत करने का अपना उद्यम सफल मानेंगे। 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' समाजसेवी और अज्ञेय साहित्य के मर्मज्ञ बाबूलाल गुप्ता के फाउंडेशन के सौजन्य से तथा 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' बेंगलूरु एवं चेन्नई से प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के सौजन्य से प्रदान किए जाते हैं।

महाराष्ट्र एएनटीएफ ने बेंगलुरु से 55 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त किया, चार गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने बेंगलुरु में घरों से चल रही तीन अवैध मेफेड्रोन (एमडी) नामक मादक पदार्थ बनाने वाली फैक्ट्ररियों पर छापा मारकर 55 करोड़ रुपये से ज़्यादा की करीब 21 किलो ड्रग्स ज़ब्त किया है। महाराष्ट्र पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की छानबीन महाराष्ट्र एएनटीएफ की टीम कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे अधिकारी ने बताया कि एएनटीएफ कोंकण की टीम नवी मुंबई के वाशी इलाके स्थित पुराने बस स्टाप के पास से मादक पदार्थ सहित अब्दुल कादिर राशिद शेख को गिरफ्तार किया था। अब्दुल कादिर के पास से 1.48 करोड़ रुपये की 1.48 किलो मेफेड्रोन बरामद की गई थी। इसके बाद एएनटीएफ ने इस मामले की छानबीन शुरु किया। शेख से पूछताछ के बाद एएनटीएफ कोंकण टीम बेलगाम के रहने वाले प्रशांत यल्लप्पा पाटिल तक पहुंची, जिस पर ड्रग बनाने का शक था। पाटिल को ट्रैक करके गिरफ्तार किया गया, और पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि ड्रग बेंगलुरु में तीन अस्थायी फैक्ट्ररियों में बनाई जा रही थी। इसके बाद पुलिस ने दो और

लोगों, सुरेश रमेश यादव और मलखान रामलाल बिश्नोई को गिरफ्तार किया, दोनों राजस्थान के रहने वाले हैं। दोनों ने कबूल किया कि वे मादक पदार्थ बनाने और बांटने में शामिल थे। इन दोनों से मिली जानकारी के आधार पर एएनटीएफ की टीम ने बंगलुरु के गोलाहल्ली , स्पंदना और येरपनहल्ली कन्नूर इलाके में स्थित घरों में तीन ड्रग फैक्ट्रियों पर छापा मारकर 4.1 किलो एमडी ड्रग पावडर और 17.3 किलो लिक्विड रूप में, साइकोट्रॉपिक पदार्थ बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई केमिकल और इसे बनाने के लिए ज़रूरी उपकरण जब्त किया। शुरुआती जांच से पता चलता है कि इन यूनिट्स में बनी ड्रग्स देश के कई हिस्सों में सप्लाई की जाती थी। पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपितों ने ड्रग तस्करी से कमाए पैसे बेंगलुरु में प्रॉपर्टी में लगाए थे। इस रैकेट में दो और संदिग्धों की पहचान की गई है और उन्हें ढूंढने और गिरफ्तार करने के लिए टीमें भेजी गई हैं। एएनटीएफ प्रमुख शारदा राउत ने नागरिकों से अपील की है कि अगर उन्हें ड्रग्स तस्करी के बारे में कोई जानकारी मिलती है, तो वे स्पेशल टास्क फोर्स के नंबर - 07218000073 पर संपर्क करें।

लोकतंत्र पर संकट, मनरेगा और अरावली को बचाने की लड़ाई तेज होगीः डोटासरा

एजेंसरी

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाया है कि केंद्र और राज्य में सत्तारूढ़ सरकारें लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही हैं और आम नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों पर लगातार अंकुश लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में लागू जनकल्याणकारी कानूनों और योजनाओं को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे गरीब, किसान और श्रमिक वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है।

डोटासरा कांग्रेस स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों को मिला काम का अधिकार छीना जा रहा है और अब यह तय करने का अधिकार केंद्र अपने हाथ में लेना चाहती है कि किस राज्य या जिले में रोजगार दिया जाएगा। उन्होंने इसे राजनीतिक भेदभाव का माध्यम बताते हुए कहा कि विपक्ष शासित राज्यों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है।उन्होंने राज्य सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है और डबल इंजन की सरकार भ्रष्टाचार को रोकने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। आमजन के रोजमर्रा के काम तक नहीं हो पा रहे हैं और पूरी व्यवस्था भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। अरावली पर्वतमाला को लेकर डोटासरा ने कहा कि इसकी नई परिभाषा गढ़कर खनन को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है, जो प्रदेश के पर्यावरण और भविष्य के लिए घातक है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अरावली को नुकसान पहुंचा तो रेगिस्तान का विस्तार होगा, वर्षा प्रभावित होगी और प्रदेश में जल संकट और गहराएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मनरेगा में रोजगार के अधिकार और अरावली पर्वतमाला की रक्षा को लेकर प्रदेशभर में जनजागरण अभियान चला रही है। जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर तक पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर सरकार की नीतियों के खिलाफ जागरूकता फैला रहे हैं। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर 5 जनवरी से देशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसमें राजस्थान कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ भाग लेगी। डोटासरा ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर लोकतंत्र और आमजन के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करें। इस अवसर पर जयपुर स्थित राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय पर पार्टी का ध्वज फहराया गया और एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी और कांग्रेस नेता सुनील शर्मा ने भी अपने विचार रखे। सगोष्ठी में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन ने की अपील, 5 जनवरी तक वृंदावन आने से करें परहेज

एजेंसी

मथुरा। बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन की तरफ से भक्तों के लिए अपील जारी की गई है। इस अपील में निवेदन किया गया है कि नए साल के अवसर पर भीड़ अधिक हो सकती है, इसलिए यदि संभव हो तो 5 जनवरी तक वृंदावन आने से परहेज करें। बांके बिहारी मंदिर की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि नववर्ष के अवसर पर मंदिर और आसपास के क्षेत्र में बढ़ने वाले दर्शनार्थियों की भीड़ और होने वाली असुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए 29 दिसंबर 2025 से 5 जनवरी 2026 तक यदि संभव हो तो वृंदावन आने से परहेज करें; अति आवश्यक होने पर ही यात्रा कार्यक्रम बनाए। इसके साथ ही सभी बाहर से आने वाले दर्शनार्थियों से अनुरोध है कि वे वृंदावन आने से पहले स्थिति का आंकलन जरूर कर लें। संभव हो तो इस दौरान यात्रा से परहेज करें। इसके साथ ही कहा गया है कि श्रद्धालु अपने साथ किसी भी प्रकार का बैग अथवा कीमती सामान न लाएं। मंदिर में अनावश्यक समस्याओं से बचने के लिए निर्धारित प्रवेश और निकास मार्ग का ही प्रयोग करने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर की जा रही घोषणाओं को ध्यानपूर्वक सुनने और उनका पालन करने की सलाह दी गई है।

मंदिर की तरफ से जारी पत्र में कहा गया है कि मंदिर में आने-जाने का रास्ता और गेट अलग-अलग रहेंगे। अनावश्यक समस्याओं से बचने हेतु श्रद्धालु जूता, चप्पल पहनकर मंदिर की तरफ न आएं। जूता और चप्पल की व्यवस्था मंदिर की तरफ से मंदिर से जुड़ने वाले सभी मुख्य मार्गों पर की गई है।

यूरोप-अफ्रीका से मध्यप्रदेश पहुंचे प्रवासी पक्षी, गुलजार हुआ नौरादेही टाइगर रिजर्व

एजेंसी

सागर। इस वर्ष सर्दियों की शुरुआत के साथ ही मध्य प्रदेश के सागर जिले स्थित नौरादेही टाइगर रिजर्व एक बार फिर प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट से गूंज उठा है। करीब 5651 किलोमीटर का लंबा और कठिन सफर तय कर यूरोप, अफ्रीका और अन्य ठंडे देशों से आए हजारों प्रवासी पक्षी यहां पहुंच चुके हैं। इन विदेशी मेहमानों की मौजूदगी से नौरादेही की झीलें, नदियां और जंगल प्राकृतिक सौंदर्य से भर उठे हैं। वन विभाग के अनुसार, इस वर्ष नौरादेही क्षेत्र में 150 से अधिक प्रजातियों के प्रवासी पक्षी देखे जा रहे हैं। इनमें लेसर व्हिसलिंग डक (Lesser Whistling Duck) सहित कई दुर्लभ प्रजातियां शामिल हैं। हर साल कड़ाके की ठंड और बर्फबारी से बचने के लिए ये पक्षी भारत जैसे गर्म और सुरक्षित क्षेत्रों का रुख करते हैं। नौरादेही टाइगर रिजर्व मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है। यहां की उष्णकटिबंधीय जलवायु प्रवासी पक्षियों के लिए बेहद अनुकूल मानी जाती है। जहां उत्तरी देशों में सर्दियों के दौरान तापमान शून्य से नीचे चला जाता है, वहीं नौरादेही में जनवरी का

मौसम अपेक्षाकृत सुखद रहता है। पर्याप्त भोजन, सुरक्षित वातावरण और जलस्रोतों की उपलब्धता के कारण यह क्षेत्र पक्षियों के लिए आदर्श ठिकाना बनता जा रहा है। सर्दियों में छेवला तालाब, जगरासी खेड़ा तालाब, बमनेर नदी और व्यारमा नदी प्रवासी पक्षियों के प्रमुख आश्रय स्थल बन जाते हैं। सुबह और शाम के समय इन इलाकों में पक्षियों की कलरव मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करता है। वन अधिकारियों का कहना है कि कई प्रवासी पक्षी केवल सर्दी बिताने ही नहीं आते, बल्कि नौरादेही में अपना प्रजनन काल भी पूरा करते हैं। यहां अंडे देना और बच्चों का पालन-पोषण करना इस बात का संकेत है कि यह क्षेत्र उनके लिए पूरी तरह सुरक्षित है। इसके अलावा नौरादेही क्षेत्र में चल रही विस्थापन प्रक्रिया के कारण कुछ गांव खाली हो रहे हैं। इन गांवों के आसपास बने जलस्रोत अब प्रवासी पक्षियों के नए ठिकानों के रूप में उभर रहे हैं, जिससे क्षेत्र की जैव विविधता और अधिक समृद्ध हो रही है।

समुद्री सीमा पार करने के आरोप में श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के तीन मछुआरों को गिरफ्तार किया

एजेंसी

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना ने तड़के इंटरनेशनल मैरीटाइम बाउंड्री लाइन (आईएमबीएल) पार करने के आरोप में तमिलनाडु के तीन मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया। ये मछुआरे रामनाथपुरम जिले के मंडपम के रहने वाले थे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मछुआरे रोजाना की तरह मछली पकड़ने निकले थे, तभी श्रीलंकाई नौसेना के जवानों ने उनकी नाव (मशीनी नाव) को रोक लिया और आरोप लगाया कि वह श्रीलंकाई समुद्री सीमा में घुस गई थी। इसके बाद मछुआरों को हिरासत में ले लिया गया और उनकी जब्त नाव के साथ आगे की पूछताछ के लिए उत्तरी श्रीलंका के कांकेसंतुरई नौसैनिक कैंप में ले जाया गया। इस ताजा गिरफ्तारी से रामनाथपुरम और आस-पास के तटीय जिलों में मछली पकड़ने वाले समुदायों में चिंता फैल गई है, जहां परिवार अपनी रोजी-रोटी के लिए लगभग पूरी तरह से गहरे समुद्र में मछली पकड़ने पर निर्भर हैं।

झारखंड दौरे पर पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मू, रांची में राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

एजेंसरी

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड के तीन दिवसीय दौरे पर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ सहित कई प्रमुख लोगों ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उन्हें स्मृति चिह्न प्रदान किया। इसके करीब 25 मिनट बाद राष्ट्रपति मुर्मू का काफिला लोकभवन पहुंचा। राष्ट्रपति यहां रात्रि विश्राम करेंगी। वह 29 और 30 दिसंबर को जमशेदपुर और गुमला में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राष्ट्रपति मुर्मू के स्वागत की तस्वीरें सोशल मीडिया प?लेटफॉर्म एक?स पर साझा करते हुए लिखा, 'झारखंड की वीर भूमि में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का हार्दिक अभिनंदन, स्वागत और जोहार।' एयरपोर्ट के बाद लोकभवन पहुंचने पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उनकी अगवानी की। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए लिखा,

'राष्ट्रपति, लोक भवन, रांची में आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है। आपके आगमन से संपूर्ण लोक भवन परिवार में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण व्याप्त है।'

वह झारखंड के राज्यपाल के रूप में छह साल तक इसी लोकभवन (राजभवन) में रही हैं। उनका यहां कई गणमान्य लोगों और राजभवन के कर्मियों से औपचारिक मुलाकात का भी कार्यक्रम है। 29 दिसंबर को राष्ट्रपति सुबह 9.45 बजे लोकभवन से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगी और वहां से जमशेदपुर रवाना होंगी। राष्ट्रपति का विमान सोनारी एयरपोर्ट पर उतरेगा, जहां से वे सड़क मार्ग से जमशेदपुर के करनडीह स्थित जाहेरथान (आदिवासियों का पूजा स्थल) पहुंचकर शीश नवाएंगी। इसके बाद वह संथाली भाषा की ओलचिकी लिपि के शताब्दी वर्ष समारोह के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।

ऑल इंडिया संथाली राइटर्स एसोसिएशन के महासचिव रवींद्रनाथ मुर्मू के अनुसार, राष्ट्रपति इस कार्यक्रम में मंच से ओलचिकी लिपि के संरक्षण, संवर्द्धन और प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 12 व्यक्तियों को सम्मानित करेंगी। कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी मंच साझा करेंगे। इस समारोह में देशभर से करीब 800 प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। उसी दिन राष्ट्रपति जमशेदपुर स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में आयोजित 15वें दीक्षा समारोह को भी संबोधित करेंगी। दोनों कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद राष्ट्रपति शाम साढ़े चार बजे रांची लौट आएंगी और लोकभवन में रात्रि विश्राम करेंगी।

आंध्र प्रदेशः टाटा-एर्नाकुलम एक्सप्रेस में लगी भीषण आग, दो डिब्बे जलकर खाक

एजेंसी

अनकापल्ली। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में टाटा नगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 18189) में भीषण आग लगने की घटना सामने आई। ट्रेन में आग लगने के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। यह हादसा उस समय हुआ जब ट्रेन टाटानगर से एर्नाकुलम की ओर जा रही थी। आग लगने से ट्रेन के बी1 और एम2 कोच पूरी तरह जलकर खाक हो गए। घटना के बाद सुरक्षा के मद्देनजर ट्रेन को एलामंचिली रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और दमकल की चार गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया। आसपास के कोचों में सवार यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस हादसे में बी1 कोच में एक यात्री के फंसे होने की आशंका जताई गई थी। बाद में, मृतक की पहचान चंद्रशेखर (70) के रूप में हुई है, जो विजयवाड़ा के रहने वाले थे। अधिकारियों ने मृतक के परिजनों को

घटना की सूचना दे दी है। एक रेलवे पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस घटना की सूचना सबसे पहले येलामंचिली के पास एक रेलवे पॉइंट के पास लोको पायलटों ने दी, जिसके बाद ट्रेन को तुरंत स्टेशन पर रोक दिया गया। रेलवे की मुख्य जनसंपर्क अधिकारी नुसरत की ओर से इस घटना के संबंध में एक प्रेस नोट जारी कर बताया गया कि अनकापल्ली जिले में एर्नाकुलम एक्सप्रेस में आग लगने की घटना घटी है। इस हादसे में बी1 और एम2 कोच पूरी तरह से जल गए।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी में एक व्यक्ति के बी1 कोच में फंसे होने की आशंका सामने आई थी। हालांकि, मौके पर मौजूद रेलवे और पुलिस अधिकारियों ने साफ किया कि अभी तक किसी की मौत की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस मामले में जांच अभी जारी है। प्रेस नोट में आगे कहा गया कि रेलवे और पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

मंधाना ने 10,000 रन पूरे कर मिताली का रिकार्ड तोड़ा

सबसे अधिक छक्के लगाने वाली खिलाड़ी भी बनी

त्रिवेंद्रम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट की अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने यहां श्रीलंका के खिलाफ हुए चौथे टी20 मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान दो बड़े रिकार्ड भी अपने नाम किये है। इस मैच में मंधाना ने अपनी 80 रनों की पारी के दौरान ही 10,000 रन पूरे किये। वहीं मंधाना ये आंकड़ा सबसे तेजी से हासिल करने वाली पहली क्रिकेटर बन गई हैं। मंधाना ने जैसे ही अपने 27 रन बनाये वह 10000 रन बनाने वाली क्रिकेटर बन गयीं। महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतने रन बनाने वाली वह चौथी खिलाड़ी है। इससे पहले भारत की मिताली राज, न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स और इंग्लैंड की शार्लोट एडवर्ड्स ने ही इतने रन बनाये थे।

इसी के साथ ही मिताली राज का सबसे तेज 10000 रनों का रिकार्ड भी टूट गया। मंधाना ने अपने दस हजार रन 281 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बनाये जबकि मिताली ने ये रन 291 मैचों में बनाये थे। इसी के साथ वह महिला क्रिकेट में सबसे तेजी से 10,000 रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। वहीं इस मैच में तीन छक्के लगाते ही उनके कुल 78 छक्के हो गये हैं और वह सबसे अधिक छक्के लगाने वाली भारतीय खिलाड़ी बन गयी है। इससे पहले भारत की ओ से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 186 ञ20ढ्ढ मैचों में कुल 78 छक्के लगाए थे। हरमनप्रीत ने 186 टी20 मैचों में कुल 78 छक्के लगाए थे। वहीं मंधाना ने केवल 157 टी20ढ्ढ मैचों में ही 80 छक्के लगा दिये। इससे वह भारतीय महिला टी20 क्रिकेट में छक्के लगाने के मामले में शीर्ष पर पहुंच गयी हैं।

ग्लोब सॉकर अवार्ड्स 2025: रोनाल्डो को बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर अवार्ड, पीएसजी को मिले कई अवार्ड

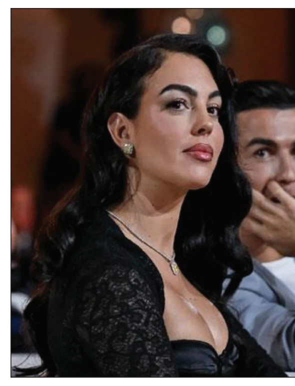

दुबई (एजेंसी)। सऊदी प्रो लीग क्लब में अल-नसर टीम की ओर से खेल रहे पुर्तगाल के स्टार फुटबॉल क्रिस्टियानो रोनाल्डो को ग्लोब सॉकर अवार्ड्स 2025 के दौरान बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर का अवार्ड दिया गया है। इस अवसर पर खुशी जताते हुए रोनाल्डो ने कहा कि इस खेल के प्रति उनकी दीवानगी बनी हुई है। उनका लक्ष्य अभी अपने करियर में 1,000 गोल दागना है।

यह अवार्ड सऊदी प्रो लीग क्लब में उनका प्रभाव दिखाता है क्योंकि उन्हें लगातार दूसरे साल ये समान मिला है।

रोनाल्डो ने हाल ही में अल नसर की ओर से दो गोल दागकर अपने क्लब और पुर्तगाल की ओर से कुल गोल की संख्या 956 तक पहुँचा दी है। ऐसे में अब वह एक या दो साल में 1,000 गोल का लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

रोनाल्डो ने अवार्ड लेते समय कहा, बढ़ती उम्र में खेलना कठिन है पर मैं प्रेरित हू। मेरा जुनून अभी भी बना हुआ है और मैं खेल जारी रखना चाहता हू। चाहे मैं मध्य पूर्व में खेलूं या यूरोप में, मुझे हमेशा फुटबॉल खेलना पसंद है।

इस खिलाड़ी ने कहा कि उनका ध्यान अभी भी ट्रॉफी जीतने पर है और लक्ष्य को हासिल करने के लिए वह पूरी मेहनत कर रहे हैं। साथ ही कहा कि अगर वह फिट रहे तो 1000 गोल का लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

इस अवार्ड समारोह में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के खिलाड़ी छाये रहे। उसके खिलाड़ी उस्माने डेम्बेले को सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी,वहीं एटाना बॉनमाटे को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का अवार्ड दिया गया। वहीं पीएसजी के ही लुइस एनरिके को सर्वश्रेष्ठ कोच, विटिंहा को सर्वश्रेष्ठ बेस्ट मिडफील्डर, लामिने यमाल को सर्वश्रेष्ठ फारवर्ड व डेज़्री डाउ को सर्वश्रेष्ठ इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला।

रोहित और विराट इस कारण विजय हजारे ट्रॉफी के तीसरे दौर में नहीं उतरे

मुम्बई (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी के तीसरे दौर के मुकाबल सोमवार से शुरु हुए हालांकि इसमें अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहजी और रोहित शर्मा नहीं उतरे। विराट और रोहित ने शुरुआती दोनो ही दौर में दिल्ली और मुंबई की ओर से खेला था। दिल्ली तीसरे दौर के मैच में सौराष्ट्र, वहीं मुंबई की टीम छत्तीसगढ़ के खिलाफ उतरी।

विराट ने दिल्ली के लिए अपने दो मैचों में काफी रन बनाये। आंध्र प्रदेश के खिलाफ उन्होंने 131 जबकि गुजरात के खिलाफ 77 रन बनाये। दूसरी ओर रोहित शर्मा ने सिक्किम के खिलाफ 155 रन बनाये पर उत्तराखंड के खिलाफ वह शून्य पर ही आउट हो गये।

रोहित और विराट इस मैच में खेलने इसलिए नहीं उतरे क्योंकि शुरुआत में ही दोनो ने दो-दो मैच खेलने की बात कही थी। दोनो को ही क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा था। इन दोनों दिग्गजों ने केवल दो मैचों खेलने पर सहमति दी थी जो पूरे हो गये, इसलिए ये तीसरे मैच में नहीं उतरे।

ये अब विराट और रोहित पर निर्भर करता है कि वो इस टूर्नामेंट में आगे खेलते है या नहीं। अगले साल की शुरुआत में 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम को 3 मैचों की घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेलनी है, ऐसे में अगर ये दोनो ही विजय हजारे ट्रॉफी के और मैचों में खेलते हैं तो इन्हें अभ्यास का अच्छा अवसर मिल सकता है। इसी को देखते हुए कोहली 6 जनवरी को रेलवे के खिलाफ होने वाले मुकाबले में दिल्ली की ओर से खेल सकते हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित के अब विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की ओर से आगे खेलने की संभावना नहीं है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या को न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया जा सकता है हालांकि ये दोनो टी20 सीरीज में खेलेंगे जिससे 2026 टी20 विश्व कप के लिए लय हासिल कर लें। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद भारतीय टीम सीधे ही विश्वकप में उतरेगी। ऐसे में बुमराह और पंड्या के सभी पांच मुकाबले खेलने की संभावना है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम आज श्रीलंका के खिलाफ क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी

तिरुवनंतपुरम (केरल) (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ यहां होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच को जीतकर सीरीज 5-0 से अपने नाम करने उतरेगी । भारतीय टीम ने शुरुआती चार मैचों को जिस प्रकार आसानी से जीता है। उससे ये मुश्किल नजर नहीं आ रहा है। अब वह अंतिम मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन को आंकने का अवसर भी टीम प्रबंधनक को मिल रहा है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, 'यह सीरीज अब तक काफी अच्छी रही है। पिछले विश्व कप के बाद से ही हमने इसी बात पर बात की थी कि हमें अपने स्तर को ऊपर उठाना होगा और टी20 में सफल होने आक्रामक रुख अपनाना होगा।

इस सीरीज में अब तक भारतीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पिछले मैच में शैफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने अर्धशतक लगाये थे। वहीं गेंदबाजों वैष्णवी शर्मा और अरुंधति रेड्डी को 2-2 विकेट मिले।

ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। वैष्णवी शर्मा और अरुंधति रेड्डी को 2-2 विकेट मिले।

भारतीय टीम को हालांकि अपने क्षेत्ररक्षण को बेहतर बनान होगा। वह अभी तक इस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। पिछले मैच में भी उसने विरोधी टीम के कैच और स्टंपिंग के अवसर खोये।

तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने एक साल बाद इस वापसी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं दीप्ति शर्मा भी अच्छा प्रदर्शन करती आयी हैं। स्पिनर वैष्णवी ने अभी तक सीरीज में 5.73 की इकॉनमी रेट से चार विकेट लिए हैं जबकि बल्लेबाजी में शेफाली ने अब तक चार मैचों में तीन अर्धशतक बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 185.82 का है।

मंधाना के अच्छे फार्म में होने से भी टीम को लाभ हुआ है। इस बल्लेबाज ने चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 48 गेंद पर 80 रन बनाए और वह अपनी इस लय को बरकरार रखने का प्रयास करेंगी। शेफाली और मंधाना ने चौथे मैच में आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए केवल 92 गेंदों में ही तेजी से 162 रन बनाये थे। ये महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत की तरफ से पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही है। वहीं चौथे मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा और उसने केवल 16 गेंदों में नाबाद 40 रन बनाकर इस फैसले को सही करार दिया। अब तक इस सीरीज में पहले तीन मैचों में गेंदबाज हावी रहे और कम स्कोर बने पर चौथे मैच में बल्लेबाज छाये रहे। भारतीय टीम ने जहां 221 रन बनाये। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने भी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 191 रन बना दिये। इससे तय है कि पांचवें मैच में टक्कर अच्छी होगी। मेहमान टीम श्रीलंका का लक्ष्य इस मैच को जीतकर क्लीन स्वीप से बचना रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

श्रीलंका : चमारी अटापट्टू (कप्तान), हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा।

विजय हजारे ट्रॉफी : गोवा के खिलाफ मैच में खेलते नजर आयेंगे यशस्वी

नई दिल्ली । युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अब विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में बल्लेबाजी करते दिखेंगे। यशस्वी शार्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली मुंबई टीम की ओर से 31 दिसंबर को गोवा के खिलाफ मैच में खेलते हुए नजर आयेंगे। मुंबई क्रिकेट संघ के एक अधिकारी के अनुसार यशस्वी पेट की तखलीफ के कारण शुरुआती दो मैचों से बार रहे थे। यशस्वी को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सुपर लीग मैच के बाद पेट में दर्द के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिसके कारण उन्हें एक सप्ताह का आराम दिया गया था। प्राप्त जानकारी के वह 31 दिसंबर को गोवा के खिलाफ मैच खेलेंगे। विजय हजारे ट्रॉफी में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा शुरुआती दो मुकाबलों में सलामी बल्लेबाज के तौर पर नजर आए थे। वहीं अब यशस्वी उनकी जगह पारी की शुरुआत करेंगे। वह अन्य मैच भी खेल सकते हैं। इसके बाद भारतीय टीम को 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलनी है जिसमें उन्हें अवसर मिल सकता है। यशस्वी ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में नाबाद 116 रन की पारी खेली थी. इसके बाद उन्होंने 14 दिसंबर को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के खिलाफ 101 रन बनाए थे।

आईपीएल 2026 में मार्कराम पर रहेंगी नजरें, सुपर जायंट्स ने भरोसा बनाये रखा

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्कराम ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से बेहतर प्रदर्शन का पूरा प्रयास करेंगे। मार्कराम 2025 सत्र में भी सुपर जायंट्स के साथ थे और उनका कहना है कि फ्रैंचाइजी के उन्होंने टीम में बनाये रहने से वह बेहद खुश हैं। मार्कराम ने गत सत्र में 13 मैचों में 34.23 की औसत और 148.83 के स्ट्राइक रेट से 445 रन बनाए थे जिसमें 5 अर्धशतक भी शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने चार विकेट भी लिए थे। इसी कारण उन्हें टीम ने अपने साथ रखा है। मार्करम ने कहा, मैंने पिछले साल लखनऊ फ्रैंचाइजी के साथ अपने समय का भरपूर आनंद लिया। मैंने साथी खिलाड़ियों से बहुत अच्छी दोस्ती की और टीम के साथ कुछ महीने बिताए। इसलिए मुझे रिटेन किए जाने पर बहुत खुशी है और निश्चित रूप से उनके साथ एक और सत्र खेलने के लिए उत्साहित हूं। उनसे यह भी पूछा गया कि टूर्नामेंट के इस सत्र वह किस प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। जिस पर उन्होंने कहा, आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको एक टीम के रूप में वास्तव में अच्छा होना होगा। मुझे नहीं लगता कि हम पिछले सत्र में बहुत पीछे थे। यहां-वहां कुछ पल और कुछ परिणाम अलग दिखते। इससे पहले कि आप कुछ समझ पाते, आप नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुके होते हैं। इसलिए निश्चित रूप से किसी भी चीज को ज्यादा कठिन नहीं बनाना चाहिए। मुझे लगता है कि हमने जो चीजें अच्छी कीं, उन्हें फिर से करने की कोशिश करें और कुछ और महत्वपूर्ण क्षण जीतें। इससे पहले कि आप जानते हैं, मुझे लगता है कि प्रतियोगिता हमारे लिए वास्तव में आशाजनक है। आईपीएल में हालांकि टीम को उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं मिले। ऋषभ पंत ने कप्तान के रूप में पद संभाला, जहीर खान टीम के संरक्षक थे। फिर भी, टीम प्लेऑफ से चूक गई, अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही। अब टीम का लक्ष्य इस सत्र में वापसी करना रहेगा।

साल 2025 में विश्व कप के बाद महिला क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू कई गुना बढ़ी

-करार के लिए विज्ञापनादाता कंपनियों की लगी कतार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल महिला विश्वकप क्रिकेट ट्रॉफी जीतने के बाद ही भारतीय टीम की खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू बढ़ने से उनपर पैसे की बरसात हुई है।

टीम की खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू एकदम से बढ़ी है और उनके साथ करार के लिए कई कंपनियां आतुर हैं। स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर जैसी खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू दोगुनी से भी अधिक हो गयी है।

इन खिलाड़ियों को अपने विज्ञापन में शामिल करने के लिए ऑटोमोबाइल कंपनियों से लेकर बैंक और एफएमसीजी तक शामिल हैं। इसके अलावा खेल सामग्री बनाने वाली कंपनियां, जीवनशैली, सौंदर्य प्रसाधन से जुड़ी कंपनियां भी इन्हें अपना ब्रांड एंबेस्डर बनाना चाहती हैं। मंधाना, ऋचा घोष और राधा यादव का प्रबंधन करने वाली कंपनियां भी इससे उत्साहित हैं और उनका मानना है कि ऐसा पहली बार हुआ है। इससे तय है कि महिला क्रिकेटरों का भविष्य उज्जवल है।

प्रबंधन से जुड़ी कंपनियों की एक प्रमुख ने कहा, 'हम उनके ब्रांड मूल्य में तेज उछाल देख रहे हैं। शीर्ष स्तर की किसी खिलाड़ी के विज्ञापन मूल्य में दो से तीन गुना तक बढ़ोतरी हो गई है। जेमिमा की कीमत 60 लाख रुपये से बढ़कर लगभग 1.5 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। शैफाली की कीमत 40 लाख रुपये से बढ़कर लगभग एक करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। हमें शीर्ष खिलाड़ियों के लिए 25-55 फीसद की बढ़त की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, 'हमें यह भी उम्मीद है कि यह जीत वाणिज्यिक बाजार में महिला क्रिकेट को मजबूत करेगी, जहां ब्रांड अल्पकालिक अभियान के बजाय दीर्घकालिक साझेदारी पर ध्यान देते हैं। महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और प्रशंसकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी ने भी खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में वृद्धि में योगदान दिया है। उन्होंने बताया, 'जेमिमा के फॉलोअर्स की संख्या दोगुनी 33 लाख हो गई है और शैफाली के फॉलोअर्स की संख्या में लगभग 50 फीसदी की वृद्धि हुई है। बड़ा बदलाव यह है कि ब्रांड अब उन्हें केवल क्रिकेट सत्र तक सीमित चेहरे के रूप में नहीं देखते हैं और इससे खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में वृद्धि हो रही है।

महिलाएं उन ब्रांडों का प्रचार करके एक और सफलता हासिल करने के लिए तैयार हैं, जिनका अब तक प्रचार पुरुष खिलाड़ी करते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम भारत में महिला खिलाड़ियों के लिए खेल सामग्री, जीवनशैली, सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल तथा शिक्षा जैसे विभिन्न उद्योगों में रुचि देख रहे हैं। उत्साहजनक बात यह है कि शीर्ष महिला क्रिकेटर अब उन क्षेत्रों में भी प्रवेश कर रही हैं जिन्हें पहले पुरुष-प्रधान माना जाता था। स्मृति हुंडई, गल्फ ऑयल, एसबीआई बैंक, पीएनबी मेटलाइफ जैसे ब्रांडों से जुड़ी हैं, जो पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान क्षेत्र रहे हैं।

डकार में चार पहिया वर्ग में इकलौते भारतीय टकाले कार रैली में पेश करेंगे चुनौती

नई दिल्ली । कार रैली ड्राइवर संजय टकाले लगातार दूसरी बार डकार रैली में चार पहिया वाहन वर्ग के 'क्लासिक श्रेणी (विंटेज कार रैली प्रतियोगिता)' में चुनौती पेश करने को तैयार है। वह इस वाहन वर्ग में इकलौते भारतीय रैली ड्राइवर होंगे। डकार रैली का आयोजन तीन से 17 जनवरी तक सऊदी अरब में होगा। टकाले डकार रैली के पिछले आयोजन में कुल 18वें और अपनी श्रेणी में 10वें पायदान पर रहे थे। फ्रांस के नेविगेटर मैक्सिम राउद के साथ 57 साल के ताकले टीम एयरोस्पेस रेसर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्हें फ्रांस की कंपनी सहारियन से तकनीकी और लॉजिस्टिक्स सहायता मिलेगी। ताकले के तीन दशक लंबे करियर में एशिया-पैसिफिक प्रोडक्शन कप का खिताब जीतने के साथ विश्व रैली की चुनिंदा चैम्पियनशिप प्रतियोगिताओं में भाग लेना शामिल है। उन्होंने 2025 डकार क्लासिक को पूरा करने को अपने करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। टकाले ने कहा, 'मेरा लक्ष्य इस प्रतियोगिता को दोबारा पूरा करने के साथ निरंतरता और अनुशासन के साथ पिछले वर्ष के परिणाम से बेहतर करना है। डकार सिर्फ रैली रेस प्रतियोगिता नहीं है, यह सहनशक्ति और हौसले की परीक्षा है।'

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज एटकिंसन एशेज के अंतिम टेस्ट से बाहर हुए

सिडनी । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं। एटकिंसन को मेलबर्न में खेले गये चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में चोट लग गयी थी। एशेज का पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच 4 से 8 जनवरी तक सिडनी क्रिकेट मैदान पर खेला जाएगा। एटकिंसन का बाहर होना मेहमान टीम इंग्लैंड के लिए करारा झटका है क्योंकि इस गेंदबाज ने चौथे टेस्ट में टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अनुसार एटकिंसन को बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है जिसके कारण वह इस सीरीज से बाहर हो गये हैं। स्कैन में उनकी बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट पायी गयी है जिसके लिए उन्हें

आराम करना पड़ेगा। एटकिंसन को चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी के दौरान पांचवां ओवर फेंकने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा था। ईसीबी के अनुसार इस तेज गेंदबाज की जगह किसी और खिलाड़ी का बुलाने का उसका कोई इरादा नहीं है। एटकिंसन ने इस सीरीज में पहले, दूसरे और चौथे टेस्ट मैच में खेला था। पहले मैच में वह विकेट नहीं ले पाये थे पर उन्होंने दूसरी पारी में 37 रन बनाये थे। वहीं दूसरे मैच में एटकिंसन ने एशेज में अपना पहला विकेट लिया। वहीं दूसरी पारी में दो विकेट लिए थे। तीसरे टेस्ट में उन्हें शामिल नहीं किया गया था।

बीसीसीआई का बड़ा बयान: गौतम गंभीर को हटाने की कोई योजना नहीं, अटकलें निराधार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि बोर्ड गौतम गंभीर की जगह किसी नए मुख्य कोच की नियुक्ति पर विचार कर रहा है। इससे पहले, मीडिया रिपोर्टों में कहा गया था कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण से गौतम गंभीर की जगह भारत के अगले टेस्ट कोच बनने के लिए संपर्क किया गया था। ये खबरें तब सामने आईं जब गौतम गंभीर की कप्तानी में भारत को घर पर दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से करारी हार का सामना करना पड़ा। लगातार दो सालों में यह उनकी दूसरी करारी हार थी, इससे पहले पिछले साल इसी कोच के नेतृत्व में न्यूजीलैंड से 0-3 की शर्मनाक हार हुई थी।

न्यूजीलैंड से मिली करारी हार ने कभी मजबूत स्थिति में रही भारतीय टीम को आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2025 के फाइनल में जगह बनाने से वंचित कर दिया। प्रोटियाज को मिली इस ताजा हार के चलते आगे के नतीजों के आधार पर उन्हें इस प्रतिष्ठित एकमात्र टेस्ट चैम्पियनशिप मुकाबले में भी जगह बनाने से चूकना पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए, बीसीसीआई उपाध्यक्ष शुक्ला ने स्पष्ट किया है कि गौतम गंभीर को भारतीय टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से नहीं हटाया जाएगा।

शुक्ला ने एएनआई को बताया कि मैं मुख्य कोच गौतम गंभीर के बारे में मीडिया में चल रही अटकलों के संबंध में यह स्पष्ट करना चाहता हूं। बीसीसीआई सचिव (देवजीत सैकिया) ने भी स्पष्ट कर दिया है कि गंभीर को हटाने या भारत के लिए एक नया मुख्य कोच लाने की कोई योजना नहीं है। इससे पहले, एएनआई से बात करते हुए, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि बोर्ड ने टेस्ट क्रिकेट में नेतृत्व समूह में कोई बदलाव नहीं किया है।

सैकिया ने कहा कि यह खबर पूरी तरह से गलत है। यह पूरी तरह से अटकलबाजी है। कुछ प्रतिष्ठित समाचार एजेंसियां ??भी इसे प्रसारित कर रही हैं। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। बीसीसीआई इसका सीधा खंडन करता है। लोग जो चाहें सोच सकते हैं, लेकिन बीसीसीआई ने कोई कदम नहीं उठाया है। यह किसी की कोरी कल्पना है; इसमें कोई सच्चाई नहीं है, और मैं इसके अलावा कुछ नहीं कह सकता कि यह तथ्यात्मक रूप से गलत और निराधार खबर है।

अब, भारत के सामने फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती टेस्ट क्रिकेट नहीं, बल्कि पिछले साल रोहित शर्मा की कप्तानी में जीती गई टी20 विश्व कप ट्रॉफी का बचाव करना है। 7 फरवरी से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में भारत सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में एक नई टीम के साथ उतरेगा। भारत मुंबई में उसी दिन अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा और उसे ग्रुप ए में पाकिस्तान, नामीबिया, नीदरलैंड और अमेरिका के साथ रखा गया है।

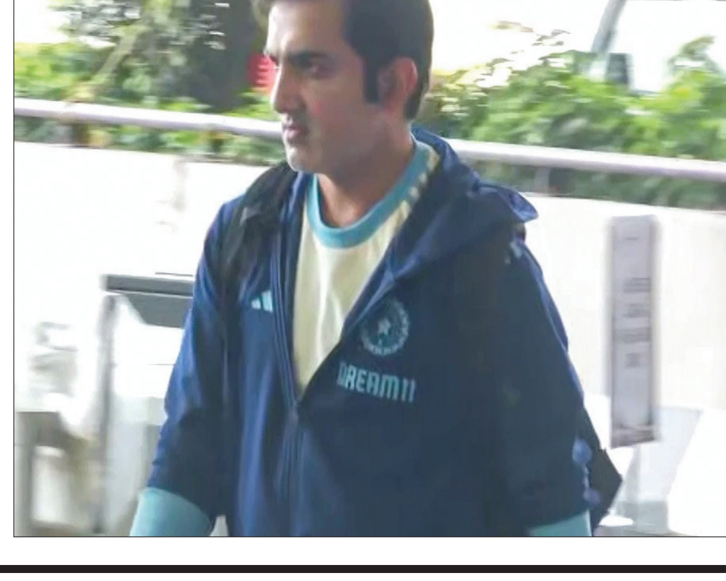

मां बनने और शूटिंग के बीच संतुलन बनाना मेरे लिए एक सीखने वाला अनुभव

टीवी और एंटरटेनमेंट की दुनिया में नए साल के मौके पर खास कार्यक्रम देखने को मिलते हैं। इस बार भी जीटीवी ने दर्शकों के लिए खास कार्यक्रम जी रिश्तों का मेला 2025 आयोजित किया है। इस बार इस खास शो को होस्ट करने की जिम्मेदारी टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्रद्धा आर्या को मिली, जिन्हें दर्शक उनके हिट शो कुंडली भाग्य में प्रीता के किरदार से जानते हैं। उनके साथ अभिनेता जय भानुशाली भी होंगे, जो उनका साथ देंगे। श्रद्धा आर्या ने अपने अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मुझे यह अनुभव ऐसा लगा, जैसे एक बड़ा उत्सव हो, जिसमें प्यार और अपनापन भरा हो। शो होस्ट करना मेरे लिए सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक खुशी और उत्साह से भरा अनुभव था। कार्यक्रम के दौरान मैंने न सिर्फ दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि उनके साथ अपने जुड़ाव को भी महसूस किया। वर्क-लाइफ बैलेंस की बात करते हुए श्रद्धा ने कहा, मां बनने और शूटिंग के बीच संतुलन बनाए रखना मेरे लिए एक सीखने वाला अनुभव रहा है। कई बार शूटिंग के दौरान मुझे बच्चों की बहुत याद आती है और कभी-कभी यह बहुत चुनौतीपूर्ण भी लगता है। काम के दौरान दिल का एक हिस्सा हमेशा बच्चों के साथ रहता है। लेकिन, जब मैं काम खत्म करके घर लौटती हूं और बच्चे मुझे गले लगाते हैं, तो सारी थकान और मुश्किलें तुरंत दूर हो जाती हैं।

श्रद्धा ने बताया कि उनके लिए यह सब थोड़ा आसान रहा, क्योंकि उन्हें घर और सेट दोनों जगह बहुत समर्थन मिला। उनके परिवार ने हमेशा उन्हें समझा और टीम ने भी उनके समय और जिम्मेदारियों का सम्मान किया। इस सहयोग के कारण वह अपने काम में सहज महसूस कर पाई। उन्होंने कहा, जीटीवी की टीम के साथ शूटिंग करना हमेशा आसान और मजेदार रहा है। टीम मेहनत और समय का सम्मान करती है, जिससे मुझे काम में आराम मिलता है और प्रदर्शन भी बेहतर होता है।

जी रिश्तों का मेला 2025 को होस्ट करने के बारे में श्रद्धा ने कहा, नए साल का स्वागत करना और इस खास मौके पर दर्शकों के साथ जुड़ना एक बड़े उत्सव जैसा महसूस हुआ। शो में प्यार, यादें और अपनापन साफ दिखता है। सेट पर काम करते समय लोग मुझे अब भी प्रीता के नाम से बुलाते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है जैसे कुंडली भाग्य अभी भी चल रहा है और मैं रोज शूटिंग कर रही हूं।

सहर बंबा ने साझा किए बीते 25 सालों में पांच सबसे यादगार पल

सिनेमा की दुनिया में जब भी किसी कलाकार के नाम का जिक्र होता है, तो दर्शक उन्हें उनके सफर और अनुभवों से याद करते हैं। इस कड़ी में फिल्म 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की एक्ट्रेस सहर बंबा ने बातचीत में बताया कि 2000 से 2025 तक उनके जीवन के पांच सबसे यादगार पल कौन-कौन से रहे। सहर ने कहा कि सबसे यादगार पलों की शुरुआत उस दिन से होती है जब उन्होंने फिल्म 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के ट्रेलर लॉन्च पर शाहरुख खान के साथ स्टेज साझा किया और उनके साथ डांस किया। सहर ने कहा, 'यह सिर्फ एक फैन मोमेंट नहीं था, बल्कि एक जरिया था यह याद दिलाने का कि मुझे सिनेमा से प्यार क्यों हुआ था। यह पल मेरे लिए सपना सच होने जैसा था, जिसे मैं कभी नहीं भूल सकती।' दूसरे सबसे यादगार पल के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'मेरे लिए दूसरा सबसे यादगार पल वह था जब मुझे आर्यन खान ने खुद कॉल करके बताया कि वह शो का हिस्सा बन गई हैं। इस कॉल ने मेरी जिंदगी बदल दी। मुझे उस वक्त एहसास हुआ कि मैं किसी बड़े प्रोजेक्ट के लिए चुनी गई हूं। यह कॉल उनके मुझपर भरोसा किए जाने के बारे में था। सहर ने बताया, ' 'तीसरा यादगार पल था, जब मैंने पहली बार लीड एक्ट्रेस के तौर पर सेट पर कदम रखा। उस समय मुझे कोई बाहरीपन महसूस नहीं हुआ, ऐसा लगा जैसे मेरा सेट से कोई खास जुड़ाव हैं। मैं कहानी को पूरी तरह से निभाने और पेशेवर रूप से काम करने के लिए तैयार थी। यह एहसास मेरे आत्मविश्वास और पेशेवर दृष्टिकोण के लिए बहुत महत्वपूर्ण था। चौथे सबसे खास पल की बात करते हुए उन्होंने कहा, 'चौथा खास पल परिवार से जुड़ा हुआ है। अपने परिवार का अपने ऊपर गर्व देखकर मैं इमोशनल हो गई थी। जब परिवार के सदस्यों ने मेरी मेहनत और सफर को देखा, तो वह मुझ पर गर्वित हुए। मेरा परिवार हमेशा सबसे बड़ा सहारा और प्रेरणा रहा है। पांचवां और आखिरी महत्वपूर्ण पल था सहर के लिए एक कलाकार के रूप में अपनी पहचान पाना। उन्होंने कहा, 'मैंने एक कलाकार के रूप में अपनी पहचान मजबूत की है। कब 'ना' कहना है, धैर्य रखना है, और समय पर भरोसा करना है, यह मैंने सीख लिया है। यह अंदरूनी बदलाव मेरे लिए किसी बाहरी सफलता जितना ही महत्वपूर्ण है।

अब केवल हिट फिल्म में नहीं, बल्कि सराहना में भी छिपी है कामयाबी

भारतीय फिल्म और वेब इंडस्ट्री पिछले कुछ दशकों में बहुत बदल चुकी है। खासकर महिला कलाकारों के लिए अब नए मौके खुले हैं, जो पहले शायद सिर्फ सीमित तरह के रोल तक ही सिमटकर रह जाते थे। इसी बदलाव और अपनी व्यक्तिगत यात्रा को लेकर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी यात्रा में बदलाव आए। श्वेता ने कहा, मैंने अपने करियर में ऐसे लोगों के साथ और कहानियों में काम किया है, जिन्होंने मुझे नए तरीके से सोचने और महसूस करने का मौका दिया है। मैं हमेशा रूढ़िवादी सोच को चुनौती देने में भरोसा करती हूं। पहले फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए अवसर और रोल सीमित होते थे। हीरोइन या महिला कलाकार का रूप और किरदार अक्सर तय ही होता था। लेकिन अब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, नए क्रिएटर्स, और दर्शकों की बदलती सोच ने कहानी कहने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। श्वेता ने इस बदलाव में दर्शकों की अहम भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, सिर्फ कहानीकार ही बदलाव नहीं लाते, बल्कि दर्शक भी इसमें अपना अहम योगदान देते हैं। जब दर्शक इन नई कहानियों का समर्थन करते हैं, उन्हें अपनाते हैं, किरदारों और कहानियों को पसंद करते हैं और सराहना देते हैं, तब कलाकारों को प्रयोग करने का हौसला मिलता है। आज के समय में कलाकारों के पास ज्यादा जगह है कि वे नए अनुभव लें और अपने करियर की दिशा खुद तय करें।

अपने व्यक्तिगत अनुभव के बारे में श्वेता ने बताया, इंडस्ट्री ने मुझे धैर्य रखना सिखाया और आत्मविश्वास को बढ़ाया। सफलता अब सिर्फ एक ही रूप में नहीं देखी जाती। पहले यह माना जाता था कि एक कलाकार को सिर्फ बड़े नाम और बॉक्स ऑफिस हिट चाहिए। लेकिन, आज सफलता की परिभाषा बदल गई है और ये सभी के लिए अलग-अलग हो सकती है। जब आप अच्छा काम करते हैं और वह सराहा जाता है, तो यह आपको एक खास तरह की ताकत देता है। श्वेता ने कहा, करियर में अब तक के अलग-अलग किरदार और कहानियां मेरे लिए हमेशा यादगार रहे हैं। सभी किरदारों ने मुझे अलग तरह से सोचने और महसूस करने का मौका दिया। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे ऐसा प्रोफेशन मिला, जो मुझे नए तरीके से देखने और समझने का अवसर देता है। उन्होंने कहा, इंडस्ट्री में महिलाओं की जगह और उनकी आवाज पहले की तुलना में बहुत मजबूत हो गई है। अब न केवल बड़े स्टार्स बल्कि छोटे और नए कलाकार भी अपनी पहचान बना सकते हैं, साथ ही दर्शकों के साथ सीधे जुड़ सकते हैं। यह बदलाव अवसर के साथ-साथ रचनात्मक स्वतंत्रता भी देता है।

नागिन 7 में प्रियंका चाहर चौधरी के साथ नजर आएंगे साहिल उप्पल

छोटे पर्दे की क्वीन एकता कपूर के लोकप्रिय सीरियल नागिन का सातवां सीजन शुरू होने वाला है। इसकी प्रीमियर डेट नजदीक आ रही है। इसी के साथ कास्ट को लेकर भी नई-नई अपडेट आ रही हैं। शो में लीड रोल एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी अदा करेंगी। उनके साथ एक लोकप्रिय एक्टर की शो में एंट्री हुई है। शो से साहिल उप्पल जुड़ गए हैं। रियलिटी शो 'बिग बॉस 16' और 'उडारियां' जैसे शोज में काम कर चुकीं प्रियंका चाहर चौधरी नागिन 7 में लीड रोल अदा करेंगी। टेलीचक्कर की एक रिपोर्ट के मुताबिक शो में साहिल उप्पल लीड रोल में नजर आएंगे।

ये सितारे भी होंगे शो का हिस्सा

प्रियंका चाहर, नमिक पॉल और साहिल उप्पल के अलावा नागिन 7 में ईशा सिंह, विहान वर्मा, रिब्बू मेहरा, कुशाग्र दुआ, प्रतीक्षा राय, निवेदिता पाल और आफरीन दबेस्तानी भी अहम भूमिका अदा करते दिखेंगे। इतनी शानदार स्टारकास्ट के साथ वापसी कर रहे इस शो को लेकर दर्शक भी उत्साहित हैं।

आलिया भट्ट से ज्यादा फीस लेती हैं श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड में अक्सर एक्ट्रेसेस की तुलना की खबरें आती रहती हैं। अक्सर कहा जाता है कि इस दो एक्ट्रेसेस के बीच नंबर वन बनने की रेस लगी रहती है। श्रद्धा कपूर और आलिया भट्ट ये वो दो हीरोइनें हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में कदम लगभग एक साथ ही रखा था लेकिन ये डिबेट अक्सर होती है कि आलिया को ज्यादा मौके दिए गए और श्रद्धा को कहीं ना कहीं साइडलाइन करने की कोशिश की गई। अब लीजिए इस पर श्रद्धा कपूर के पापा शक्ति कपूर ने शॉकिंग खुलासा किया है।

आलिया से ज्यादा फीस लेती हैं श्रद्धा कपूर

दरअसल हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रद्धा कपूर के पापा ने खुलकर इस सब पर बात की है। इस बातचीत में उन्होंने बताया है कि, आलिया भट्ट भले ही ज्यादा फिल्में कर रही हों, या उन्हें ज्यादा मौके मिल रहे हों, लेकिन श्रद्धा कपूर फिर भी आलिया भट्ट से ज्यादा फीस लेती हैं। उन्होंने इसमें अनन्या पांडे का भी जिक्र किया है। शक्ति कपूर ने हाल ही में पॉडकास्ट द पावरफुल ह्यूमन्स में बात करते हुए श्रद्धा को आलिया-अनन्या पांडे से कंपेयर करने पर सवाल किया गया और पूछा गया कि श्रद्धा वाकई में कम फिल्में करती हैं या उन्हें ऑफर्स कम मिलते हैं तो इस पर उन्होंने कहा कि, मैं सच कहूं तो वो फिल्में ही कम करती है। जो सबसे अच्छी होती हैं, वही फिल्म वो करती है, पर पैसा ज्यादा लेती है। इन सबसे ज्यादा पैसा लेती है। वह साल में सिर्फ एक या दो ही फिल्में करती है।

क्या श्रद्धा को सच में मिल रहीं कम फिल्में?

शक्ति कपूर ने यहां इशारों ही इशारों में बहुत कुछ कह दिया। उनके मुताबिक, भले ही श्रद्धा कम फिल्में करती हों, लेकिन आलिया से ज्यादा फीस लेती हैं। वहीं शक्ति से पूछा गया कि ऐसी खबरें आती हैं कि, श्रद्धा को उतना काम नहीं मिल रहा है तो इस पर वो हंसते हुए कटाक्ष करते हुए कहते हैं कि, 'क्या सच में उसे काम नहीं मिल रहा है?

मैं कर्जत में खेती करके खुश थी, सोचा लिया था उनकी शक्ल नहीं देखूंगी

एक दशक पहले छोटे पर्दे के चर्चित कॉमिडी शो भाभी जी घर पर हैं ने जिस एक किरदार को सबसे अधिक पॉपुलर बनाया, वो है अंगूरी भाभी का। सही पकड़े हैं जैसे तकिया कलाम से एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने इस किरदार में जान डाल दी। दर्शक उनके मुरीद हो गए। लेकिन 2016 में फैंस को तब झटका लगा जब शिल्पा ने भारी विवादों के बीच शो छोड़ने का फैसला कर लिया। तब उनके और शो के मेकर्स के बीच आरोप-प्रत्यारोप का लंबा दौर भी चला। जाहिर है, ऐसे में किसी ने नहीं सोचा था कि शिल्पा कभी दोबारा अंगूरी भाभी बनकर लौटेंगी। लेकिन वक्त बदला, कड़वाहट कम हुई और अब वह फिर से भाभी जी घर पर हैं 2.0 में लौट आई हैं।

शो में अपनी वापसी के बारे में शिल्पा शिंदे कहती हैं, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यह शो वापस करूंगी। मैंने तो संतोष कर लिया था कि चलो जिंदगी में जो हुआ, वो हुआ। लेकिन असल में, हमारे शो के जो राइटर हैं मनोज संतोषी जी, यह किरदार उनका बच्चा था। उन्होंने अंगूरी भाभी को जन्म दिया था। वह अक्सर मुझे फोन करते रहते थे। पूछते भी थे कि क्या मैं वापस आऊंगी, मगर मैं टाल जाती थी। शिल्पा ने बताया कि वह मनोज के कारण ही शो में लौटी हैं।

मैं मनोज जी के लिए लौटी हूं

एक्ट्रेस ने आगे बताया, पिछले साल दिसंबर में मनोज संतोषी जी की तबीयत खराब हो गई, तब मैं उनके संपर्क में थी। जो भी संभव हुआ, मैंने किया। उनके साथ हॉस्पिटल में रही। मेरी पूरी कोशिश थी कि मैं मनोज जी को बचाऊं, मगर नहीं बचा पाई। उनका लिवर ट्रांसप्लांट होना था, पर वे नहीं बच पाए। उस दौरान जब शो से जुड़े सब लोग मिले तो एक अलग बॉन्डिंग हो गई। जब मेकर्स ने मुझे पूछा तो मैंने पहले मना ही किया। फिर आसिफ शेख जी ने कहा कि मनोज जी बहुत खुश होंगे तो मैंने उनके लिए और ऑडियंस जिसने हमेशा मुझे प्यार दिया, उनके लिए यह शो किया।

उन इल्जामों में सच्चाई नहीं

शिल्पा ने 2016 में जब शो छोड़ा था, तब मेकर्स ने जहां उन्हें कानूनी नोटिस भेजा था, वहीं उन्होंने भी मेकर्स पर सेक्सुअल हरैसमेंट के आरोप लगाते हुए स्न्नढ्ढक्रदर्ज करवाई थी। इतनी तल्खी के बाद शो में वापसी को लेकर कोई डर था? इसके जवाब में वह कहती हैं उस वक्त हम दोनों के बीच एक तीसरा व्यक्ति था और जब भी कोई तीसरा घुसता है तो बहुत सारी गलतफहमी क्रिएट होती है और रिश्ता टूट जाता है। हमारे साथ भी वही हुआ था। जहां तक इल्जाम लगाने की बात थी तो मैंने महाभारत के सीख लेते हुए जैसे को तैसा वाली चीज की थी, क्योंकि मुझ पर अनप्रफेशनल होने, शो को खराब करने जैसे इल्जाम लगाए जा रहे थे। मुझे काम करने से रोका जा रहा था। ऐसे में मेरे पास कोई रास्ता नहीं था, लेकिन हकीकत सबको पता है।

मेरा टीवी से मन उठ गया था

शिल्पा शिंदे भाभी जी घर पर हैं से फेमस हुईं। बाद में बिग बॉस 13 की विनर भी बनीं। इसके बावजूद उन्होंने झलक दिखला जा के अलावा कोई और शो नहीं किया। इस बारे में वह बताती हैं, मेरा टीवी से मन उठ गया था। मुझ पर जिस तरह इल्जाम लगाए गए, काम नहीं करने दिया गया तो मेरी सोच भी ऐसी थी कि भाड़ में जाओ। आपकी वजह से मेरी रोजी रोटी नहीं चल रही है। मैंने तो लिखकर रखा था कि बिग बॉस के बाद छह महीने तक जो मेरे साथ काम करने आएंगे, उनकी जिंदगी में शक्ल नहीं देखूंगी (हंसती हैं)। मेरी ये सोच थी कि मुझे इन लोगों के साथ काम नहीं करना है जो बिग बॉस की सफलता के बाद मेरे पास आए। उसके अलावा, जो ऑफर आए वो इतने अच्छे नहीं थे कि उन्हें करने का मन करे।

मैं तो खेती करके खुश थी

बकौल शिल्पा, मैंने तो टीवी इंडस्ट्री को टाटा-बाय बोल दिया है। मैं बहुत अलग दुनिया में जा चुकी हूं। मैं कर्जत में जैसे गांव में रहते हैं, खेती करते हैं, वैसे रहती हूं। मैंने मुंबई लगभग छोड़ दिया है। मैंने पहले लॉकडाउन के दौरान कर्जत में कुछ जमीन ली थी। वहां मैंने अपना बंगला बनाया है। फिर रिवरसाइड पर और जमीन ली, जहां मैं बहुत प्यारा सा विंटेज रिसॉर्ट जैसा बना रही हूं। मैं खुद ही उसकी इंजीनियर, आर्किटेक्ट सब हूं, तो उसमें बिजी रहती हूं। मैं वहां ऑर्गेनिक फार्मिंग कर रही हूं तो मैं अपनी जिंदगी में काफी संतुष्ट हूं। वरना ये ग्लैमर, पैसा और बाकी चीजों की चाह तो अंतहीन हैं। पैसा जितना भी कमाओ कम पड़ता है लेकिन एक ठहराव जरूरी है।

मेडिकल रिप्रिजेन्टेटिव सदाबहार कॅरिअर

जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती।

गला काट प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बाजार में टिके रहने के लिए कंपनियां विपणन नीति का सहारा ले रही हैं। इससे दवा कंपनियां भी अछूती नहीं हैं। भूमंडलीकरण ने इस प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती। लिहाजा इस क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर खुल रहे हैं।

मेडिकल रिप्रिजेंटिव के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यार्थी को विज्ञान स्नातक होना आवश्यक है। लेकिन फार्मेसी में डिग्री और डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी को सभी दवा कंपनी प्राथमिकता देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए डिग्री से ज्यादा धैर्य, लगन तथा वाकपटुता की जरूरत होती है। इसके साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, बातचीत से दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है।

एक मेडिकल रिप्रिजेंटिव यानी एमआर का काम मेडिकल व्यवसाय से जुड़े, व्यवसायियों, चिकित्सकों से संपर्क कर अपनी कंपनी द्वारा उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता बताना होता है। उन्हें इस तरह समझाना होता है कि चिकित्सक रोगियों को उन्हीं की कंपनी की दवा लिखे। एक एमआर को अपनी कंपनी की उत्पादित तमाम दवाओं की जानकारी रखना होता है और चिकित्सकों और व्यवसायियों को बताना होता है। यानी वह कंपनी और व्यवसायियों के बीच एक पुल का काम करता है। एक तरह से उसके कंधे पर कंपनी की सफलता की पूरा दारोमदार टिका हुआ है।

एक एमआर को वेतन उसकी योग्यता और कंपनी के स्तर के आधार पर मिलता है। शुरुआत में एक एमआर को 5 से लेकर 15 हजार रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा वाहन, यात्रा भत्ता, हाउसिंग और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। देश के कई संस्थानों में मेडिकल प्रशिक्षण और फार्मा मार्केटिंग मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फॉर्मेसी के कोर्स कराए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं-

- हमदर्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मदनगीर, दिल्ली।
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पुष्प विहार, महरौली, दिल्ली।
- महिला पॉलीटेक्निक, महारानीबाग, नई दिल्ली।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई, महाराष्ट्र।
- बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अनिसाबाद, पटना, बिहार।

सफलता का आईना हो आपका रिज्यूमे

नौकरी प्राप्त करने का पहला कदम रिज्यूमे प्रेषित करना होता है। आपका रिज्यूमे आपकी सफलता का आईना हो, जिसमें सब कुछ स्पष्ट दिखे। वह केवल आपकी सफलता ही नहीं, बल्कि आपके कार्य-इतिहास के बारे में भी सब कुछ कहे, ताकि नियोक्ता को कहीं कोई शंका न रह जाए।

आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको दूसरों से अलग बनाती हैं आपकी सफलताएं। यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, ताकि आपके रिज्यूमे में आपकी सफलताएं भली-भांति प्रदर्शित हों। जहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, वहां केवल योग्यता और कार्यानुभव के दम पर अच्छी नौकरी पाना आसान नहीं है। ऐसे में आपकी छोटी-बड़ी सफलताएं ही हैं, जो आपको अन्य लोगों से आगे रखती हैं। आप किसी कंपनी के लिए कितने तरीके से लाभदायी सिद्ध हो सकते हैं, इस बात को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसे बताने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे बेहतरीन तरीके से तैयार किया जाए, जो आपको साधारण आवेदक की श्रेणी से विशेष की श्रेणी में पहुंचाएगा।

उत्तरदायित्वों को पेश करें

अपना रिज्यूमे तैयार करने का एक बढ़िया तरीका है कि आप शब्दों का चयन चतुराई से करें। यहां तक कि जब आप अपने कार्य उत्तरदायित्वों की बात करें तो उन्हें ऐसे पेश करें कि वे आपकी सफलताएं नजर आएं। मिसाल के तौर पर..

पहले- उत्तरी क्षेत्र में सेल्स की जिम्मेदारी।

अब- समूचे उत्तरी क्षेत्र के सेल्स प्रमुख।

देखिए कैसे 'जिम्मेदारी' की जगह 'प्रमुख' क्रिया का इस्तेमाल करते ही रिज्यूमे आपकी जो छवि बनाता है, उसमें कितना अंतर दिखाई देने लगा है। अगर एक रिज्यूमे में सिर्फ आपके उत्तरदायित्वों का ही जिक्र होता है तो किसी भी कंपनी को यह बिल्कुल समझ में नहीं आता कि आप असल में करते क्या थे! साथ में उन्हें बमुश्किल ही पता चल पाता है कि आप उनके लिए क्या कर सकते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को बताने के लिए दमदार क्रिया-शब्दों जैसे लेड, इनीशिएटेड, स्पीयरहेडेड, कंट्रोल्ड, एक्सेलरेटेड, अटेंड, कॉन्सेप्चुलाइज्ड, कंडक्टेड, डिवाइस्ड, डायरेक्टेड, ड्राफ्टेड, एक्जीक्युटेड, एन्हैंस्ड, एस्टेब्लिश्ड आदि का इस्तेमाल करें। इन शब्दों के माध्यम से आपकी छवि एक सक्रिय कर्मचारी की बनेगी और कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जब आप यह कहेंगे कि आपको क्या हासिल हुआ, बजाए इसके कि आप क्या संभालते थे तो आपकी छवि एक उत्तरदायी और पहल करने वाले कर्मचारी के रूप में बनेगी, न कि सिर्फ ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो केवल दिया हुआ काम ही पूरा करता है।

जिम्मेदारियों के बारे में बताएं

किसी कंपनी को यह बताना भी बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपने काम को कितने अच्छे तरीके से संभालते हैं। इसके लिए भी आपको 'रिस्पॉन्सिबल फॉर' से कुछ अधिक कहना होगा, जैसे..

पहले- कंपनी में एमआईएस इंटरफेस की जिम्मेदारी।

अब- नए मार्केट्स की तलाश और क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने के लिए एमआईएस के साथ तकनीकी तरक्की के लिए कार्य (इंटरफेस)।

पहले जो रिज्यूमे में लिखा गया है, उससे कंपनी के दिमाग में यह बात स्पष्ट नहीं होती कि आप कितने प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे, वहीं दूसरे मामले में 'इंटरफेस' शब्द ने आपको एक सक्रिय आवेदक के रूप में प्रस्तुत किया है। इस तरह किसी भी कार्य के साथ जुड़ने ने यह दिखा दिया है कि आपका इसमें क्या योगदान रहा और यही आपकी सफलता भी है। साथ ही इससे कंपनी को यह भी समझ में आ गया कि भविष्य में आप किस प्रकार से उन्हें योगदान दे सकते हैं। दरअसल हम एक बेसिक रिज्यूमे में अपने संपर्क की जानकारी, अपना उद्देश्य, अपने बारे में जानकारी, कार्यानुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और दूसरी जानकारी देने में काफी जल्दबाजी करते हैं। हम अक्सर ऐसी जगह आकर रुक जाते हैं, जहां हमें वास्तव में अपनी वर्तमान कंपनी में अपने योगदान का जिक्र करना चाहिए।

एक दमदार रिज्यूमे का मुख्य तत्व 'प्रमाण' होता है। प्रमाण इस बात का कि आपने रिज्यूमे में जो कुछ भी कहा है, आप उसकी इज्जत रखेंगे - और यह प्रमाण आपके वाइटल स्टेटस में होता है, जिसमें तथ्य व आंकड़े या परिणाम दर्शाने वाले कथन होते हैं। ये सब आपके वर्तमान कार्य को दर्शाते हैं व आपको एक सफल व कार्य करने के इच्छुक कर्मी के रूप में साबित करते हैं।

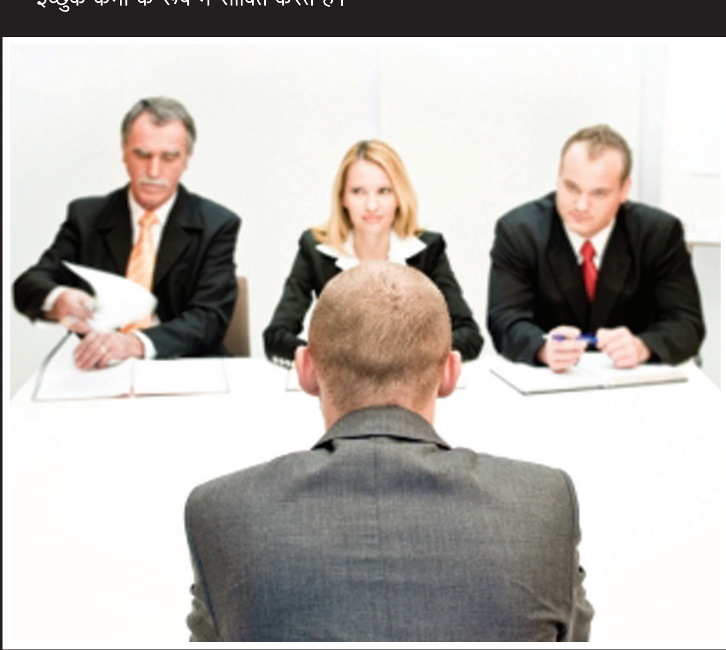

जब भटक जाए करियर प्लान

कॉलेज डिग्री के बाद आप कॉर्पोरेट जगत में अपना प्रोफेशनल जीवन शुरू करते हैं। इसके लिए आप इंटरव्यू की तैयारियां भी पूरे मनोयोग से करते हैं, जहां 'आप पांच वर्ष में खुद को कहा देखते हैं?' जैसे प्रश्नों की आप खास तैयारी करते हैं। लेकिन पांच या दस वर्ष बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं कितनी पूरी हो पाती हैं? क्या आप अपनी प्रगति से संतुष्ट होते हैं या आपको लगता कि यदि एक और मौका मिले तो आप अपने प्रयास कुछ अलग तरीके से करना चाहेंगे ? जब करियर लक्ष्य पूरे न हों तो निराशा होनी स्वाभाविक होती है; फिर जरूरी हो जाता है कि आप अपनी मौजूदा स्थिति का आकलन करें और करियर ग्राफ को ऊपर ले जाने के लिए भावी योजना की रूपरेखा एक बार फिर तैयार करें।

निराशा से जूझना - क्या शुरुआत में वह नौकरी आपके हाथ से निकल गई थी जिसे आप सचमुच प्राप्त करना चाहते थे, और क्या आपका मौजूदा कार्य आपको तरक्की करने के पूरे मौके नहीं दे रहा और क्या कोई नया ऑफर भी आपकी ओर नहीं आ रहा, या फिर कई नौकरियां बदलने के बावजूद आप वहां नहीं पहुंच पा रहे जहां पहुंचने की आपने उम्मीद की थी, और इन सबके अलावा अर्थव्यवस्था का कठिन दौर भी आपके खिलाफ जा रहा है?

कई बार आपके सच्चे प्रयासों के बाद भी परिस्थितियां शुरू से ही आपके विपरीत रहती हैं। फिर भी, यहां यह ध्यान रखना होगा कि आप जो रास्ता पार कर चुके हैं, उस पर आप वापस तो नहीं जा सकते, लेकिन भविष्य की तैयारी अपने अनुसार जरूर कर सकते हैं।

पुनर्प्रयास - तो यदि आपको लगता है कि आपके करियर चार्ट में कुछ कमी है तो उसका सही **आकलन करें** - क्या यह वह बुनियादी हुनर है जिसकी कमी से आप बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं या कोई सॉफ्ट स्किल है जो महत्वपूर्ण कार्य संबंधों को आपसे दूर रख रहा है? इसके बाद, उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण के बाद की परिस्थितियों का भी आकलन करें। यह भी जरूरी है कि आप अपने करियर के मौजूदा दौर में प्रशिक्षण की महत्ता को समझों।

फोकस बदलें - आपने अपनी सारी ऊर्जा एक ही दिशा में लगा दी थीं, परंतु वह आपके काम नहीं आई। तो अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़ें और अन्य दिशाओं में अपने प्रयास शुरू कर दें। इसका मतलब करियर की दिशा में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मौजूदा कार्य के साथ नई जिम्मेदारियां उठाना, जिनमें आपको कुछ नए हुनर सीखने की जरूरत हो। याद रखें कई बार विपरीत परिस्थितियों में नए अवसर छुपे होते हैं; एक अदद निराशा को अपने समूचे करियर को नुकसान न पहुंचाने दें।

खुद पर भरोसा - दुविधा के समय अपने निर्णयों पर सवाल करना अक्सर एक प्राकृतिक क्रिया होती है; परंतु जरूरी है कि अपनी सोच और क्षमताओं पर विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। गलत नौकरी या विपरीत परिस्थितियों का शिकार होना ही आपके बारे में नहीं बताता। इसलिए, अपनी जमीन पर जमें रहें।

कैसे पाएं प्रोमोशन

फर्ज करें आपके बॉस, आपके बॉस के बॉस और अन्य कंपनी एग्जीक्यूटिव्स एक साथ बैठकर आपके बारे में विचार कर रहे हों। इस दौरान वह आपके कार्य चरित्र, आपकी लीडरशिप क्वालिटीज, आपके प्रोजेक्ट्स, आपके अधीनस्थों, आपके द्वारा प्राप्त नतीजों और गत वर्ष के दौरान आपकी परफॉरमेंस के बारे में चर्चा करते हैं। यह समिति एक बहुत महत्वपूर्ण नतीजा लेती है- आपको तरक्की मिलनी चाहिए या नहीं ? बेशक आपके संस्थान में इस कार्य से जुड़ा कोई अनौपचारिक तरीका न हो, लेकिन इस तरह की प्रक्रिया कमोबेश प्रत्येक छोटी या बड़ी कंपनी में होती है। दरअसल, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ ऐसा होता है- प्रत्येक मैनेजर अपनी पसंद के प्रत्याशी को तरक्की प्राप्त करने के सबसे बड़े उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है। उस समय समिति के अन्य सदस्य यह जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों है।

इसलिए ऐसे समय आपको एक ऐसे मैनेजर का सहयोग होना चाहिए जो आपके बारे में सही छवि पेश कर सके। आपके मैनेजर के साथ अन्य ऐसे मैनेजर्स और एग्जीक्यूटिव्ज भी होंगे जिन्होंने आपके साथ काम किया है, वह भी अपने विचार रखेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि वह आपका सकारात्मक और असरकारी रूप सामने रखें। जाहिर है जब प्रत्येक मैनेजर अपने प्रत्याशी के पक्ष में बात सामने रखेगा, उस समय प्रतिस्पर्धा बहुत सख्त हो जाएगी। प्रत्याशियों की संभावी तरक्की के बारे में अधिकारियों के बीच यह मंत्रणा ईमानदार और कड़वी भी हो सकती है। यदि आपको कोई पसंद नहीं करता, तो वह भी ऐसे समय स्पष्ट हो जाता है। कई बाद हालात उस समय सचमुच बिगड़ जाते हैं जब अपने प्रत्याशी को किसी भी कीमत पर तरक्की दिलाने पर उतारू कोई मैनेजर अन्य प्रत्याशियों की बढ़-चढ़ कर बुराइयां करने लगता है। तो तरक्की पाने का आपका मौका तब अधिक होता है जब आपको -

- हाई परफॉरमेंस रिव्यूज मिले हों।
- आपने दिए गए सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हों।
- आपने भावी सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की शुरुआत कर दी हो।
- आपने टीम के कार्य पूरे कर दिए हों।
- कंपनी को बचत करने की विधि बताई हो।
- अतिरिक्त कार्यों की जिम्मेदारी ली हो।
- नए संबंध स्थापित किए हों।
- कार्य के दौरान ज्यादा देर तक काम किया हो।

परंतु कुछ बिंदु आपके खिलाफ भी जा सकते हैं यदि -

- समिति में सब आपको, आपके कार्य और उपलब्धियों से परिचित न हों।
- मंत्रणा के दौरान यदि ज्यादा लोगों ने आपके पक्ष में न बोला हो।
- आप दफ्तर की राजनीति से दूर रहते हों यानी आप समूचे 'खेल का हिस्सा' न हों।
- आपने दिए गए कार्य से अतिरिक्त कुछ और न किया हो।
- यदि नीति निर्धारक आपसे प्रभावित न हों और कम ही लोग आपके पक्ष में बात रख रहे हों।

यदि प्रोमोशन नहीं मिलती तब?

यदि ऐसा होता है तो तुरत-फुरत अपने रिज्यूमे अन्य स्थानों को भेजने न शुरू कर दें। इससे अनुभव लें और अगली बार के लिए तैयार रहें। कुछ उपाय-

बॉस से सही फीडबैक लें

प्रोमोशन से जुड़ी मीटिंग की अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करें। आपके बॉस बेशक ऐसे समय कुछ बातें आपको नहीं बताएं, परंतु फिर भी वह बिना नाम लिए जरूरी जानकारी आपको दे सकते हैं।

अपनी कमियों को भी जाहिर करें

रक्षात्मक न बनें। अपनी कमियों को दूर करने के लिए अपने बॉस के साथ काम करें। उदाहरण के लिए, यदि वरिष्ठ समूह कहता है कि आप वित्तीय मामलों में अधिक मजबूत नहीं हैं, तो कहें कि आप इस विषय में प्रशिक्षण लेने को तैयार हैं।

अगली मीटिंग का इंतजार न करें

यह कभी न सोचें कि आपका कार्य अपनी पहचान खुद बनेगा। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि मीटिंग रूम में सब को आपकी उपलब्धियों का पहले से पता हो। इसके लिए कंपनी के हित में आपके कार्य के बारे में नीति निर्माताओं को समझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

तरक्की प्राप्त करने से जुड़े तीन उपाय

चूंकि अब आप जानते हैं कि इस दौरान 'खेल' खेला जाता है, तो प्रोमोशन प्राप्त करने से जुड़े कुछ उपाय जानिए।

बॉस को करें तैयार

इस बात पर ध्यान दें कि आपके बॉस के पास आपकी उपलब्धियों से जुड़ी सभी जानकारी दस्तावेजों के रूप में मौजूद हो।

बॉस को सहयोग दें

ऐसे कुछ बिंदुओं को तैयार करें जो बताएं कि आप क्यों आदर्श प्रत्याशी हैं। इन बिंदुओं के साथ अत्य तथ्यात्मक जानकारी भी दें जो कंपनी के हित से जुड़ी हो। कुछ बड़े ग्राहकों या उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रशंसा पत्र आदि भी साथ रखें।

अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान

अपने सहयोगियों का लाभ लें और विरोधियों द्वारा संभावी नुकसान का आकलन करें। अपने बॉस को यह भी सूचना दें कि आपने मंत्रणा कक्ष में मौजूद लोगों की किस तरह मदद की थी। यदि कुछ विरोधी तत्व आपकी नजर में हैं तो उनकी जानकारी भी बॉस को दें। उनसे आपके बॉस कैसे निपटें, इस पर विचार किया जाना जरूरी होता है।

अप्रेजल का समय आने को है। इसके बहाने आप अपने कार्य की समीक्षा स्वयं भी कर सकते हैं। तो शुरुआत कीजिए इस कार्य की जो आपको इस वर्ष तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ाने जा रहा है। बता रहे हैं जोल गार्फिकल